Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Friday, 15 September 2023 ● Year : 01 ● Issue : 240 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जिंदगी अगर अपने हिसाब से जीनी हैं तो कभी किसी के फैन मत बनो।

पब्लिसिटी के मामले में पीछे है देओल...

SHARE

सेंसेक्स	:	67,519.00
निफ्टी	:	20,103.10

SARAFA

सोना	:	5,585
चांदी	:	77.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

आज रांची आएंगे जेपी नड्डा, भाजपा नेताओं से करेंगे मुलाकात

RANCHI : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा शुक्रवार को रांची आएंगे। यहां से वे छत्तीसगढ़ के जशपुर में सभा को संबोधित करने जाएंगे। नड्डा दिल्ली से विमान से रांची पहुंचेंगे। यहां एयरपोर्ट के अंदर वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समेत पार्टी के कई नेताओं और पदाधिकारी से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे हेलिकॉप्टर से जशपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। जशपुर में सभा के बाद फिर वे हेलीकाप्टर से वापस रांची आएंगे और एयरपोर्ट से ही दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

अरूणाचल में पुलिस से मुठभेड़, एक उग्रवादी ढेर

ITNANAGAR : अरूणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में बुधवार रात को सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में एनएससीएन-आईएम के एक उग्रवादी को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चांगलांग के उपायुक्त (डीसी) सनी सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि उग्रवादी को मिआओ थाना क्षेत्र के काली मंदिर इलाके में हुई मुठभेड़ में ढेर किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि 11 असम राइफल्स के गश्ती दल मिआओ घाट से काली मंदिर होते हुए धर्मपुर जा रहा था तभी एनएससीएन-आईएम के दो उग्रवादियों ने दल पर गोलीबारी कर दी जिसके बाद हुई मुठभेड़ में चरमपंथी मारा गया।

अनंतनाग में सेना-आतंकियों के बीच एनकाउंटर, सुरक्षाबलों ने ड्रोन की मदद ली

JAMMU : कश्मीर में अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों का एनकाउंटर गुरुवार यानी 14 सितंबर को भी जारी रहा। पूरे दिन गोलीबारी की आवाजें सुनाई देती रहीं। बीच-बीच में धमाकों की आवाजें भी सुनाई दीं। पूरे इलाके पर नजर रखने के लिए सुरक्षा बलों ने क्वाडकॉप्टर (छोटे हेलिकॉप्टर) और ड्रोन की मदद ली। सेना के एक अफसर के अनुसार माना जा रहा है कि आतंकवादी गडोले के जंगल में पहाड़ की एक प्राकृतिक गुफा में छिपे हुए हैं। सेना और पुलिस कर्मियों ने इलाके की चारों ओर से कड़ी घेराबंदी कर रखी है।

जमीन कारोबारी को अपराधियों ने ताबड़तोड़ मारी छह गोलियां

भर्ती, जमीन पर काम कराने को लेकर चल रहा था विवाद

- दिन दहाड़े जमीन कारोबारी को गोली मारने के बाद बाइक लूटकर रिंग रोड़ की तरफ भागे अपराधी, पुलिस को भनक तक नहीं लगी
- शरीर से डॉक्टरों ने निकारली चार गोलियां, दो फंसी हुई है
- पल्स अस्पताल पहुंचे एसएसपी, घरवालों को दिया आश्वासन, बोले- जल्द पकड़े जाएंगे अपराधी

घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन करती पुलिस ● फोटोन न्यूज

CRIME REPORTER RANCHI : कांके थाना क्षेत्र स्थित अरसंडे में गुरूवार की सुबह साढ़े नौ बजे दो अपराधियों ने जमीन कारोबारी अवधेश कुमार छह गोलियां मारकर जख्मी कर दिया। अपराधी घटना को अंजाम देने के बाद आसानी से फरार हो गए। अवधेश कुमार को बरियातू स्थित पल्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अवधेश के शरीर से चार गोलियां निकाल दिया गया है जबकि दो गोली फंसी हुई है। डाक्टरों के अनुसार अवधे की स्थिति गंभीर है। पुलिस का कहना है कि अवधेश कुमार अपने घर से निकलकर कांके रोड स्थित अपने कार्यालय जा रहे थे। तभी घर के पास जैसे मोड आया तो अवधेश कुमार ने अपनी बाइक को धीरे किया। घात लगाए पहले से मौजूद दोनों अपराधी तबातोड़ फायरिंग करने लगे। घटना स्थल पर एक दर्जन से अधिक राउंड फायरिंग होने के बाद अवधेश कुमार बाइक से गिर गया। दोनों अपराधियों को लगा कि अवधेश की मौत हो गई है। इसी बीच एक बाइक सवार युवक मौके पर पहुंचा। दोनों अपराधियों ने हथियार के बल पर युवक से बाइक लूट लिया और उसी बाइक से रिंग रोड़ की ओर फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि कांके में कई इलाकों में अवधेश कुमार जमीन पर काम कर रहा था। जगतपुरम इलाके में एक जमीन पर काम करने की बात को लेकर उसका कुछ जमीन कारोबारियों के साथ विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार इसमें एक जमीन कारोबारी चितरंजन भी था। पुलिस को सूचना मिली है कि चितरंजन जमीन से संबंधित मामले में अवधेश कुमार से गुरुवार को मिलने वाला था। लेकिन अवधेश जैसे ही घर से निकला तो उसे गोली मार दी गई। अवधेश ने गंभीर हालत में जख्मी होने के बाद भी पुलिस से कहा कि इस घटना में चितरंजन का हाथ है। पुलिस चितरंजन की तलाश में छापेमारी कर रही है लेकिन वह फरार है।

तीन वर्ष पहले पीएलएफआई के नाम पर मांगी गई थी बीस लाख की रंगदारी : कांके में रहने वाले जमीन कारोबारी अवधेश कुमार ठेकेदारी का भी काम करते हैं। इसके अलावा उनका एक खटाल भी है। वर्ष 2020 में जमीन कारोबारी अवधेश कुमार से पीएलएफआई के नाम पर बीस लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। गोली कांड की घटना होने के बाद इस इस बिंदू पर भी पुलिस जांच कर रही है।

घटना की सूचना मिलते ही दर्जनों जमीन कारोबारी पहुंचे पल्स अस्पताल : जमीन कारोबारी अवधेश कुमार को गोली लगने की सूचना पाकर दर्जनों जमीन कारोबारी पल्स अस्पताल पहुंचे। लोग आपस में चर्चा कर रहे थे कि अवधेश जमीन का काम बंद करने वाला था। अवधेश बार बार अपने साथियों से बोलता था कि उसे शहर में किसी इलाके में खतरा नहीं है। उसे खतरा बस घर के पास ही है। उसके साथ कोई घटना होगी तो घर के पास ही हो सकती है। अपराधियों ने घटना को अंजाम अवधेश के घर के पास ही दिया।

कमल भूषण के साथ भी अवधेश कर चुका है कई भूखंडों की डीलिंग : अवधेश यादव पिछले कुछ समय से हॉट लिप्स होटल के आस-पास के इलाकों जगतपुरम, ब्रह्मचारी नगर, कांके रोड और कांके के चौड़ी इलाके में जमीन का कारोबार कर रहा था। अवधेश को जहां गोली मारी गयी है, उससे कुछ ही दूरी पर उसका घर है। जमीन के कारोबार में कांके के कुछ लोग इसके पार्टनर भी हैं। सूत्रों के मुताबिक, पिछले साल जिस बड़े जमीन कारोबारी कमल भूषण की रातू रोड में हत्या हुई थी, उनके साथ भी अवधेश ने कई भूखंडों की डीलिंग की है।

ISIS के दो आतंकियों को फांसी की सजा

लखनऊ एनआईए कोर्ट ने सुनाया फैसला

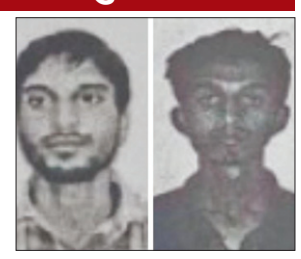
आतंकी आतिफ और फैसल।

AGENCY LUKHNOW : लखनऊ की एनआईए कोर्ट ने आईएसआईएस से जुड़े दो आतंकियों को फांसी की सजा सुनाई है। 4 सितंबर 2023 को एटीएस/एनआईए की विशेष अदालत ने कानपुर में रिटायर्ड शिक्षक रमेश बाबू की हत्या के मामले में आतंकी आतिफ और फैसल को दोषी करार दिया था। गुरुवार को दोनों की वर्चुअली पेशी हुई। न्यायाधीश दिनेश चंद्र मिश्रा की कोर्ट ने दोनों पर 15-15 लाख का जुमार्ना भी लगाया है। सरकारी वकील बृजेश कुमार यादव ने बताया कि तीन अलग-अलग धाराओं 302 में फांसी, 120बी में फांसी, 16 यूएपीए में फांसी और चौथे 18 यूएपीए में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। एनआईए के विशेष वकील कौशल किशोर शर्मा ने कहा, मैंने मृत्यु दंड देने की मांग करते हुए कोर्ट में कहा कि इन दोनों ने एक निर्दोष अध्यापक की केवल उनके हाथ में बंधे कलावा और माथे पर तिलक देखकर हत्या की थी। जहां अच्छा इंसान बनने की शिक्षा दी जाती है, वहां जिहाद पर चर्चा का माहौल बनाया। इनका अपराध रेयर व रेयरेसट की श्रेणी मे आता है। इसके आधार पर कोर्ट ने मृत्युदंड दिया। सरेआम एक रिटायर्ड टीचर की मौत के बाद 7 महीने तक पुलिस हत्यारों को खोजती रही। कुछ पता नहीं चला। हत्या के 200 दिन बाद एनआईए यानी नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि रमेश बाबू को मारने वाले कोई आम अपराधी नहीं, बल्कि आईएसआईएस के आतंकी आतिफ मुजफ्फर और मोहम्मद फैसल हैं। कानपुर में टीचर की हत्या की वारदात के पांच महीने बाद मध्यप्रदेश में एक बड़ी आतंकी घटना हुई। किसी ने नहीं सोचा था कि कानपुर में हुई हत्या की घटना का कनेक्शन दुर्दांत आतंकियों से जुड़ा हुआ है। दरअसल, 7 मार्च, 2017 को भोपाल-उज्जैन पैसेंजर ट्रेन में जबड़ी रेलवे स्टेशन के पास बम धमाके हुए थे।

स्कूल से लौटते समय टीचर को मारी थी दो गोलियां

24 अक्टूबर 2016 को टीचर रमेश छुट्टी के बाद घर लौट रहे थे। वह स्कूल से करीब 500 मीटर दूर ही पहुंचे थे कि दो लड़कों ने पिस्टल निकाली और रमेश के सीने में एक के बाद एक दो गोलियां दाग दीं। रमेश जमीन पर गिरे और तड़पने लगे। कुछ देर बाद उनकी सांस थम गई। गोली की तेज आवाज सुनकर वहां मौजूद लोग रमेश की तरफ भागे। तब तक हमलावर वहां से फरार हो गए। उधर, खून से लथपथ रमेश को किसी तरह पास के कांशीराम हॉस्पिटल पहुंचाया गया। जहां इलाज से पहले ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुंबई एयरपोर्ट के रनवे पर फिसला चार्टर्ड PLANE, दो टुकड़ों में बंटा

आठ लोग घायल, कुछ समय के लिए बंद रहा परिचालन

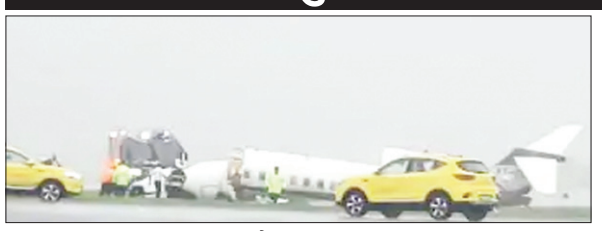
विमान दुर्घनाग्रस्त होने के बाद मौके पर पहुंची दमकल की टीम।

AGENCY MUMBAI : मुंबई हवाईअड्डे पर गुरुवार को एक चार्टर्ड विमान लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार हो गया। विमान में आठ लोग सवार थे। सभी घायल बताए जा रहे हैं। हादसे की गंभरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि रनवे से फिसलने के बाद विमान दो टुकड़ों में बंट गया। रनवे पर हादसे के बाद सभी परिचालन बंद कर दिया गया। हालांकि, थोड़ी देर के बाद परिचालन फिर से बहाल भी कर दिया गया। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने बताया कि विमान में सवार सभी आठ लोग घायल हुए हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने बताया कि विशाखापत्तनम से मुंबई आया वीएसआर वेंचर्स लियरजेट 45 विमान वीटी-डीबीएल विमान मुंबई हवाई अड्डे के रनवे 27 पर उतरते समय फिसल (वेर ऑफ) गया। विमान में छह यात्री और दो चालक दल के सदस्य सवार थे। भारी बारिश के साथ दृश्यता 700 मीटर थी। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, शाम करीब पांच बजे के आसपास घटना के बाद हवाईअड्डे के दोनों रनवे को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया। इसके बाद लगभग छह बजकर 47 मिनट पर एक रनवे पर परिचालन फिर से शुरू किया गया। मुंबई हवाई अड्डे ने एक बयान में कहा कि घटना शाम करीब पांच बजकर आठ मिनट पर हुई। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की टीम मौके पर मौजूद है।

रुपया दो पैसे टूटकर 83.03 प्रति डॉलर पर

NEW DELHI : अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को दो पैसे की गिरावट के साथ 83.03 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर के मजबूत होने से रुपये की धारणा कमजोर हुई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू बाजार के सकारात्मक रुख से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.98 पर खुला। दिन में कारोबार के दौरान यह 82.93 से 83.04 प्रति डॉलर के दायरे में रहने के बाद अंत में अपने पिछले बंद भाव से दो पैसे की गिरावट के साथ 83.03 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.01 पर बंद हुआ था। शेयरखान बाय बीएनपी पारिबा के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ह्यह्यडॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण बृहस्पतिवार को भारतीय रुपया टूट गया। इससे बाहरी भुगतान पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा, हालांकि, घरेलू शेयर बाजार के सकारात्मक रुख ने घरेलू मुद्रा में तेज गिरावट को रोक दिया।

I.N.D.I.A गठबंधन 10 चैनल्स के 14 एंकर्स का करेगा बहिष्कार

कांग्रेस बोली- नफरत के बाजार में ग्राहक बनकर नहीं जाएंगे

भाजपा ने आपातकाल से की तुलना

भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने विपक्षी गठबंधन के इस कदम की तुलना आपातकाल से की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, भारत में नागरिक स्वतंत्रता में कटौती का एकमात्र उदाहरण हमने 1975 में आपातकाल के दौरान देखा है। सनातन धर्म को खत्म करने के लिए खुला आह्वान, पत्रकारों के खिलाफ प्राथमिकी और मीडिया का बहिष्कार आपातकाल के उन अंधकारमय दिनों की राजनीति को दशार्ता है। आई.एन.डी.आई. एलायंस का असली चेहरा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि यह कदम उनकी हताशा को दशार्ता है। राजस्थान के भीलवाड़ा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हर दिन कांग्रेस और उनके सहयोगियों के नेता कहते हैं कि वे सनातन धर्म को नष्ट कर देंगे और हिंदुओं का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। अब उन्होंने पत्रकारों का भी बहिष्कार करना शुरू कर दिया है और मुकदमे दर्ज कर रहे हैं।

AGENCY NEW DELHI : विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों ने बृहस्पतिवार को फैसला किया कि वे देश के 14 टेलीविजन एंकर के कार्यक्रमों में अपने प्रतिनिधि नहीं भेजेंगे। इंडिया की मीडिया से संबंधित समिति की बैठक में यह फैसला किया गया। विपक्षी गठबंधन की मीडिया समिति ने एक बयान में कहा, 13 सितंबर, 2023 को अपनी बैठक में इंडिया समन्वय समिति द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, विपक्षी गठबंधन के दल इन 14 एंकर के शो और कार्यक्रमों में अपने प्रतिनिधि नहीं भेजेंगे। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख और विपक्षी गठबंधन की मीडिया समिति के सदस्य पवन खेड़ा ने कहा, रोज शाम पांच बजे से कुछ चैनलों पर नफरत की दुकानें सजाई जाती हैं। हम नफरत के बाजार के ग्राहक नहीं बनेंगे। हमारा उद्देश्य है नफरत मुक्त भारत। उन्होंने यह भी कहा, बड़े भारी मन से यह निर्णय लिया गया कि कुछ एंकर के शो व कार्यक्रमों में हम भागीदार नहीं बनें। हमारे नेताओं के खिलाफ अनर्गल टिप्पणियां, फेक न्यूज आदि से हम लड़ते आए हैं और लड़ते रहेंगे, लेकिन समाज में नफरत नहीं फैलने देंगे। मिटेगी नफरत, जीतेगी मुहब्बत।

प्रधानमंत्री मोदी ने धर्म के खिलाफ बोलने वालों पर किया कड़ा प्रहार, बोले- गांधी के आखिरी शब्द थे हे राम... वे जीवन भर सनातन के पक्ष में रहें

सनातन को समाप्त करना चाहता है घमंडिया गठबंधन : PM

भोपाल के सागर जिले में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते पीएम मोदी।

AGENCY BHOPAL : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सनातन धर्म के खिलाफ बोलने वालों के खिलाफ पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने गुरुवार को मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान सागर जिले के बीना में बीपीसीएल (भारत पेट्रोलियम कॉपोर्रेशन लिमिटेड) रिफाइनरी में 50 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पेट्रो केमिकल प्लांट के भूमिपूजन कार्यक्रम में विपक्षी दलों द्वारा मिलकर बनाए गए आईएनडीआईए गठबंधन पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने यहां सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'घमंडिया गठबंधन सनातन को समाप्त करना चाह रहा है। गांधी जी के आखिरी शब्द थे- हे राम...। वे जीवन भर सनातन के पक्ष में रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक तरफ आज का भारत दुनिया को जोड़ने का सामर्थ्य दिखा रहा है। दुनिया के मंचों पर हमारा भारत विश्वमित्र के रूप में सामने आ रहा है। वहीं, दूसरी तरफ कुछ ऐसे दल भी हैं, जो देश-समाज को विभाजित करने में जुटे हैं। इन्होंने मिलकर के एक इंडी अलायंस बनाया। इस अलायंस को कुछ लोग घमंडिया गठबंधन भी कहते हैं। इनका नेता तय नहीं है। नेतृत्व पर भ्रम है। इन्होंने पिछले दिन मुंबई में मीटिंग की। मुझे लगता है कि इस मीटिंग में उन्होंने आगे यह घमंडिया गठबंधन कैसे काम करेगा, उसकी नीति-रणनीति बना दी है। उन्होंने अपना हिडन एजेंडा तय कर लिया है। इनकी नीति है- भारत की संस्कृति पर हमला करने की। इनका निर्णय है- भारतीयों की आस्था पर हमला करो। नीयत है- भारत को जिस विचारों ने, जिन संस्कारों ने, जिन परंपराओं ने हजारों वर्ष से जोड़ा है, उसे तबाह कर दो। उन्होंने कहा कि जिस सनातन से प्रेरित होकर देवी अहिल्याबाई ने देश के कोने-कोने में सामाजिक काम किए, ये घमंडिया गठबंधन उस सनातन संस्कार और परंपरा को समाप्त करने का संकल्प लेकर के आए हैं। ये सनातन की ताकत थी कि झांसी की रानी लक्ष्मी बाई अंग्रेजों को यह कहकर ललकार पाईं कि मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। जिस सनातन को गांधी जी ने जीवन पर्यंत माना, जिन भगवान श्रीराम ने उन्हें जीवन भर प्रेरणा दी, उनके आखिरी शब्द थे- हे राम। जिस सनातन ने उन्हें आंदोलन चलाने के लिए प्रेरित किया, ये इंडी गठबंधन के लोग, उस सनातन परंपरा को समाप्त करना चाहते हैं।

देश को फिर 1000 साल की गुलामी में धकेलने की साजिश

मोदी ने कहा कि जिस सनातन से प्रेरित होकर स्वामी विवेकानंद ने समाज की बुराइयों के प्रति लोगों को जागरूक किया, ये उस सनातन को समाप्त करना चाहते हैं। जिस सनातन से प्रेरित होकर लोकमान्य तिलक ने मां भारती की स्वतंत्रता का बीड़ा उठाया, गणेश पूजा को स्वतंत्रता के आंदोलन से जोड़ा, सार्वजनिक गणेशोत्सव की परंपरा बनाई, आज उसी सनातन को ये इंडी गठबंधन तहस-नहस करना चाहता है। उन्होंने कहा कि ये सनातन की ताकत थी कि स्वतंत्रता आंदोलन में फांसी पाने वाले वीर कहते थे कि अगला जन्म मुझे फिर भारत मां की गोद में देना। जो सनातन संस्कृति संत रविदास का प्रतिबिंब है, माता शबरी की पहचान है, महर्षि वाल्मीकि का आधार है, जिस सनातन ने हजारों वर्ष से भारत को जोड़े रखा है, ये लोग मिलकर अब उस सनातन को खंड-खंड करना चाहते हैं। आज इन लोगों ने खुलकर हमला शुरू कर दिया है। कल ये लोग हम पर होने वाले हमले और बढ़ाने वाले हैं। देश के कोने-कोने में हर सनातनी को, इस देश को प्यार करने वाले को सतर्क रहने की जरूरत है। सनातन को मिटाकर ये देश को फिर एक हजार साल की गुलामी में धकेलने की साजिश कर रहे हैं। हमें मिलकर ऐसे ताकतों को रोकना है। हमारी संगठन की शक्ति से, एकजुटता से, उनके मंसूबों को नाकाम करना है।

कोरोना से मरने वालों के आश्रितों को मिलेगा मुआवजा

131 मृतकों के आश्रितों को मिलेंगे 50 हजार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के खूंटी, पाकुड़, देवघर, हजारीबाग और रामगढ़ में वैश्विक महामारी कोरोना से मरने वाले 131 लोगों के आश्रितों को 50-50 हजार मुआवजा मिलेगा। झारखंड सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग ने राज्य आपदा मोचन निधि फंड (एसडीआरएफ) से 65 लाख 50 हजार रुपये की स्वीकृति दी है। यह स्वीकृति राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार दी गयी है। आपदा प्रबंधन विभाग ने जारी आदेश में कहा है कि मुआवजा राशि का भुगतान आश्रितों/दावेदारों के के बैंक खातों में किया जायेगा। किसी भी परिस्थिति में नगद भुगतान नहीं किया जायेगा। स्वीकृत राशि के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी उपायुक्त सह अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार या उनके द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी होंगे। जिनके द्वारा संबंधित जिले के कोषागार से राशि की निकासी की जायेगी।

इन जिलों को दी गयी इतनी राशि

- **हजारीबाग :** 25 लाख (50 मृतकों के आश्रितों के लिए)
- **रामगढ़ :** 20 लाख (40 मृतकों के आश्रितों के लिए)
- **देवघर :** 15 लाख (30 मृतकों के आश्रितों के लिए)
- **पाकुड़ :** 5 लाख (10 मृतकों के आश्रितों के लिए)
- **खूंटी :** 50 हजार (01 मृतक के आश्रित के लिए)

BRIEF NEWS

कोल्हान प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय के सभागार में हिन्दी दिवस का आयोजन

CHAIBASA : कोल्हान प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय के सभागार में गुरुवार को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए हिंदी विषय पर कविता पाठ और लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसपर छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। छात्र-छात्राओं ने एक से एक कविता पाठ और लेख प्रस्तुत किया।

ईमानदारी से मेहनत करें सफलता जरूर मिलेगी

CHAIBASA : कोल्हान विश्विद्यालय द्वारा बी.कॉम सेमेस्टर 5 का रिजल्ट जारी किया गया। जिसमें ब्राइट वे एकेडेमी के छात्र-छात्राओं ने बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया संस्थान के सभी बच्चे पास हुए। इस अवसर पर संस्थान के निर्देशक डॉ प्रोफेसर मुरारी लाल बैध ने कहा कि ईमानदारी से मेहनत करें सफलता आपको जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि मेहनत का कोई विकल्प नही है। आपको हर हाल में परिश्रम करना होगा। देर से ही सही परन्तु सफलता जरूर आपके कदम चूमेगी। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को गुरु मंत्र देते हुए कहा कि सफलता से आपके अंदर घमंड नही आना चाहिए और न ही असफलता से आप टूट जायें। क्योंकि असफलता ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि आज हमें अपनी गलतियों से सीखना है और उन गलतियों को दूर करके आगे बढ़ना है। उन्होंने सभी सफल छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाई और आशीर्वाद दिया।

हिंदी भाषा में अन्य भाषाओं को समाहित करने की विशेषता है : डॉ. त्रिपुरा झा

JAMSHEDPUR : मास्टर सोबरन माझी जिला पुस्तकालय के सभा कक्ष में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजनएसपी सिंह की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व आईएएस ऑफिसर मोहनलाल राय, विशिष्ट अतिथि एलडीएम बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक संतोष कुमार ,यूनाइटेड फ्रंट ऑफ एक्स सर्विसमैन सुशील कुमार सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम में हिंदी पर मुख्यवक्ता डॉ. त्रिपुरा झा ने अपने संबोधन में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा अपने आप में अन्य भाषाओं को समाहित करने की विशेषता रखती है।

एमएनसी आज से 2 अक्टूबर के बीच स्वच्छता पखवाड़ा का करेगी आयोजन

JAMSHEDPUR : सरकार के निर्देश पर मानगो नगर निगम द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता पखवाड़ा के आयोजन को लेकर गुरुवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन 15 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच किये जाने का फैसला किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा, सफाई मित्र सुरक्षा, सिविल गार्बेज फ्री इंडिया आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। इस अवसर पर सहायक नगर आयुक्त ने बताया कि इन सभी कार्यक्रमों का आयोजन मानगो नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत पर्यटन क्षेत्र, बाजार, उद्यान, ऐतिहासिक स्मारक, नदी तट ,घाट आदि क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। मानगो नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत कार्य करने वाले सफाई मित्रों, सफाई कर्मियों का स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा।

खूंटी में सर्पदंश से वृद्ध महिला की मौत

KHUNTI : खूंटी थानांतर्गत चलागी गांव की सोनी पहनाइन नामक 65 वर्षीय वृद्ध महिला की सर्पदंश से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सोनी बुधवार की रात जब अपने घर में सोई हुई थी, तभी जहरीले नाग सांप ने उसे काट लिया। सांप के डंसते ही महिला की नींद खुल गई और सांप को पकड़कर उसे मार डाला। सर्पदंश की शिकार हुई महिला को देर रात सदर अस्पताल खूंटी लाया गया, जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। गुरुवार को खूंटी थाना की पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे स्वजनों को सौंप दिया।

बीए में एडमिशन के लिए जा रही छात्रा की सड़क हादसा में मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया मेन रोड को जाम

PHOTON NEWS GODDA : गोड्डा-महागामा एनएच 133 में रंगमटिया मोड़ के पास गुरुवार को18 वर्षीय छात्रा प्रियंका कुमारी की सड़क हादसे में मौत हो गई। प्रियंका अपने भाई और बहन के साथ पथरगामा स्थित जनजाति डिग्री कॉलेज में बीए में नामांकन के लिए जा रही थी। इसी दौरान रंगमटिया मोड़ के पास विपरीत दिशा से आ रहे डीबीएल कंपनी के हाईवा ने बाइक पर सवार उक्त छात्र और उसके भाई बहन को बुरी तरह से कुचल दिया जिसमें छात्रा प्रियंका की मौके पर ही मौत

हादसे के बाद सड़क जाम करते ग्रामीण व ग्रामीणों को समझाते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

हो गई जबकि बहन और भाई को भी चोट आई है। हादसे के बाद रंगमटिया मोड़ के पास सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण जुट गए।

मृतका प्रियंका कुमारी सदर प्रखंड के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मुकुंदी दिकवानी गांव के निवासी प्रदीप कुमार यादव की पुत्री है। तीनो भाई बहन एक ही बाइक पर सवार होकर कॉलेज में एडमिशन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। बताया जाता है कि यहां फोरलेन सड़क निर्माण के लिए डीबीएल कंपनी की ओर से काम किया जा रहा है जिसमें कंपनी का हाईवा मिट्टी आदि लेकर जाता है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि हाइवा चालक तेज रफ्तार से चलता है जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। हाईवा ने बाइक सवार छात्रा को तेज गति में ही टक्कर मारी है जिससे घटनास्थल पर ही छात्रा की मौत हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवा चालक की गति पर नियंत्रण नहीं रहने से सड़क पर लगातार हादसे हो रहे हैं। वही सड़क पर बाइक सवार लोग भी लोग लापरवाह तरीके से बिना हेलमेट और बिना सुरक्षा के ही सफर करते हैं। इसके कारण भी हादसे बढ़ रहे हैं 'आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर बांस बल्ली लगाकर जाम कर दिया है। दोनों ओर से सैकड़ो वाहनों की कतार लग गई।

सड़क जाम की सूचना पर सदर एसडीपीओ जेपीएन चौधरी, मुफस्सिल थाना प्रभारी गजेश कुमार, बीडीओ रोशन कुमार, पथरगामा थाना प्रभारी कश्यप गौतम शहीद पुलिस बल वहां जाकर आक्रोशित ग्रामीणों को समझा बुझा रहे हैं लेकिन ग्रामीण किसी की सुनने को तैयार नहीं है। सड़क पर छात्रा का शव रखकर ग्रामीण लगातार आंदोलन कर रहे हैं।

हिंदी का सरल उपयोग ही इस भाषा को समृद्ध बनाता है : उपायुक्त चंदन कुमार

PHOTON NEWS RAMGARH : हिंदी का सरल उपयोग ही इस भाषा को समृद्ध बनता है। हिंदी ने कभी भी अपने को संकुचित नहीं किया। दुनिया की जितनी भाषाएं इसके साथ जुड़ना चाही, हिंदी में उसे जोड़ लिया। यह बातें गुरुवार को हिंदी दिवस पर समझी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डीसी चंदन कुमार ने कही।

हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

डीसी चंदन कुमार ने कहा कि ज्ञान की कोई भाषा नहीं होती है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह दायित्व है कि हम हिंदी भाषा को आगे लेकर जाएं। वर्तमान समय में हिंदी साहित्य व हिंदी की किताबों को पढ़ने की जरूरत है। तभी समाज को समझा जा सकता है। यदि हमें हिंदी भाषा को समृद्ध बनाना है तो सर्वप्रथम आए दिन इस्तेमाल किए जाने वाले शब्दों में सरल शब्दों का इस्तेमाल करना होगा।

डीडीसी ने कहा कि यदि हमें हिंदी भाषा को समृद्ध बनाना है तो सबसे पहले हमें हिंदी से प्रेम करना होगा। क्योंकि, जब तक आप किसी विषय या किसी भाषा से जुड़ेंगे नहीं, तब तक आप आम दिनचर्या में उसका इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। उन्होंने सभी से प्रतिदिन हिंदी के नए-नए शब्दों को जानने का अभ्यास करने की भी अपील की।

रामगढ़ कॉलेज की हिंदी विभाग अध्यक्ष अनामिका प्रिया ने कहा कि बदलते दौर में हिंदी भाषा पर लगातार कटाक्ष हो रहा है। हिंदी भाषा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजन करने एवं इससे हिंदी भाषा की समृद्धि तक के रास्ते को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने सभी से कहा कि हिंदी भाषा के प्रति हमारा प्रेम ही हिंदी भाषा को बचा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार, प्रभारी पदाधिकारी मनरेगा डीआरडीए विजय कुमार सहित अन्य ने भी विचार रखे।

डीसी ने बच्चों को किया पुरस्कृत : हिंदी दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए रामगढ़ उच्च विद्यालय कोइरी टोला के कक्षा 10 की नेहा कुमारी एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने के लिए उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोरचे दुलमी की कक्षा 9 की छात्रा रानी कुमारी को उपायुक्त एवं अन्य अधिकारियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया।

हिंदी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इनमें उत्क्रमित उच्च विद्यालय बड़कीपोना के कक्षा 6 की सपना कुमारी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय हेठबरगा गोला के कक्षा 7 के सूरज बेदिया, उत्क्रमित उच्च विद्यालय ऊपरबरगा गोला की अंबिका कुमारी, कन्या मध्य विद्यालय पतरातु के कक्षा 8 की ज्योति कुमारी शामिल हैं।

पलामू में 45.50 कुंतल खाद्यान्न की कालाबाजारी, दर्ज होगा मामला

PHOTON NEWS PALAMU : लाभुकों की पर शिकायत पर बीडीओ मनोज तिवारी, एमओ सखिचन्द दास तथा जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह ने गुरुवार को पीडीएस विक्रेता श्री देवी स्वयं सहायता महिला समूह की दुकान की जांच की। इसमें पीडीएस दुकान में चावल एक किलो भी नहीं मिला जबकि डीएसडी द्वारा 15 जुलाई को ही अगस्त माह का चावल 45.50 कुंतल भेजा गया था।

पीडीएस विक्रेता के दुकान की जांच करते बीडीओ। ● फोटोन न्यूज

जिले के पाटन प्रखंड के नवादा स्थित श्री देवी समूह को अगस्त माह का एनएफएस का चावल 15 जुलाई को डीएसडी के द्वारा दुकानों तक पहुंचा दिया गया था। इसके बावजूद अगस्त माह का खाद्यान्न नहीं बांटा गया। कार्डधारी मुखदेव सिंह, मालती देवी, चंचला देवी, बिगन प्रजापति, आमना देवी, बिजय साव सहित अन्य ने बताया कि अगस्त माह का राशन वितरण नहीं किया गया है। कुछ लोगों को अंगूठा लगाकर चावल आने पर देने को कहकर दुकान से वापस भेज दिया गया। दुकान के बाहर सूचना पट्ट पर किसी तरह का अप टू डेट अंकित नहीं था।

बीडीओ एवं एमओ ने बताया कि संयुक्त जांच रिपोर्ट डीएसओ एवं डीसी को भेजकर राशन कालाबाजारी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराने की अनुशंसा करेंगे। जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह के मुताबिक एमओ की मिलीभगत से जुलाई माह का राशन जिन डीलरों के पास गया, अधिकतर के गोदाम में चावल नहीं है। दुकान बंद है। जिप सदस्य ने उपायुक्त और डीएसओ से मांग की कि ऐसे भ्रष्ट डीलर को बर्खास्त कर एफआईआर दर्ज कराएं और अकाल और सुखाड़ को देखते हुए सभी राशन कार्डधारियों को अनाज मुहैया कराया जाए।

पुलिस उप महानिरीक्षक अनूप बिरथरे से मिला महानगर दुर्गा पूजा समिति का प्रतिनिधिमंडल

PHOTON NEWS RANCHI : आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव वर्ष 2023 के सिलसिले में महानगर दुर्गा पूजा समिति का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमण्डल पुलिस उप महानिरीक्षक रांची प्रक्षेत्र श्री अनूप बिरथरे से मिला।

रांची महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष डॉ. अजीत कुमार सहाय के नेतृत्व में महानगर दुर्गा पूजा समिति रांची के प्रमुख पदाधिकारीगण, श्री महावीर मंडल रांची के अध्यक्ष जयसिंह यादव, सर्वधर्म सदभावना समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम सहित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित होने वाले पूजा पण्डाल के प्रमुख लोगों का एक पुलिस प्रतिनिधिमण्डल उप महानिरीक्षक रांची प्रक्षेत्र अनूप बिरथरे से उनके कार्यालय में मिला एवं रांची के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित होने वाले दुर्गा पूजा से सम्बंधित विस्तृत जानकारी दी, साथ ही साथ पूजा आयोजित किए जाने के क्रम में उत्पन्न होने वाले विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया।

डॉ सहाय ने अपने वक्तव्य में बतलाया कि राज्य सरकार एवं पुलिस विभाग झारखंड के द्वारा विगत समय में महिला पुलिस बल की नियुक्ति हुई है इसलिए महोदय से आग्रह होगा कि आगामी दुर्गा पूजा में अधिक से अधिक महिला पुलिस बल की प्रतिनिधि सुनिश्चित हो। पुलिस उप महानिरीक्षक रांची प्रक्षेत्र अनूप बिरथरे ने प्रतिनिधिमण्डल में शामिल लोगों की बातों को पूरी गम्भीरता से सुना एवं कहा कि रांची वर्षों से गंगा जमुनी तहजीब का केंद्र रहा है एवं यहाँ सभी धर्म के लोग आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ हर पर्व- त्योहार को एकसाथ मिलजुलकर मनाते चले आ रहे हैं जो हमारे एकता एवं भाईचारे की अदभुत मिसाल है, इसे बरकरार रखना होगा। उन्होंने हर सम्भव प्रशासनिक स्तर पर अपना पूर्ण सहयोग देने की बात कही एवं प्रतिनिधिमण्डल को आश्वस्त कराया। प्रतिनिधिमण्डल में महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष डॉ. अजीत सहाय, कार्य कारी अध्यक्ष प्रदीप रॉय बाबू, राजकिशोर, वरीय उपाध्यक्ष राजन वर्मा, कोषाध्यक्ष संजय सिन्हा गोपाल, श्री महावीर मंडल रांची के अध्यक्ष जयसिंह यादव, सर्वधर्म सदभावना समिति के अध्यक्ष मो.इसलाम, रांची जिला ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष तपेशवर केशरी, सचिव वीरेन्द्र साहू, के अलावा महानगर समिति, श्री महावीर मंडल एवं सदभावना समिति के निम्न प्रतिनिधि जैसे जगदीश वर्मा, अमरनाथ साहु, अशोक यादव, परवेज अख्तर, मो. अब्दुल्लाह, जसीम हसन, सुनील सिंह, अर्जुन यादव मुख्य रूप से शामिल थे।

करीम सिटी कॉलेज में दो दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन, पहले दिन 1200 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार

मेले में शामिल होने के लिए करीब 3000 छात्र-छात्राओं की ओर से अपना पंजीकरण कराया गया

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : करीम सिटी कॉलेज के साकची कैंपस में दो दिवसीय अप्रेंटिस सह रोजगार मेला की शुरूआत गुरुवार को हुई। इसमें टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, अशोका स्काई मेटलस प्रा. लि. JCACPL सहित पच्चास से अधिक कंपनियां भाग ले रही हैं। तीस कंपनियों ने पहले दिन भाग लिया। बाकी कंपनियां दूसरे दिन भाग लेंगी। इस रोजगार मेले में तीन हजार से अधिक रोजगार के इच्छुक बीई, डिप्लोमा एवं सामान्य ग्रेजुएट युवकों ने ऑनलाइन पंजीयन कराया। यह युवा दो दिनों में अपनी पसंद की कंपनियों के साक्षात्कार प्रक्रिया में हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन लगभग बारह सौ युवकों ने साक्षात्कार दिया।

जॉब मेले में उमड़ी उम्मीदवारों की भीड़। ● फोटोन न्यूज

इस रोजगार मेले का उद्घाटन समारोह कॉलेज ऑडिटोरियम में पूर्वाहण ग्यारह बजे हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में कोल्हान विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. जयन्त शेखर व व्यवहारिक प्रशिक्षण बोर्ड के असिस्टेंड डायरेक्टर के चंद्रामौली शामिल हुए।

रजिस्ट्रार ने पहल की सराहना की : मुख्य अतिथि डा. जयन्त शेखर ने कोल्हान विश्वविद्यालय की तरफ से सभी अधिकारियों तथा विभिन्न कंपनियों से आए हुए प्रतिनिधियों का स्वागत किया। कहा कि जिस स्तर की प्रतिभा हमारे झारखंड में है, वह और कहीं नहीं मिलेगी। उन्होंने इस पहल की सराहना की।

आगे भी युवाओं के लिए उपलब्ध कराएंगे ऐसे अवसर : के चंद्रमौली ने अपने संबोधन में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार नेशनल अप्रेन्टिसशिप ट्रेनिंग स्कीम चला रही है। इसके तहत अप्रशिक्षित स्नातक तथा डिप्लोमा वाले युवकों को अलग अलग कंपनियों में एक साल का प्रशिक्षण मुहैया कराया जायगा। जिसमें उन्हें स्टाइपेन के साथ साथ प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र भी दिया जाएगा। एक के साल के प्रशिक्षण के बाद उनकी नियुक्ति स्थाई तौर पर की जाएगी। उन्होंने कहा कि आगे भी युवाओं के लिए इस प्रकार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

कॉलेज के प्राचार्य डा. मोहम्मद रेयाज ने अतिथियों तथा विभिन्न कंपनियों से आए हुए प्रतिनिधियों का स्वागत करने के बाद अपने संबोधन में यह कहा कि देश में नौजवानों के सामने रोजगार की बड़ी समस्या है। इस हालत में इस रोजगार मेले का आयोजन करना मैं अपना सौभाग्य समझता हूं। कॉलेज के वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष और नोडल ऑफिसर ठअळर डा. मोहम्मद मोअज्जम नजरी ने बताया कि छात्रों के बीच प्रशिक्षण का होना अनिवार्य है। प्रशिक्षण से उनके अंदर कुशलता एवं योग्यता का गुण आता है। जिससे उन्हें स्थाई तौर पर अच्छे पैकेज के साथ रोजगार मिल सकते हैं।

समाहरणालय सभागार, जमशेदपुर में उप विकास आयुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में की गयी बैठक

17 सितंबर को पूर्वी सिंहभूम सहित देश के 70 जिलों में एक साथ लांच होगा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना 17 सितंबर को पूरे भारत में 70 स्थानों पर लांच किया जाएगा। जिसमें पूर्वी सिंहभूम जिला भी शामिल है। इस अवसर पर सिदगोड़ा स्थित टाउन हॉल में कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें केंद्रीय राज्य मंत्री मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और सूचना और प्रसारण मंत्रालय एल मुरुगन शामिल होंगे।

बैठक करते उप विकास अधिकारी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

इस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर समाहरणालय सभागार, जमशेदपुर में गुरूवार को उप विकास आयुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में बैठक की गयी। इसमें बताया गया कि योजना का शुभारंभ मुख्य कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर, द्वारका में आयोजित होगा। जबकि चयनित जिले इससे ऑनलाइन जुड़ेंगे ।

बैठक में अपर उपायुक्त जयदीप तिग्गा, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र शिव कुमार, डीसीएलआर रविन्द्र गागराई, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी किशोर प्रसाद, एलडीएम एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में जिला के सभी प्रखंडों से शिल्पकारों की भागीदारी सुनिश्चित कराने का निर्देश पदाधिकारियों को दिया गया।

केंद्र सरकार द्वारा कारीगरों और श्रमिकों को प्रोत्साहन देने के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना शुरू करने जा रही है। योजना के तहत लाभार्थियों को रियायती ब्याज दर पर कोलेटरल फ्री कारोबार विकास लोन के अलावा, ई-वाउचर या ईआरयूपीआई के माध्यम से टूलकिट प्रोत्साहन के रूप में सभी को 15 हजार रुपये मिलेंगे। इसके अलावा, कारीगरों को हर महीने अधिकतम 100 ट्रांजेक्शन के लिए हर ट्रांजेक्शन पर 1 रुपये का प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। कारोबार को शुरू करने और उसे विस्तार करने के लिए यह योजना 1 लाख लोन पहले चरण में देती है। वहीं दूसरे चरण के दौरान कामगारों को यह योजना 2 लाख तक का रियायती लोन प्रोवाइड कराता है। इस योजना के तहत 18 तरह के कामगारों को शामिल किया गया है।

किन लोगों को मिलेगा इसका लाभ : केंद्र सरकार की इस योजना से लोहार, कुम्हार, राज मिस्त्री, धोबी, फूलों का काम करने वाले, मछली का जाल बुनने वाले, ताला-चाबी बनाने वाले, मूर्तिकार आदि को लाभ दिया जाएगा। साथ ही कुछ अन्य क्षेत्र के श्रमिकों को भी इसका लाभ दिया जाएगा।

कैसे मिलेगी आर्थिक मदद : पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत पहले चरण में एक लाख रुपये तक का कर्ज दिया जाएगा। इसपर ब्याज की दर ज्यादा से ज्यादा 5 फीसदी होगी। उसके बाद दूसरे चरण में योग्य कामगारों को 2-2 लाख रुपये का रियायती कर्ज दिया जाएगा। साथ ही इन कारीगरों ओर शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र और पहचान पत्र भी दिए जाएंगे। वहीं आधुनिक उपकरण खरीदने के लिए 15 हजार रुपये की मदद भी दी जाएगी।

लाभ पाने के लिए शर्त : कामगारों के लिए सरकार ने इस योजना के तहत पांच साल की अवधि के लिए 13,000 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इस योजना के तहत न्यूनतम आयु 18 साल रखी गई है। परिवार के एक ही सदस्य को इस योजना का लाभ मिलेगा। आवेदन करने वालों को स्व-घोषणा पत्र भी देना होगा।

नदी में नहाने गये केएमपीएम के दो दोस्तों की डूबने से मौत

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कांदरबेड़ा स्थित स्वर्णरेखा नदी में नहाने गए बिष्टुपुर केएमपीएम कॉलेज के दो छात्रों की डूबने से मौत हो गयी। घटना बुधवार की है। जबकि दोनों का शव करीब 24 घंटे बाद गुरुवार को बरामद किया गया। मरने वाले युवकों की पहचान मानगो सुभाष कॉलोनी निवासी कुणाल सिंह और सिदगोड़ा बारा फ्लैट निवासी विनायक कुमार के रूप में की गयी है। दोनों बीसीए के छात्र थे।

मानगो सुभाष कॉलोनी निवासी कुणाल सिंह का आगामी 17 सितंबर को जन्मदिन था। कुणाल के पिता अरविंद सिंह ने बताया कि कुणाल 19 साल का होने वाला था। कुणाल और उसका साथी विनायक एक साथ पढ़ाई करते थे। बुधवार की सुबह कुणाल करीब 9 बजे घर से निकला। इसी बीच विनायक का फोन आया। दोनों साथ कॉलेज गये। दोपहर करीब 12.45 बजे कुणाल की अपनी मां से फोन पर बात हुई। बताया कि कॉलेज में लौटने में देरी होगी। पत्नी ने करीब 2 बजे मोबाइल पर कॉल किया तो कपाली थाना पुलिस से बात हुई। इसके बाद थाने पहुंचे। पूछताछ करने पर पता चला कि बेटे की स्कूटी और कपड़ा कांदरबेड़ा में नदी किनारे मिला है। सिदगोड़ा बारा फ्लैट निवासी विनायक कुमार के भाई विशाल कुमार ने बताया कि वह घर से कॉलेज जाने की बात कह कर निकला था। कांदरबेड़ा जाने की जानकारी नहीं।

दोनों दोस्त बिना बताए निकले थे घर से : परिवार के लोगों ने बताया कि दोनों युवक दोस्त थे। घर के कॉलेज के लिए निकले थे। परिजनों को बगैर बताये दोनों कांदरबेड़ा स्थित सुवर्णरेखा नदी में नहाने चले गये। पुलिस ने बुधवार को दोनों के कपड़े नदी घाट से बरामद किये थे। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गयी।

परिजनों ने पुलिस पर लगाया आरोप : मृत छात्रों के परिवार वालों का आरोप है कि घटना की जानकारी मिलने के बाद वह थाने पहुंचे। उन्हें थाने में घंटों बैठाकर रखा गया।

Daily THE PHOTON NEWS सच के हक में...
www.thephotonnews.com
Friday, 15 September 2023

BRIEF NEWS

जनहित याचिकाकर्ता अरुण दुबे पर 25 हजार का जुर्माना

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने अरुण कुमार दुबे पर 25,000 हजार का जुर्मानां लगाया है। अदालत ने जुमार्ने की राशि झालसा के कोष में जमा करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अदालत ने अरुण कुमार दुबे की जनहित याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि गलत मंशा से जनहित याचिका दाखिल की गई है। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की कोर्ट में सुनवाई हुई। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता राजीव कुमार ने बहस की। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने बहस की। दरअसल, रिम्स में एडमिशन में धांधली का आरोप लगाते हुए अरुण दुबे ने जनहित याचिका दाखिल की थी।

प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान के लिए विद्यार्थियों से जल्द करवाएं आवेदन : डीसी

RANCHI : रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को उपायुक्त कार्यालय के सभागार में कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा में संबंधित अधिकारी ने बताया कि एससी, एसटी, बीसी में बहुत कम आवेदन ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त हुए हैं। जिस पर डीसी ने सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यपकों से संपर्क कर योग्य छात्र-छात्राओं से जल्द से जल्द आवेदन भरवाना सुनिश्चित करें, ताकि उन्हें छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा सके। वहीं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना (2022-23) के लिए संस्थानों से प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों को अच्छी तरह जांच कर सत्यापन करने को कहा।

एयरपोर्ट पर फ्री लेन सेवा का सांसद संजय सेठ ने लिया जायजा

RANCHI : सांसद संजय सेठ ने आज भगवान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची में आरंभ की गई फ्री लेने सेवा का औचक निरीक्षण किया। सांसद दोपहर में अचानक एयरपोर्ट पहुंचे और वहां की गतिविधियों को देखा। यात्रियों को छोड़ने आए वाहनों से भी बात की। स्थानीय कर्मचारियों से भी बात की। सांसद ने पाया की फ्री लेन की सेवा आरंभ कर दी गई है। कर्मचारियों ने सांसद को बताया कि फ्री लेन के लिए एयरपोर्ट के सबसे दाहिने तरफ की लेन को रखा है। यहां आने वाले यात्रियों और वाहनों को 8 मिनट का समय दिया गया है। फ्री लेन में आने वाले वाहनों के निकासी के लिए अलग गेट की भी व्यवस्था की गई है। सांसद संजय सेठ ने एयरपोर्ट पर यात्रियों को छोड़ने आए वाहनों और उनके परिजनों से भी बात की।

मतदान के महत्व और देश में चुनावों के संचालन की दी जानकारी

RANCHI : एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड ने मतदान अधिकार के लिए जागरूकता अभियान की मेजबानी की। इस अवसर पर कुलपति डा. अशोक के. श्रीवास्तव ने अपनी शुभकामनाएं दीं। दर्शकों को संबोधित करते हुए मुनमुन, निदेशक मार्केटिंग ए एंड एम कम्युनिकेशन ने मतदान के महत्व और भारत में चुनावों के संचालन के बारे में बात की। एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड के लगभग 150 छात्रों ने भारत में मतदाता के रूप में अपने अधिकारों को जानने के लिए सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस सत्र के बाद एक एक्सटेम्पोर और क्विज प्रतियोगिता हुई। एक्सटेम्पोर में प्रीति कुमारी को विजेता चुना गया, इशान उपविजेता रहे और रिया मुखर्जी तीसरे स्थान पर रहीं।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

आरोपी अधिकारियों के खिलाफ क्या कदम उठाए गए : हाईकोर्ट

सिविल सेवा परीक्षा की सीबीआई जांच कराने वाली याचिका पर सुनवाई

SPECIAL REPORTER RANCHI : पहली और दूसरी जेपीएससी समेत अन्य परीक्षाओं की जांच की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है कि सीबीआई ने जिन आरोपी अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति मांगी थी, उस बिंदु पर राज्य सरकार की ओर से क्या कदम उठाए गए हैं। वहीं सीबीआई ने इस मामले में अपनी स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट को सौंप दी है। जिसके बाद अब अदालत ने इस केस की अगली सुनवाई 5 अक्टूबर निर्धारित की है। दरअसल, इन तमाम परीक्षाओं में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए प्रार्थी बुद्धदेव उरांव ने 2008 में जनहित याचिका दाखिल की थी। इसके बाद हाईकोर्ट ने इन परीक्षाओं की सीबीआई जांच करने का निर्देश देते हुए नियुक्ति पर रोक लगा दी थी। इसके खिलाफ सरकार और मुकदमे से प्रभावित अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली थी। जहां से उन्हें राहत मिली और हाईकोर्ट के नियुक्ति प्रक्रिया को रोकने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था, लेकिन सीबीआई जांच के आदेश को बरकरार रखा था। इस मामले में जांच पूरी की जा चुकी है। मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्र एवं आनंदा सेन की खंडपीठ पूरे मामले पर सुनवाई कर रही है।

पीपी की जमानत पर सुनवाई पूरी, 20 को आएगा फैसला

RANCHI : लैंड स्कैम केस के आरोपी पावर ब्रोकर के नाम से मशहूर प्रेम प्रकाश (पीपी) की जमानत याचिका पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट में सुनवाई हुई। गुरुवार की सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी होने के बाद अदालत में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत 20 सितंबर को अपना फैसला सुनाएगा। प्रेम प्रकाश की ओर से अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा और स्नेह सिंह ने बहस की। वहीं ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक रमित सत्येंद्र ने बहस की। अब अदालत प्रेम प्रकाश की अर्जी पर बुधवार को सुनवाई करेगा। प्रेम प्रकाश अवैध खनन के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग करने के केस में भी आरोपी हैं। फर्जी कागजात के आधार पर करोड़ों रुपए की भूमि की खरीद-बिक्री से जुड़े लैंड स्कैम में भी ईडी ने उसे आरोपी बनाते हुए आरोप पत्र दाखिल किया है। अवैध खनन केस में एऊ की छापेमारी के दौरान प्रेम प्रकाश के घर से कई दस्तावेज और सरकारी एके-47 हथियार भी बरामद हुआ था।

पूजा सिंघल के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर फैसला सुरक्षित

RANCHI : मनरेगा घोटाला से जुड़े मामले में झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। खूंटी की तत्कालीन डीसी व निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल की भूमिका की जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर अदालत ने मेंटेनेबिलिटी पर बहस के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस संबंध में अरुण कुमार दुबे ने जनहित याचिका दाखिल की है। झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को हाइब्रिड मोड में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल, झारखंड के महाधिवक्ता राजीव रंजन और उनके सहयोगी अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने सरकार की ओर से पैरवी की। हाईकोर्ट ने दोनों तरफ की दलीलों को सुनते हुए मेंटेनेबिलिटी के बिंदु पर फैसला सुरक्षित रख लिया।

चुटिया के होटल में महिला ने फांसी लगाकर दी जान

सुसाइड नोट लिख परिजनों से मांगी माफी

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची के कांटा टोली इलाके की रहने वाली 28 वर्षीय महिला ने स्टेशन रोड के होटल रॉयल रेसीडेंसी के कमरे में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। पुलिस की जांच में पता चला है कि आत्महत्या करने वाली महिला काम नाम डॉली घोष है। आत्महत्या करने की जानकारी मिलते ही होटल प्रबंधन ने चुटिया थाने को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। वहीं पुलिस ने कमरे एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है। पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार महिला ने बुधवार को लगभग दो बजे होटल रॉयल रेसीडेंसी में कमरा बुक किया था। उसने कमरा बुक करने के लिए आधार कार्ड का इस्तेमाल किया। जांच में यह बात सामने आ रही है कि उसने केवल आत्महत्या करने के लिए ही कमरा बुक किया। पुलिस को हाथ लगे सुसाइड नोट में उसने बीमारी की वजह से तंग आकर आत्महत्या करने की बात कही है। अपने सुसाइड नोट में उसने अपने पति और परिवार वालों से माफी भी मांगी है।

पहले भी जान देने की कर चुकी थी कोशिश

ऐसा नहीं है कि महिला ने पहली बार आत्महत्या करने का रास्ता अपनाया था। इससे पहले भी वह सुसाइड करने की कोशिश कर चुकी है। इससे पहले आत्महत्या के लिए किए गए प्रयास के दौरान परिवार के लोगों ने उसे बचा लिया था। पुलिस को परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक वह डिप्रेशन की शिकार थी। काफी दिनों से वह चुपचुप सी रहती थी। परिजनों का कहना है कि वह इस तरह से खुद को खत्म कर लेगी, ऐसा कभी सोच भी नहीं सकते थे। होटल प्रबंधन ने पुलिस को बताया कि उक्त महिला के कमरे से टीवी का साउंड काफी आ रहा था। यह काफी टाइम तक था। जिसके बाद उक्त महिला के कमरे में लगे फोन पर रिसेप्शन से कॉल किया गया, लेकिन फोन नहीं उठा। इसके बाद उक्त महिला के मोबाइल नंबर पर फोन किया गया, पर इसपर भी फोन नहीं उठा। इसके बाद शक होने पर कर्मचारियों ने वेंटिलेटर से झांक कर देखा तो फंखे से झूलती मिली। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया।

तीन दिन ठप रहेगा कोयले का उत्पादन श्रमिक यूनियनों ने किया हड़ताल का ऐलान

बैठक कर रणनीति तैयार करते श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि।

PHOTON NEWS RANCHI : कोयला यूनियनों ने कोयला उद्योग में 5 से 7 अक्टूबर तक हड़ताल करने का ऐलान कर दिया है। झारखंड की राजधानी रांची में पांच श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक में यह फैसला किया गया। 14 सितंबर को रांची के सीसीएल दरभंगा हाउस में कोयला उद्योग में काम करने वाले सभी फेडरेशंस के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इसमें कोल इंडिया के ऑफिसर्स एसोसिएशन के सदस्यों की ओर से 11वें वेतन समझौते के खिलाफ की गई कार्रवाई की वजह से कोयला उद्योग में उत्पन्न परिस्थितियों पर विचार करने के बाद हड़ताल करने का निर्णय लिया गया। पांचों श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अधिकारियों की ओर से की गई कार्रवाई की निंदा की। श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि ऑफिसर्स एसोसिएशन की वजह से कोयला उद्योग में श्रमिकों और अधिकारियों के सौहार्दपूर्ण संबंध में खटास आ गई है। प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर 10 साल में भारत सरकार का कोल इंडिया प्रबंधन ने अधिकारियों के वेतन, सुविधाओं एवं भत्तों में किसी प्रकार की वृद्धि की, तो सभी श्रमिक संगठन इसका विरोध करेंगे। श्रमिक संगठनों ने कहा कि इसके बावजूद अगर प्रबंधन अफसरों के लिए वेतन एवं भत्तों में वृद्धि करता है, तो उसे अब कोल इंडिया के किसी भी फोरम पर होने वाले किसी भी कार्यक्रम में अधिकारियों के साथ श्रमिक संगठन के प्रतिनिधि शामिल नहीं होंगे।

अपनी जान दे देंगे, लेकिन एचईसी को बंद नहीं होने देंगे : इंडिया गठबंधन

RANCHI : नेशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन ने आज गुरुवार राजभवन के सामने एचईसी को बचाने को लेकर एक दिवसीय महाधरना दिया। इस दौरान इंडिया गठबंधन ने आर-पार की लड़ाई लड़ने का ऐलान किया। एचईसी कर्मचारियों और इंडिया के सदस्यों ने अपनी जान दे देंगे, लेकिन हम एचईसी को बंद नहीं होने देंगे और एचइसी बचाओ मोदी को भगाओ का नारा लगाया। कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम, युवा राजद के अध्यक्ष रंजन यादव, महिला नेत्री अनिता यादव, भाकपा नेता अजय सिंह, कांग्रेस नेता अजय नाथ शाहदेव के साथ मजदूर यूनियन के नेता भुवन सिंह सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि एचईसी ने चंद्रयान से लेकर सूर्ययान मिशन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है।

गला काटकर आत्महत्या करने वाले कैदी के परिजनों ने शव रखकर कांके चौक किया जाम

जेल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप, कार्रवाई की मांग

कांके चौक पर जाम लगाकर प्रदर्शन करते ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

CRIME REPORTER RANCHI : होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में गला काटकर आत्महत्या करने वाले कैदी रहमतुल्लाह अंसारी के परिजनों ने गुरुवार को शव के साथ कांके चौक पर जाम लगा दिया। हालांकि, कुछ देर के बाद प्रशासन के समझाने बुझाने पर जाम समाप्त हो गया। इससे पहले रिम्स में रहमतुल्लाह के शव का मजिस्ट्रेट की निगरानी में पोस्टमार्टम किया गया। उसकी वीडियोग्राफी भी करायी गयी। सैकड़ों की संख्या में परिजन और गांव के लोग पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे थे। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद परिजन और साथ आये लोग शव के साथ कांके चौक पहुंचे और रोड पर जाम लगा दिया। कैदी के परिजनों ने जेल प्रशासन पर लापरवाही का लगाते हुए कहा कि रहमतुल्लाह अंसारी का गला काटकर जेल में हत्या की गयी है। साथ ही जेल प्रशासन पर कार्रवाई करने की मांग की। थाना प्रभारी प्रभास ने बताया कि कुछ देर के लिए सड़क जाम हुआ था लेकिन लोगों को समझा-बुझाकर जाम समाप्त करा लिया गया।

बता दें कि बुधवार को जेल प्रशासन की ओर से गंभीर हालत में कैदी रहमतुल्लाह को रिम्स में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

साइक्लोनिक सकुर्लेशन का असर, आज-कल होगी बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में एक बार फिर से बारिश का असर देखा जा रहा है। जहां गुरूवार सुबह से राजधानी समेत आस पास के इलाकों में हल्की बारिश हुई। वहीं, अन्य हिस्सों में भी बारिश हुई। मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, बुधवार रात से राज्य भर में बारिश हो रही है। इससे तापमान में गिरावट आएगी और गर्मी से कुछ राहत मिलेगी। राज्य के दक्षिण पश्चिम और मध्य भाग में भारी बारिश का असर देखा जा सकता है। विभाग की मानें तो, साइक्लोनिक सकुर्लेशन का असर झारखंड में देखा जा रहा है। मौसम केंद्र के मुताबिक एक साथ तीन टर्फ झारखंड के ऊपर से गुजर रहे हैं। एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन बंगाल की खाड़ी में भी बन रहा है। जिसकी जल्द ही निम्न दाबों के क्षेत्र बनने की संभावना है जिसके असर से झारखंड में 16 सितंबर तक अच्छी बारिश होने की संभावना जतायी जा रही है।

वहीं, 15 सितंबर को पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुछ हिस्सों में हल्के से माध्यम दर्जे की बारिश तेज मेघगर्जन के साथ होने की संभावना है। राजधानी रांची के अलावे गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा, खूंटी और पश्चिमी सिंहभूम में बारिश होने की संभावना है। इसके बाद 16 सितंबर को भी राज्य के अन्य जिलों में भारी बारिश होने की आशंका है।

शहरों की किसी गली में अंधेरा नहीं रहेः सचिव

RANCHI : नगर विकास विभाग के सचिव विनय कुमार चौबे ने नगर विकास एवं जुडको द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान श्री चौबे ने निकायों के प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि शहरों के किसी गली कोने में अंधेरे में नहीं रहे। जुपमी भवन के सभागार में 14 सितंबर को समीक्षा में निकायों के अधिकारियों-पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिकायत के 48 घंटे के अंदर बल्ब को बदल दिये जाने का प्रावधान है। इस कार्य के लिए एजेंसी इएसएल को नियुक्त किया गया है। जिस क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट नहीं है, वहां का प्रस्ताव बना कर विभाग को भेजा जाये। उन्होंने कहा कि 15 सितंबर से स्वच्छता पखवाड़ा एवं इंडिया स्वच्छ लीग का उद्घाटन किया जायेगा जो 2 अक्तूबर तक चलेगा। सचिव ने कहा कि विभाग के नगर निकायों में झारखंड म्युनिसिपल सेवा के पदाधिकारियों को नियुक्त किया गया है।

RUN FOR VISION में नेत्रदान के लिए दौड़ी रांची

राज्यपाल, स्वास्थ्य मंत्री व सांसद ने किया रवाना

रन फॉर विजन को रवाना करते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन व अन्य।

PHOTON NEWS RANCHI : 38वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा में ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन का आयोजन आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब और कश्यप मेमोरियल आई बैंक के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। गुरुवार को खेलगांव के बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में हुए इस आयोजन में मुख्य अतिथि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, विशिष्ट अतिथि स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और रांची के सांसद संजय सेठ ने रंग- बिरंगे गुब्बारों को आसमान में उड़ाकर रन फॉर विजन को रवाना किया। इस दौड़ में उसुर्लाइन कान्वेंट स्कूल एवं स्पोट्र्स अकादमी के सैकड़ों छात्रों एवं शहर के कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

रन का थीम ब्लाइंड फोल्ड था : इस बार के रन का थीम ब्लाइंड फोल्ड था। इस दौड़ में भाग लेने वाले दो प्रतिभागी एक साथ दौड़ते हैं, जिसमें से एक प्रतिभागी की आंखों में ब्लाइंड फोल्ड यानी काली पट्टी लगी होती है। उसको बिना पट्टी वाला प्रतिभागी एक समान गति से ट्रैक पर सही दिशा में दौड़ने में मदद करता है। इससे आपसी सहयोग की प्रवृत्ति विकसित होती है।

नेत्रदान कर दूसरों के जीवन में रोशनी ला सकते हैं : राज्यपाल

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि जीते- जी तो हमलोगों को सबकी मदद करनी चाहिए, मगर नेत्रदान कर हम मरने के बाद भी किसी के अंधकारमय जीवन में रोशनी ला सकते हैं। उन्होंने कश्यप मेमोरियल और आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब द्वारा किए जा रहे नेत्र प्रत्यारोपण और नेत्रदान अभियान की प्रशंसा की। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि बाहर से कॉर्निया मंगाने की वजह से हमारे राज्य की गिनती में वह नहीं दिखते हैं। केवल स्थानीय नेत्रदान हमारे राज्य की गिनती में दिखते हैं। इसलिए नेत्र बैंकों में समन्वय स्थापित करना जरूरी है, ताकि स्थानीय नेत्रदान उन आई बैंकों को मिले, जो बाहर से कॉर्निया मंगाते हैं।

केंद्र और राज्य सरकार को पत्र लिखकर सुरक्षा मांगे जाने पर झामुमो ने उठाए कई गंभीर सवाल

दुष्कर्म के आरोपी की सुरक्षा पर बाबूलाल क्यों हैं चिंतित : JMM

प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों से बातचीत करते सुप्रियो भट्टाचार्य।

PHOTON NEWS RANCHI : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी द्वारा सुनील तिवारी को लेकर चिंता जाहिर करने, केंद्र और राज्य सरकार को पत्र लिखकर सुरक्षा मांगे जाने पर झामुमो ने कई गंभीर सवाल खड़े किये हैं। झामुमो केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि आखिर यह सुनील तिवारी हैं कौन, क्या करते हैं, जिनकी सुरक्षा के लिए बाबूलाल मरांडी इतने चिंतित हैं। राज्य सरकार तो राज्य सरकार, केंद्र सरकार को भी पत्र लिख रहे हैं। आखिरकार बाबूलाल मरांडी को हो क्या गया है। ऐसी उम्मीद तो हमें उनसे नहीं थी। जब सुनील तिवारी के बारे में हमने पता किया, तो पता चला है कि यह वही सुनील तिवारी हैं जिन पर 2021 में चिन्मया और बृजभूषण सिंह जैसे आरोप लगे हैं। सुनील तिवारी पर उनके घर काम करने वाली एक आदिवासी युवती के साथ दुष्कर्म और यौन शोषण का आरोप लग चुका है। इस कांड में वे जेल भी जा चुके हैं और बेल पर बाहर हैं। यह वही सुनील तिवारी हैं, जिनके संबंध योंगेद्र तिवारी से हैं। बाबूलाल मरांडी के भाई के साथ संबंध हैं। इनकी पत्नी भी संथाल परगना बिल्डर्स कपंनी में निदेशक रह चुकी हैं। चूंकि राज्य के पूर्व सीएम रहे और वर्तमान में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष काम देख रहे बाबूलाल मरांडी जब उनकी सुरक्षा की मांग कर रहे हैं, तो जरूर हर कोई जानना चाहता है। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि वे कभी पत्रकार बन जाते हैं, कभी व्यवासायी बन जाते हैं, कभी किसी के सचिव बन जाते हैं। कभी वकील बन जाते हैं, इसलिए सरकार इस बहुरूपिया सुनील तिवारी के हर कार्यों की जांच कराए और सच सबके सामने लाए। यह बातें भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही।

मनुवादी लोग हमें सनातनी का पाठ न पढ़ाएं

सुप्रीयो भट्टाचार्य ने कहा कि मनुवादी लोग हमें सनातनी का पाठ न पढ़ाएं। अधर्मी लोग धर्म का पाठ न पढ़ाएं। यह कहां का सनातन है कि रेल, एयरपोर्ट, जलमार्ग आदि सभी का ठेका एक ही आदमी को दिया जाए। बाबूलाल मरांडी यह भी बताने का कष्ट करें कि गोड्डा में अडाणी पावर परचेज एग्रीमेंट का जमकर विरोध किया। फिर क्या हुआ कि बोलना बंद कर दिए। अमरापाड़ा में धरने पर बैठे थे। फिर क्या हुआ कि अचानक धरना समाप्त हो गया। जब गुजरात सरकार ने अडाणी पावर के साथ पीपीए भ्रष्टाचार का मसला उजागर किया, तो अचानक बाबूलाल मरांडी चुप क्यों हो गए। दरअसल भाजपा और भाजपा की पूरी टीम भ्रष्टाचार का एक संगठित गिरोह के रूप में काम करती है। इनलोगों ने केवल झारखंड को ही नहीं बल्कि झारखंडियों को भी लूटा। उनकी अस्मत तक को नहीं छोड़ा।

रांची में ऑनलाइन चल रहा सेक्स रैकेट का धंधा

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी में ऑनलाइन सेक्स रैकेट का धंधा चल रहा है। इसको लेकर चाईल्ड राईट्स फाउंडेशन के सचिव बैजनाथ कुमार ने सीआईडी से शिकायत की है। शिकायत में कहा गया है कि रांची में व्हाट्सएप चैनल के माध्यम से ऑनलाइन सेक्स रैकेट और कॉल गर्ल का संचालन किया जा रहा है। कुछ वेबसाइट पर व्हाट्सएप के माध्यम से कोई भी सीधा संपर्क और चैट कर सकता है। अनुरोध है कि इसकी जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए।

वेबसाइट के जरिये होता है कारोबार

वेबसाइट पर अलग-अलग वर्ग के विज्ञापन होते हैं। कोचिंग क्लास, रियल एस्टेट, गाड़ियों की खरीद-बिक्री, नौकरी से लेकर पर्सनल तक विज्ञापन श्रेणीबद्ध हैं। पर्सनल की केटेगरी में सर्च करने पर एस्कॉर्ट सर्विस, कॉल गर्ल, जिगोलो जैसी सर्विस का विज्ञापन मिलता है। विज्ञापन में एजेंट्स के नंबर दिए होते हैं, जिनसे सेवा के लिए संपर्क किया जाता है। नंबर पर काल करने पर बात ना कर एजेंट उसी नंबर पर व्हाट्सअप करने को कहता है और बाकी का सौदा तय होता है। सौदा तय करने के लिए तस्वीर भेजी जाती है, जिसके बाद रेट निर्धारित किया जाता है। कई सर्विस के लिए पहले पेमेंट करने को कहा जाता है, तो कई सर्विस के लिए बाद में पैसे लिए जाते हैं। एजेंट बताते हैं कि होम या होटल सर्विस भी दी जाती है, जिसमें एस्कॉर्ट को घर या होटल तक पहुंचाया जाता है।

BRIEF NEWS

स्कूबा डाइविंग कार्यशाला का आयोजन

ROURKELA : सुंदरगढ़ खेल विभाग द्वारा एक स्कूबा डाइविंग और सेलिंग कार्यशाला गुरुवार को शुरू की गई है। इसका उद्घाटन एडीएम सह आयुक्त आरएमसी डॉ. शुभंकर महापात्र ने किया। लोग क्रमशः बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम और बसंती सरोवर में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच नौकायन और स्कूबा डाइविंग का आनंद ले सकते हैं।

राउरकेला स्टेशन में रेल नीर स्टाल का उद्घाटन

ROURKELA : राउरकेला स्टेशन में रेल नीर पानी स्टाल का स्टेशन मास्टर पी.दास और कैटरिंग इंस्पेक्टर अरविंद कुमार के हाथो उदघाटन हुआ । राउरकेला रेलवे स्टेशन में किसी भी तरह के लोकल पानी बेचने पर पूरा पाबंदी लग गई है।

लायंस क्लब ने हिंदी के शिक्षकों को किया सम्मानित

ROURKELA : व्यास हाई स्कूल के हिंदी शिक्षको को गुरूवार को हिंदी दिवस के अवसर पर लायंस क्लब के राकेश कुमार सिंह ने आकर्षक शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। शिक्षकों ने हिंदी भाषा की महत्ता पर प्रकाश डाला फिर उपस्थित लायंस क्लब के पदाधिकारियों ने भी अपनी अपनी जानकारी साझा की। लायंस क्लब के पदाधिकारियों में आर के सिंह के अलावा किरण प्रसाद मेहर, लायंस क्लब ऑफ राउरकेला वेदव्यास ग्रेटर के अध्यक्ष प्रकाश धल और लायंस क्लब ऑफ राउरकेला वेदव्यास त्रिवेणी के अध्यक्ष प्रमोद कुमार नतुल्य आदि उपस्थित थे।

जिले में स्क्रब टाइफस का आतंक 132 मरीज चिन्हित, एक की मौत

SUNDARGARH : स्क्रब टाइफस बीमारी ने पूरे प्रदेश में आतंक मचा रखा है। यह रोग सार्वजनिक तालाबों, जंगलों, आदि में पाए जाने वाले एक तरह का किट के काटने से होता है। इस बीमारी के कारण बुखार और मांसपेशियों में दर्द होता है। अगर समय पर इलाज न किया जाए तो मरीज की जान खतरे से भरी होती है। सुंदरगढ़ जिले में जनवरी से अब तक स्क्रब टाइफस के लिए 132 लोगों की पॉजिटिव पहचान की गई है। अब तक सभी मरीजों के ठीक होने की खबर है, जबकि एक की मौत हो गई है। हालांकि, उक्त मरीज को अन्य समस्याएं थीं। सीडीएमओ कान्हू चरण नायक ने कहा मरीज का करीब 20 दिनों से आईसीयू में इलाज चल रहा था। वह अन्य बीमारियों से भी पीड़ित थे। सीडीएमओ ने बताया कि बीमारी पर नियंत्रण के लिए दवा एवं सैंपल जांच की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

कांग्रेस ने सांसद गीता कोड़ा को बनाया सिंहभूम लोकसभा का प्रभारी, दी बधाई

I.N.D.I.A. गठबंधन की मजबूती के लिए करूंगी हर संभव प्रयास : GEETA KODA

PHOTON NEWS CHAIBASA : सिंहभूम की सांसद गीता कोड़ा को प्रदेश कांग्रेस ने सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी मनोनीत किया है। झारखण्ड कांग्रेस की हुई बैठक में सिंहभूम की सांसद के नाम पर सहमति बनी। प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा लोकसभा चुनाव को लेकर राज्य के सभी चौदह लोकसभा सीट के लिए संयोजक एवं प्रभारी की टीम पार्टी द्वारा तैयार कर गई है।

सांसद गीता कोड़ा को प्रभारी मनोनीत किए जाने पर गुरुवार को कांग्रेसियों ने कांग्रेस भवन , चाईबासा में उन्होंने पुष्प गुच्छ प्रदान कर बधाई दिया है ।

सिंहभूम लोकसभा सीट के लिए प्रभारी मनोनीत किए जाने के बाद सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य गठबंधन के साथ लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करना है। इंडिया गठबंधन की मजबूती के लिए हर संभव प्रयास करेंगी। केंद्रीय कमिटी को क्षेत्र के मुद्दों से अवगत कराना और आइएनडीआइए के दलों से समन्वय को लेकर कार्य होगा। स्थानीय मुद्दे, जमीनी आकलन और पार्टी की मजबूती उनकी प्राथमिकता रहेगी।

बधाई देने वालों में कांग्रेस जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास, जिला बीस सूत्री सदस्य त्रिशानु राय, जिला महासचिव कैरा बिरुआ, विश्वनाथ तामसोय, जिला सचिव शंकर बिरुली, मोहन सिंह हेम्ब्रम, जगदीश सुंडी, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां, सिकुर गोप, कार्यकारिणी सदस्य राकेश सिंह, मथुरा चंपिया, हरीश चंद्र बोदरा, जुम्बल सुंडी, गोपाल बोदरा, ब्रज मोहन देवगम, सुशील दास आदि उपस्थित थे।

बैठक में उपस्थित सांसद गीता कोड़ा व अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

जिलास्तरीय प्रखंड स्वास्थ्य मेले का आयोजन

CHAIBASA : चाईबासा सदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में सिंहभूम सांसद गीता कोड़ा की अध्यक्षता में जिलास्तरीय प्रखंड स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। मेले में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि सिंहभूम सांसद गीता कोड़ा एवं उपस्थित अन्य अतिथियों को पौधा प्रदान कर स्वागत एवं दीप प्रज्वलन कर प्रखंड स्वास्थ्य मेला का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ समारोह में सिंहभूम सांसद द्वारा 3 लोगों के बीच पोषाहार किट का वितरण तथा निःक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को पोषाहार उपलब्ध करवाने हेतु सदर चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.शिवचरण हंसदा समेत सदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

समारोह में अपने संबोधन के दौरान सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि राज्य अंतर्गत स्वास्थ्य व्यवस्था में बेहतर सुधार के लिए राज्य के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्वास्थ्य मंत्री व विभाग कृतसंकल्पित हैं। पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कुपोषण, टीबी, कुष्ठ तथा मलेरिया उन्मूलन जैसे कार्यक्रम तहत काफी सराहनीय कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयासरत है। सांसद ने कहा कि स्वास्थ्य मेला का आयोजन सरकार का एक बेहतरीन कदम है। इसके माध्यम से दूरदराज के लोगों को भी स्वास्थ्य सेवा तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता दोनों ही प्रदान किया जा रहा है। इस मेले की सबसे बड़ी खासियत है, यहां एक साथ कई बीमारियों का निःशुल्क जांच व इलाज तथा आवश्यकतानुसार दवाइयां भी उपलब्ध करवाया जा रहा है।

समारोह दौरान सिविल सर्जन डॉ.साहिर पाल के द्वारा जानकारी देते हुए कहा गया कि स्वास्थ्य मेला में चिकित्सकों और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा लगाए गए अलग-अलग स्टालों में सामान्य चिकित्सा, बाल स्वास्थ्य, कंगारू मदर केयर, टीकाकरण, परिवार नियोजन, मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू, कुष्ठ, टीवी, मौखिक स्वास्थ्य जांच, धूम्रपान सेवन के बुरे प्रभाव, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, संचारी तथा गैर संचारी रोगों का निःशुल्क जांच/उपचार सहित रोगों की रोकथाम तथा स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर तमाम जानकारियां आमजन प्राप्त कर सकेंगे।

खान विभाग ने पकड़ा मझगांव में स्टोन चिप्स लदा ट्रक, चालक व मालिक पर एफआइआर

ट्रस्टलाइन मिनिरल्स से कम का चालान लेकर अधिक मात्रा में खनिज की हो रही ढुलाई

- महालेखाकार रांची के अंकेक्षण दल के साथ मिलकर खान विभाग ने किया औचक निरीक्षण

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में गिट्टी खदानों से पत्थर के अवैध खनन, अवैध परिचालन व ओवरलोडिंग की लगातार आ रही शिकायतों के मद्देनजर जिला खनन विभाग की ओर से छापामारी अभियान शुरू किया गया है। इस क्रम में महालेखाकार रांची के अंकेक्षण दल के साथ मिलकर खान विभाग ने मझगांव में औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान स्टोन चिप्स लदे एक वाहन को रोक कर जांच की गयी तो उसमें क्षमता से अधिक खनिज लदा पाया गया। इसके बाद उक्त स्टोन चिप्स लदे ट्रक को जब्त कर मझगांव थाने की अभिरक्षा में रखवा दिया गया। साथ ही साथ ट्रक के चालक व मालिक के खिलाफ खान निरीक्षक सुनील कुमार के बयान पर मझगांव थाने में प्राथमिकी दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बताया जा रहा है कि यह स्टोन चिप्स ट्रस्ट लाइन माइनिंग एंड मिनिरल्स की कादाजामदा पत्थर खदान से लोड कर ओडिशा ले जाया जा रहा था। जांच करने पर पाया गया कि चालान में 438 घन फीट की ही अनुमति थी मगर मापी कराने पर ट्रक में 550 घन फीट स्टोन चिप्स लदा पाया गया। कम मात्रा का चालान लगाकर अधिक मात्रा में स्टोन चिप्स का परिवहन किये जाने की वजह से सरकार को राजस्व का बड़ा नुकसान होता है। यह सरकारी संपत्ति की चोरी का भी मामला बनता है। इस वजह से ट्रक को स्टोन चिप्स के साथ जब्त कर लिया गया है। साथ ही साथ इसके मालिक व चालक पर प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। जिला खनन पदाधिकारी निशांत अभिषेक ने बताया कि कादाजामदा स्थित मेसर्स ट्रस्टलाइन माइनिंग एंड डीलर्स के खिलाफ लगातार शिकायतें आ रहीं थी। इस वजह से कंपनी के संचालक को भी खान विभाग नोटिस कर रहा है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर विधिसम्मत उचित कार्रवाई की जायेगी। खनन पदाधिकारी ने अवैध खनन व परिचालन करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि खनिज की चोरी करते पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

पकड़ा गया ट्रक । ● फोटोन न्यूज

निर्माण श्रमिक पंजीकरण कराकर लें सरकारी योजनाओं का लाभ : शारदा

PHOTON NEWS ROURKELA : सुंदरगढ़ जिला संस्कृति भवन निर्माण श्रमिक कल्याण योजना के तहत विभिन्न सहायता वितरण शिविर गुरूवार को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में श्रम मंत्री शारदा प्रसाद नायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर माननीय मंत्री ने विभाग द्वारा निर्माण श्रमिकों एवं असंगठित श्रमिकों के लिए चलायी जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में शामिल किये जाने हेतु जन-जागरूकता पैदा करने पर जोर दिया तथा श्रमिकों को इन सभी योजनाओं में कैसे शामिल किया जा सकता है, इस पर प्रकाश डाला।

जिला श्रम अधिकारी दिब्यज्योती नायक ने निर्माण श्रमिक और असंगठित श्रमिक कैसे अपना पंजीकरण करा सकते हैं, इन श्रमिकों के लिए क्या सुविधाएं उपलब्ध हैं और श्रमिक ये सभी सुविधाएं, सहायता कैसे प्राप्त कर सकते हैं आदि के बारे में प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर लाभार्थियों को विभिन्न सहायता प्रदान की गई। शिक्षा के लिए 2 लाभार्थियों को 13,000 रुपये, विवाह सहायता के लिए 3 लाभार्थियों को 1,50,000 रुपये, मातृत्व सहायता के रूप में 4 लाभार्थियों को 40,000 रुपये, मृत्यु सहायता के लिए 58 लाभार्थियों को 1,14,000, 100,000 और 47 व्यक्तियों को अंतिम संस्कार के लिए 2,35,000 रुपये की सहायता दी गई। कार्यक्रम में विधायक कुसुम टेटे, विशेष विकास परिषद के अध्यक्ष विनय टोप्पो, सुंदरगढ़ नगर परिषद की अध्यक्ष तन्या मिश्रा उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थिम मंत्री व अन्य। ● फोटोन न्यूज

आरएमसी की ओर से छेंड़ कॉलोनी में विकास योजनाओं का उद्घाटन

PHOTON NEWS ROURKELA : छेंड़ कॉलोनी की मुख्य सड़क के पीछे सड़क मरम्मत एवं नई नालियों की अनेक समस्याओं के चलते श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नाइक द्वारा गुरूवार को 66. - नई नालियों एवं सड़क मरम्मत हेतु 62 लाख 41 हजार रुपए की 80 परियोजना का उद्घाटन हुआ। वरिष्ठ नागरिक विजय कुमार बराली की उपस्थिति में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों और महिलाओं की उपस्थिति में श्रम मंत्री को बधाई दी। आरएमसी के कार्यकारी इंजीनियर वीरेंद्र नंद, सहायक जंत्री स्वतचंद्र कुमार पांडा, कनिष्ठ जंत्री करण कुमार सिंह सामंत उपस्थित थे।

उद्घाटन के अवसर पर जुटे मंत्री व अन्य। ● फोटोन न्यूज

45 बीमा चिकित्सा अधिकारियों की हुई भर्ती

PHOTON NEWS BHUBANESHWAR : ईएसआई अस्पताल में 45 बीमा चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती की गई। लोक सेवा भवन में आयोजित नियुक्ति उत्सव में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इनकी नियुक्ति की है। मुख्यमंत्री ने राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था में बेहतर गुणवत्ता वाली सेवाएं उपलब्ध कराने का सुझाव दिया है।

बीमा चिकित्सकों के साथ सीएम। ● फोटोन न्यूज

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में छात्राओं के बीच दी गई राजयोग की जानकारी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में गुरूवार को माउंट आबू राजस्थान से प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय से आये हुए ब्रह्मकुमार भगवान भाई ने ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के बहन और भाइयों को राजयोग के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजयोग द्वारा अपने कर्मेन्द्रियों पर संयम कर कर्म में कुशलता से सकारात्मक चिंतन करने में मदद मिलती है। राजयोग के अभ्यास द्वारा तनाव मुक्त बन हम अनेक मानसिक और शारीरिक बीमारियों से स्वंम को बचा सकते हैं। मानसिक और शारीरिक बीमारियों से बचने कहे।

भगवान भाई ने राजयोग की विधि बताते हुए कहा कि स्वयं को आत्मा निश्चय कर परमशक्ति परमात्मा को याद करना, मन-बुद्धि द्वारा उसे देखना, उनके गुणों का गुणगान करना ही राजयोग हैं। उन्होंने कहा कि राजयोग के द्वारा हम परमात्मा के मिलन का अनुभव कर सकते हैं। उन्होनें कहा की राजयोग के अभ्यास द्वारा ही हम काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, घृणा, नफरत आदि मनोविकारों पर जीत प्राप्त कर जीवन को अनेक सद्गुणों से ओतप्रोत वा भरपूर कर सकते हैं। राजयोग के द्वारा मन को दिशा निर्देशन मिलती है। जिससे मन का भटकना समाप्त हो जाता हैं।

राजयोगी भगवान भाई ने अपने अनुभव के आधार से बताया की राजयोग के अभ्यास से विपरीत परिस्थिति में भी सकारात्मक चिंतन के द्वारा मन को एकाग्र किया जा सकता है। उन्होनें कहा कि वर्तमान की तनावपूर्ण परिस्थितियों में मन को एकाग्र और शांत रखने के लिए राजयोग संजीवनी बूटी की तरह काम आता हैं। उन्होंने कहा कि राजयोग के अभ्यास द्वारा सहनशीलता, नम्रता, एकाग्रता, शांति, धैर्यता, अंतर्मुखता ऐसे अनेक सद्गुणों का जीवन में विकास कर सकते है। राजयोग द्वारा ही मन की शांति संभव है। उन्होनें बताया की राजयोग के अभ्यास से अतींद्रिय सुख की प्राप्ति होती हैं। जिन्होनें अतींद्रिय सुख की प्राप्ति कर ली उनको इस संसार के वस्तु, वैभव का सुख फीका लगने लगता हैं। इस अवसर पर बीके अंजना बहन ने कहा कि राजयोग के द्वारा हम अपने इंद्रियों पर सयंम रखकर अपने मनोबल को बढा सकते हैं। राजयोग द्वारा आंतरिक शक्तियाँ और सद्गुण को उभार कर जीवन में निखार ला सकते हैं।

पौधा देतीं विश्वविद्यालय की शिक्षिका। ● फोटोन न्यूज

जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज के विवेकानंद सभागार में किया गया हिंदी दिवस का आयोजन

हिंदी अभी भी अपने सम्मान से वंचित: डा अमर सिंह

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर को ऑपरेटिव कॉलेज के विवेकानंद सभागार में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आयोजन महाविद्यालय के हिंदी विभाग के द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित महाविद्यालय के प्राचार्य डा अमर सिंह ने द्धीप प्रज्जवलित करके किया। इस अवसर पर उनके साथ आईक्यूएससी संयोजक डा नीता सिन्हा, भौतिकी विभाग के शिक्षक डा राजीव कुमार, महाविद्यालय के सीनेटर ब्रजेश कुमार, रंगमंच के कलाकार रविकांत मिश्रा, हिंदी विभाग की शिक्षका डा प्रियंका सिंह मौजूद थी।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा अमर सिंह ने अपने संबोधन में हिंदी को सहज, सरल और बोलचाल की भाषा बताते हुए इसके प्रचार-प्रसार की बातें कही। उनके द्वारा कहा गया कि हिंदी को जो मुकाम मिलना चाहिए था। वह आजतक मुकाम नही मिल पाया है। इसको लेकर किसी भी सरकार ने पूरी ईमानदारी से प्रयास नही किया है। सरकार को चाहिए की हिंदी को रोजगार से जोड़ देना चाहिए, ताकि इसको एक व्यापक मुकाम मिल सके। हिंदी भाषा को संरक्षित करना काफी आवश्यक है। इसको लेकर सरकार के साथ हम लोगो को भी एक व्यापक प्रयास करना चाहिए।

इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इसके हिंदी भाषा को सम्मान देने का बात कहा गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अर्थपाल डा एस एन ठाकुर, डा मंगला श्रीवास्तव, डा सुनीता सहाय, डा आर के कर्ण, परीक्षा नियंत्रक डा भूषण कुमार सिंह, डा राजेश कुमार, अर्थपाल अशोक कुमार रवानी, डा स्वरूप कुमार मिश्रा, बीएड की शिक्षिका डा खुशवंत कौर, पूनम प्रसाद, सविता पाल, डा रूचिका तिवारी, रमेश कुमार, शोभा कुमारी, ईश्वर राव, आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की छात्रा शिवांगी एवं धन्यवाद ज्ञापन छात्र संजय सोलोमन ने किया।

दीवार पत्रिका का विमोचन: हिंदी दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा अमर सिंह एवं अन्य अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से त्रैमासिक दीवार पत्रिका युवमानस का उद्घाटन किया गया।

हिन्दी दिवस के अवसर पर उपस्थित कॉलेज के प्राचार्य व अन्य। ● फोटोन न्यूज

हिंदी सुरीली, अप्रतिम, मधुर, व्यापक और जनमानस की भाषा है : कुलपति

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : वीमेंस यूनिवर्सिटी में हिंदी दिवस समारोह व्यस्त परीक्षा कार्यक्रमों के बाद भी व्यापक दृष्टिकोण के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजिला गुप्ता ने मुख्य वक्ता सेवानिवृत संस्कृत विभाग की अध्यक्ष, कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा और हाल हीं में अटल सम्मान से सम्मानित प्रो. रागिनी भूषण, विश्विद्यालय के मानविकी संकायाध्यक्ष सह प्रॉक्टर डॉ. सुधीर कुमार साहू, हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. पुष्पा कुमारी, अन्य अधिकारियों एवं प्राध्यापिकाओं के साथ दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके बाद गणमान्य अतिथियों को जीवंत पौधा देकर एवं झारखंड की संस्कृति से सुसज्जित शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मौके पर कुलपति प्रो.(डॉ.) अंजिला गुप्ता ने कहा कि हिंदी सुरीली है, अप्रतिम है, मधुर है, व्यापक है और जनमानस की भाषा है।

उन्होंने कहा कि फ्रांस में फ्रेंच दिवस, जर्मनी में जर्मन दिवस, चीन में चीनी दिवस, रूस में रूसी दिवस आदि नहीं मनाए जाते क्योंकि वहां के देशवासी उनके अपने भाषा में पलते बढ़ते हैं किंतु हमारे देश का दुर्भाग्य कि मैकाले ने हिंदी भाषा को खत्म करने के लिए अंग्रेजियत को शिक्षा में आवश्यक बना दिया। बच्चों को अंग्रेजी में पलने बढ़ने को विवश कर दिया गया जो भारत की शिक्षा में बाधक बन गई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उदाहरण देते हुए उन्होंने राष्ट्रीयता और समग्र विकास के लिए हिंदी की उपयोगिता को विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

पीएम मोदी से बड़ी चीज हैं नीतीशः आनंद मोहन

बिहार के सीएम प्रधानमंत्री पद के असली दावेदार, बीजेपी ने कहा-मोदी सूरज तो नीतीश तारा

कैमूर। जिनको लगता है कि नरेंद्र मोदी का कोई विकल्प अभी देश में नहीं है, वो गलतफहमी में जी रहे, दिन में सपने देख रहे। निश्चिंत रहें स्थितियां नेता पैदा कर रहे हैं। नीतीश कुमार नरेंद्र मोदी से बड़ी चीज हैं। ये बयान पूर्व सांसद आनंद मोहन ने बुधवार को कैमूर में दिया है।

उन्होंने बीजेपी पर जमकर हमला बोला। साथ ही नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद के लिए मजबूत दावेदार बताया। उनके बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी का कहना है कि दोनों की कोई तुलना नहीं है। मोदी सूरज हैं और नीतीश तारा। आनंद मोहन ने कहा कि नीतीश कुमार ने अपनी लाइफ में सैकड़ों नहीं हजारों प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। आपने आज तक नरेंद्र मोदी को कोई बड़ी पीसी करते देखा है। कभी बड़े मीडिया हाउस के सामने आकर उन्होंने पीसी नहीं की है इसका मतलब कोई जवाब और उनके पास कोई सोच नहीं है। बता दें कि पत्नी लवली आनंद के साथ आनंद मोहन एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे थे। लोगों ने उनका जमकर स्वागत किया। भभुआ से बीजेपी की पूर्व विधायक रिंकी रानी पांडे ने कहा कि ये उनकी व्यक्तिगत राय है। पीएम मोदी का पूरा विश्व लोहा मान चुका है। नौ साल में उन्होंने गरीब शोषित, अति पिछड़ा, वंचित लोगों के लिए काम किया है। उनकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती है। मैं क्या पूरे देश की जनता नीतीश कुमार को पीएम कैंडिडेट नहीं मानती है। आने वाले समय में भी जनता नरेंद्र मोदी को ही वोट देकर प्रधानमंत्री बनाएगी। नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के बीच सूर्य और तारा की तुलना है। पीएम मोदी सूरज हैं। जो इंसान बिहार नहीं संभाल पा रहा है वो पूरे देश को क्या संभालेंगे। उन्होंने कहा कि आज बीजेपी देश की सारी संपत्ति को बेचने में लगी है। पूर्व सांसद ने बीजेपी पर जुबानी वार करते हुए कहा कि देश में सात सीटों पर उपचुनाव हुए हैं। कहा कि जहां बीजेपी का शासन है बस वहीं वे निकले हैं। उसमें एड़ी चोटी एक करने के बाद बीजेपी सिर्फ तीन सीटों पर ही मामूली वोटों की अंतर से ही जीत पाई हैं। आज इनको I.N.D.I.A नाम से चिढ़ है। आगे बोले कि पहले यह कहते थे स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, जीतेगा इंडिया पढ़ेगा इंडिया, लेकिन अब यह इंडिया नाम को बदलना चाहते हैं। पिछड़ी राजनीति के बिहार के दो चैंपियन अब एकजुट हो गए हैं, लेकिन एनडीए का वोट पूरी तरह से सिमटा हुआ है। उनका सारा वोट बैंकिंग सवर्ण रह गया है। मेरे आ जाने से अब उनकी बेचैनी और बढ़ गई है इसलिए मेरे खिलाफ वह षड्यंत्र रच रही है। आनंद मोहन ने कहा कि मणिपुर जातीय उन्माद में जल रहा है। हमारे यहां ऐसे वीर पुरुष हैं जिन्होंने एक टेलीफोन से रूस और यूक्रेन का युद्ध समाप्त करा दिया था तो फिर मणिपुर तीन महीने से आखिर क्यों जल रहा है? आनंद मोहन ने कहा कि मणिपुर में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री झांकने तक नहीं गए। 1100 से ज्यादा बच्चियों से रेप करके गायब कर दिया गया। हजारों बच्चे मार दिए गए, ढाई लाख से अधिक लोग अपने ही देश में शरणार्थी की जिंदगी व्यतीत कर रहे हैं।

संक्षिप्त डायरी

डेंगू के मामलेःरैपिड टेस्ट में पॉजिटिव आने पर विभाग नहीं मान रहा डेंगू

पटना। जिले में अचानक डेंगू के मरीजों की संख्या में कमी आ गई है। इसका कारण यह है कि रैपिड टेस्ट में पॉजिटिव आने वाले मरीजों को स्वास्थ्य विभाग उन्हें डेंगू का मरीज नहीं मान रहा है। लेकिन, सवाल यह है कि मरीज को डेंगू नहीं तो फिर क्या है? क्योंकि रैपिड टेस्ट में पॉजिटिव मिले मरीजों का भी वही इलाज किया जा रहा है, जो एलिजा पॉजिटिव मरीजों का होता है। अब कोरोना के तर्ज पर डेंगू मरीजों का आंकड़ा विभाग छिपा रहा है। वहीं जिला के वेक्टर बॉर्न नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. दीनानाथ प्रसाद का कहना है कि रैपिड टेस्ट स्क्रीनिंग है, उसे कंफर्म डेंगू नहीं मान सकते। अगर रैपिड को भी डेंगू मानने लगे तो इसकी संख्या बहुत अधिक हो जाएगी। रैपिड टेस्ट की अधिकतर रिपोर्ट एलिजा टेस्ट में निगेटिव आती है, इसलिए एलिजा को ही फाइनल माना गया है। उन्होंने कहा है कि रैपिड को डेंगू मानने से लोगों में डर का माहौल बनेगा। एलिजा पॉजिटिव मरीज हैं, उनके घर के चारों ओर फॉगिंग व छिड़काव कराया जाएगा। जिस तरह कोरोना में रैपिड टेस्ट को स्क्रीनिंग की श्रेणी में रखा गया था, उसी तरह डेंगू में भी यह स्क्रीनिंग है। उन्होंने यह भी बताया कि कोराना में रैपिड टेस्ट के बाद सीबी नेट मशीन से जांच की जाती थी, फाइनल आरटीपीसीआर रिपोर्ट होती थी। रैपिड या एलिजा हो, दोनों में एक जैसा ही इलाज होता है।

कटिहार में लूटकांड में शामिल तीन अपराधी गिरफ्तार

कटिहार । मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत डीबीएल कंपनी के मेंन प्लांट के स्टोर रूम के दीवाल को तोड़कर 23 टायर एवं निजी सुरक्षा कर्मी के साथ मारपीट कर उसकी बंदूक सहित अन्य सामान अज्ञात अपराधयों ने लिया था । इस संदर्भ में 10 सितंबर को मुफस्सिल थाने में एफआईआर दर्ज किया गया था। सूचना पर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार द्वारा एक विशेष छापेमारी दल का गठन करते हुए घटना में डकैती की गई सभी सामग्री और अज्ञात अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिया गया था। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने डकैती में लिए गए सुरक्षाकर्मी की बंदूक 19 टायर एवं अन्य समाज के साथ तीन डकैतों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए जिले के रोतारा थाना क्षेत्र अंतर्गत चापी नया टोला गांव से कांड में शामिल अज्ञात अपराधियों में से तीन अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अपराधियों की पहचान 21 वर्षीय मोहम्मद शरीफ पिता महबूब आलम, 21 वर्षीय मोहम्मद मसरूफ पिता मोहम्मद मलिक, एवं 24 वर्षीय मोहम्मद अंजार पिता मलिक कुस्तूर शामिल हैं जिनके घर से कांड में डकैती की गई एक 12 बोर का राइफल एवं 6 गोली तथा तीन मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया।

ट्रेन से कटकर एक की मौत

भोजपुर। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा रेलवे स्टेशन के पश्चिमी ओवर ब्रिज के समीप ट्रेन को चपेट में आने से एक अधेड़ की मौत हो गई । आरा ट्रेन मृत अधेड़ व्यक्ति की पहचान बुधवार को हो पाई है। मृतक मूल रूप से बक्सर जिला के मुरार थाना क्षेत्र के चौगाई गांव निवासी रामनाथ सिंह के 45 वर्षीय पुत्र गुड्डु सिंह के रूप में हुई है। वह वर्तमान में नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा टोला में अपना मकान बनाकर कुछ वर्षो से रहते है। इधर,मृतक के भांजे दिनेश कुमार ने बताया कि वह प्रतिदिन की भांति मंगलवार की शाम करीब पांच बजे सब्जी खरीदने के लिए बाजार समिति गए थे। देर शाम जब वह बाजार समिति से सब्जी खरीद कर वापस घर लौट रहे थे। उसी दौरान यह हादसा हो गया। काफी देर तक जब वह घर वापस नहीं लौटे तो परिजन ने उन्हें खोजना शुरू किया। खोजबीन के दौरान उन्हें इस घटना की जानकारी मिली। जिसके बाद परिजन आरा रेल थाना पहुंचे। इसके पश्चात पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बता दे कि मंगलवार की देर शाम वह आर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी ओवर ब्रिज के समीप रेलवे ट्रैक पर बैठे थे। तभी डाउन लाइन पर मालगाड़ी आने लगी। इसके बाद उन्होंने सोचा कि दौड़कर रेलवे ट्रैक पार कर जाऊंगा। लेकिन वह ट्रेन की चपेट में आ गए। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। बताया जाता है कि मृतक अपने मां-बाप के एकलौती संतान थे। मृतक के परिवार में पत्नी आशा देवी व दो पुत्री कृति, शिल्पी एवं एक पुत्र कृष कुमार सिंह है। हादसे के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है।

जमुई पॉलिटेक्निक कॉलेज के हॉस्टल में छात्रा ने फांसी लगाई

जमुई। ये आखिरी शब्द हैं जमुई के पॉलिटेक्निक कॉलेज में पढ़ने वाली एक छात्रा की। जिसने बुधवार को हॉस्टल के कमरे में आत्महत्या कर ली। छात्रा का नाम शालिनी (18) है और वह लखीसराय की रहने वाली है। पिछले महीने 12 अगस्त को ही उसका कल्याणपुर स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज में फर्स्ट ईयर में एडमिशन हुआ था। तीन दिन पहले ही हॉस्टल में रहने के लिए पहुंची थी। मामला टाउन थाना क्षेत्र के कल्याणपुर स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज का है। छात्रा के पिता जमुई के सोनो प्रखंड के डुमरी राजपुर में जवाहर उच्च विद्यालय में गणित के शिक्षक हैं। वहीं से शालिनी ने मैट्रिक और इंटर की पढ़ाई पूरी करने के बाद यहां आगे की पढ़ाई करने के लिए आई थी।आत्महत्या के बाद मौके से 6 पन्नों का एक सुसाइड नोट भी मिला है। हम जो करने जा रहे हैं अपने मन से करने जा रहे हैं इसमें किसी का दबाव नहीं है। जिन लोगों को मुझसे परेशानी हुई उनसे माफी मांगती हूं। 10ईं में बहुत मेहनत की, लेकिन अच्छा नहीं कर सकी। मुझे पता

नहीं था कि पढ़ना क्या है। 10वीं पास करने के बाद लॉकडाउन लग गया, जिससे 11वीं नहीं पढ़ सकी। 12वीं की पढ़ाई में बहुत परेशानी हुई। उसमें भी कम नंबर आए। परिवार वालों को विश्वास नहीं हो रहा था कि मेरे साथ क्या हो रहा है। हम किसी को क्या समझाते। 12वीं के बाद टारगेट कोर्स जॉइन करने के बाद नीट का एग्जाम दिया। एग्जाम देकर वापस लौटी तो पापा बोले इसको कुछ नहीं आता। ऐसे ही टिक मार दी होगी। रिजल्ट में सब का नंबर नार्मलाइज कर दिया गया। फिर हमने एक साल और तैयारी का मौका मांगा, तो घर वाले बोले कि 4-5 साल तैयारी ही करोगी क्या। मम्मी बोली तुम मोबाइल से पढ़ो सब पढ़ते हैं। मैं बोली ये मैथ्स नहीं साइंस है। इसमें टीचर की जरूरत पड़ती है,लेकिन घर वाले नहीं माने। मम्मी बोली ये हम सब को खा जाएगी। इसकी शादी करा दीजिए। इसको क्यों रखे हैं। पापा बोले नंबर नहीं आ रहा तो दूसरी जगह नाम लिखवा देते हैं। मां-बाप मेरी परेशानी समझने को तैयार नहीं थे। हम किस-किस से लड़ते। भगवान से मन्नत मांगी थी कि घरवाले एक साल और तैयारी का मौका दे दें, लेकिन भगवान ने भी मेरी नहीं सुनी। किसी से कोई शिकवा शिकायत नहीं है। मम्मी-पापा बोझ समझते थे। मेरे जाने के बाद सब लोग खुश रहें। इस जिंदगी का अंत होना जरूरी था। पापा बोलते थे कि तुमको क्या लगता है तुम्हारा हो जाएगा, तुम्हारा नहीं होगा। जब मां-बाप ही ऐसा बोल रहे थे तो किसके पास जाते। हम समझ गए थे कि इस जालिम दुनिया में कोई किसी का नहीं। दुनिया सिर्फ रिजल्ट देखती है, मेहनत और पढ़ाई कोई नहीं देखता। घरवाले मेरा कहीं और एडमिशन कराकर पीछा छुड़ाना चाहते थे। वो लोग तो पीछा छुड़ा लिए, लेकिन मेरा यहां दम घुटता है। बताया जा रहा है कि छात्रा को स्कूल प्रशासन की ओर से रूम नंबर 306 अलॉट किया गया था, लेकिन कुछ तकनीकी समस्या के चलते वह रूम नंबर 210 में अन्य छात्राओं के साथ रह रही थी। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात अचानक अपने रूम मेट को बताया कि उसे पढ़ने में परेशानी होती है। अकेले में वह बेहतर पढ़ाई कर सकेगी। इसलिए रूम नंबर 404 में जा रही है। बुधवार सुबह काफी देर तक जब शालिनी सोकर नहीं उठी, तो छात्राओं ने उसके रूम का दरवाजा खटखटाया। गेट खुला तो देखा अंदर पंखे से उसका शव झूल रहा था। देखकर छात्राएं शोर मचाने लगी। इसके बाद पॉलिटेक्निक कॉलेज के पदाधिकारी आए और मामले की जानकारी टाउन थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी को दी।

बिहार के 19 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट

मानसून के कमजोर होने से बढ़ी उमस भरी गर्मी, अब तक 28 प्रतिशत तक कम बारिश

पटना। बिहार में आज गुरुवार को पटना, गया,नवादा समेत 19 जिलों में हल्की बारिश और वज्रपात की संभावना जताई गई है। आरा,गया में सुबह-सुबह हल्की बारिश हुई है। हालांकि मानसून के कमजोर होने से बारिश की कमी बनी हुई है। बिहार में बारिश की कमी का ग्राफ बढ़कर 28 प्रतिशत तक पहुंच गया है। 13 सितंबर तक राज्य में 875.4 एमएम बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन मात्र 631.9 एमएम बारिश हुई है। मौसम विभाग केंद्र पटना के अनुसार मानसून ट्रफ रेखा जैसलमेर, शिवपुरी, रांची, दीघा होते हुए दक्षिण पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक प्रभावी है। चक्रवातीय परिसंचरण का क्षेत्र दक्षिण पश्चिम उत्तर प्रदेश और आसपास बना हुआ है, जिसके कारण से आज दक्षिणी बिहार के जिलों में वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं बादलों की आवाजाही से कुछ जगहों पर हल्की बारिश की संभावना है। पटना में आज हल्की बारिश के आसार हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से सुबह से ही कड़ी धूप निकल रही है। उमस भरी गर्मी भी लोगों को परेशान कर रही है। वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान राजधानी का अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आज प्रदेश के 19 जिलों में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं कल यानी 15 सितंबर से कुछ इलाकों में मानसून के फिर से एक्टिव होने की संभावना है। इस दौरान पटना, जहानाबाद, बेगूसराय, लखीसराय, नालंदा, नवादा, आरा, गया, बक्सर, रोहतास, कैमूर और औरंगाबाद जिले में बारिश की संभावना है। 16 सितंबर को भी पटना, जहानाबाद, गया, नालंदा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय, जमुई, खगड़ियां, भागलपुर और बांका जिले में बारिश की संभावना को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद 17 और 18 सितंबर के लिए किसी तरह का अलर्ट फिलहाल जारी नहीं किया गया है।

पश्चिम चंपारण के 22 गांवों के लोग नाव पर निर्भरः सालों से निजी नाव से कर रहे आवाजाही

बेतिया । गंडक नदी के बीच बसे 22 गांवों के लोगों की जिंदगी नाव पर आकर ठहर गई है। आजादी के बाद से आज तक इन गांव में जाने के लिए पक्का पुल नहीं है। लोग नदी की धारा में संघर्ष कर गांव में पहुंचते हैं। पश्चिम चंपारण के ठकराहा , योगापट्टी और बैरिया प्रखंड के 22 गांव तीन विधानसभा और दो लोकसभा क्षेत्र से सम्पर्क रखता है। ग्रामीण कहते हैं कि सरकार बदलती गई और साल भी बदलता रहा, लेकिन अगर कुछ नहीं बदली तो गांव के लोगों की तकदीर। ग्रामीणों ने बताया कि नदी के बीच ठकराहा प्रखंड की श्रीनगर पंचायत के 17 वार्ड, मोतीपुर पंचायत के एक वार्ड जबकि योगापट्टी प्रखंड की मंगलपुर

पंचायत के तीन वार्ड और बैरिया प्रखंड की उतरी पटजिरवा पंचायत के एक वार्ड के लोगों को प्रतिदिन गांव से बाहर निकलने के लिए एक नाव ही सहारा है। गांव के लोग वर्तमान व्यवस्था से काफी दुखी हैं। इस व्यवस्था से उनका विश्वास उठ गया है। इलाके के कई लोग तो लोकसभा चुनाव के बहिष्कार की बात भी कर रहे हैं। गांव के बुजुर्गों को उम्मीद नहीं है कि वह कभी भी अपने गांव में बांध और पक्का पुल बनता देख पाएंगे। लगभग 70 साल की चंपा देवी कहती हैं, "मेरी तो उम्र हो गई बाढ़ और पानी देखते-देखते। वोट के समय कई नेता आते हैं और कहते हैं पुल बनेगा, बांध बनेगा लेकिन जीतने के बाद कोई नहीं आता"। चंपा देवी कहती हैं कि उनकी आखिरी इच्छा है कि गांव में पुल, बांध, बिजली, और सड़क हो, लेकिन उन्हें यह भी पता है कि उनकी यह इच्छा कभी भी नहीं पूरी होगी। इसी नाउम्मीदी में वह मुंह को साड़ी से ढक कर अपनी आंसू छिपाने लगती हैं।

विश्व में भारत का मान बढ़ाते भारतवंशी

दुनिया के कोने-कोने में भारतवंशी या भारतीय मूल के लोगों और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती संख्या भी भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देश बनाने के सपने को साकार करने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हाल में भारतवंशी थरमन षणमुगरत्नम सिंगापुर के राष्ट्रपति बने हैं। थरमन वैश्विक मंचों पर सिंगापुर और भारत के हितों को बेबाकी से प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं। थरमन के अलावा ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, आयरलैंड के प्रधानमंत्री लियो वराडकर, पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा, अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली, मारीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ और राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन, सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी आदि भारतवंशी राजनेता अपने-अपने देशों को आगे बढ़ा रहे हैं। साथ ही ये विश्व मंच पर भारत के हितों के हिमायती हैं और हरसंभव तरीके से भारत के विकास में अपना अहम योगदान देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। 12 राशियों में से हर व्यक्ति की अलग राशि होती है, जिसकी मदद से व्यक्ति यह जान सकता है कि उसका आज का दिन कैसा होगा? ज्योतिष में ग्रहों की चाल से शुभ और अशुभ घड़ियां बनती हैं, जो हमारे जीवन को प्रभावित करती हैं। अगर आपकी राशि के बारे में आज का दिन अच्छा है, तो आप उसे सेलिब्रेट कर सकते हैं, वहीं अगर आज का दिन आपके लिए खराब है तो आप पंडित जी के दिए गए सुझावों को अपनाकर कुछ अच्छा कर सकते हैं। हम जी-20 शिखर सम्मेलन में आए विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की डिप्टी डायरेक्टर गीता गोपीनाथ की भी अनदेखी नहीं कर सकते। बंगा ने कुछ माह पहले ही विश्व बैंक के अध्यक्ष का दायित्व संभाला है। वह इस संस्था की अध्यक्षता करने वाले पहले भारतवंशी है। भारत में ही पढ़ाई करने के कारण वह स्वयं को ह्यमेक इन इंडियाह्न का प्रतीक बताते हैं। विभिन्न देशों में राजनीति की ऊंचाइयों पर पहुंचने के साथ-साथ भारतवंशी आइटी, कंप्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि क्षेत्रों में भी बहुत आगे हैं। उल्लेखनीय है कि माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्या नडेला, गूगल के सुंदर पिचई, नोवार्टिस के वसंत नरसिम्हन, एडोब के शांतनु नारायण, आइबीएम के अरविंद कृष्णा, स्टारबक्स के लक्ष्मण नरसिम्हन, वर्टेक्स फार्मास्यूटिकल्स की रेशमा केवलरमानी, माइक्रोन टेक्नोलाजी के संजय मेहरोत्रा, कैडेंस डिजाइन सिस्टम्स के अनिरुद्ध देवगन, पालो अल्टो नेटवर्क के निकेश अरोड़ा, वीएमवेयर के रंगराजन रघुराम, इमर्सन इलेक्ट्रिक कंपनी के सुरेंद्रलाल करसनभाई, माइक्रोचिप प्रौद्योगिकी के गणेश मूर्ति आदि अपनी प्रतिभा एवं कौशल से कारोबार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया की अगुआई कर रहे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतवंशियों और प्रवासी भारतीयों के लिए विदेश की नई संस्कृति में ढलकर ऐसी अद्भुत सफलता हासिल करना आसान नहीं होता। भारतवंशियों के जीवन को आकार देने, उन्हें ऊंचे पदों पर पहुंचाने, कार्य की रणनीति बनाने तथा नेतृत्व की भूमिका के साथ न्याय करने में उन्हें मूल रूप से मिले हुए भारतीय संस्कार और मूल्य अहम भूमिका निभाते हैं। यद्यपि चीनी प्रवासी भी दुनिया के कोने-कोने में फैले हुए हैं, लेकिन वे भारतीय प्रवासियों की तरह शीर्ष वैश्विक संस्थानों, राजनीति और उद्योग-कारोबार में वैसी प्रभावी भूमिका नहीं रखते हैं। दुनिया में प्रवासी भारतीयों का सबसे बड़ा डायस्पोरा है, जिनकी संख्या लगभग 3.2 करोड़ है। विदेश में रह रहे भारतीयों में भारतवंशी (पर्सन आफ इंडियन ओरिजिन), नान रेजिडेंट इंडियन (एनआरआइ) और ओवरसीज सिटीजन आफ इंडिया (ओसीआइ) मुख्य रूप से शामिल हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में एनआरआइ की संख्या करीब 1.34 करोड़ है और ये भारत में अपने संबंधित क्षेत्र में मतदान के पात्र हैं। सबसे ज्यादा प्रवासी भारतीय अमेरिका में रहते हैं। अमेरिका में विभिन्न प्रवासी समूहों में सबसे अधिक आय भारतीयों की है। आस्ट्रेलिया में भी भारतीयों की औसत आय वहां के राष्ट्रीय औसत से डेढ़ गुना अधिक है। प्रवासी भारतीय भारत धन भेजने के मामले में भी अन्य सभी देशों के प्रवासियों से बहुत आगे हैं। वर्ष 2022 में प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजी जाने वाली रकम 100 अरब डालर से भी अधिक रही। वहीं वर्ष 2021 में प्रवासियों ने करीब 87 अरब डालर की रकम भारत भेजी। प्रवासियों से धन प्राप्त करने वाले दुनिया के विभिन्न देशों की सूची में भारत वर्ष 2008 से अब तक शीर्ष पर बना हुआ है। अतीत में जब-जब भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट आई है, तब-तब प्रवासियों ने भारत के विदेशी मुद्रा कोष को बढ़ाने में सहयोग दिया है। वर्ष 1998 में भारत ने जब परमाणु परीक्षण किया तब अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों ने हम पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए। उन प्रतिबंधों की समाप्ति में भारतवंशियों और प्रवासी भारतीयों ने अहम भूमिका निभाई। कोरोना की पहली लहर के समय दुनिया के विभिन्न देशों में चिंता और अनिश्चितता के दौर में फंसे भारतीयों को प्रवासी भारतीयों का हरसंभव सहयोग मिला था। वर्ष 2021 में कोरोना की दूसरी दर्दनाक लहर के बीच भी प्रवासी भारतीयों ने भारत में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक मजबूत करने के लिए बेमिसाल सहयोग दिया। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों और प्रवासी भारतीयों से संबद्ध एक संयुक्त संगठन-इंडिया फिलांथ्रोपी अलायंस (आइपीए) भारत के हित में काफी काम करता है।

भारत के बढ़ते रसूख का सबको अहसास

ANALYSIS

हर्ष वी. पंत

**भारत का औसत प्रदर्शन देखने के हम इस कदर आदी हो चुके हैं कि जब देश ने अपेक्षाओं की सारी हदें तोड़ते हुए अच्छा प्रदर्शन किया तो उस खबर को जज्ब करने में भी हमें थोड़ा वक्त लगा। यहां बात सिर्फ नई दिल्ली घोषणा पर बनी सहमति की नहीं, उस पूरे ऐटिट्यूड की है, जिससे जी20 की यह पूरी प्रक्रिया संचालित की गई। शिखर बैठक में भारत ने अपनी वैश्विक महत्वाकांक्षा और मेगा डिप्लोमेसी की क्षमता को फिर से साबित किया। जी20 की इस प्रक्रिया के दौरान समानांतर रूप से दो संवाद साथ-साथ चल रहे थे। एक तरफ देश के अंदर आम हिंदुस्तानी घरेलू और दूसरे देशों के बीच लगातार धुंधली पड़ती रेखा को देख रहा था और इस तरह देश के बाहरी प्रभाव को बेहतर ढंग से महसूस कर पा रहा था। दूसरा संवाद बाकी पूरी दुनिया से था, जो अतीत में अक्सर वैश्विक मंचों पर नेतृत्व करने की भारत की इच्छा और क्षमता पर सवाल उठाती रही थी। सच पूछिए तो पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के वैश्विक व्यवहार में महत्वाकांक्षा की नई भावना भर दी है। उनकी द्विपक्षीय कूटनीति तो जगजाहिर रही ही है, किसी राष्ट्र की यात्रा में ऐसे पल आते हैं, जब वैश्विक मंच पर उसका उभार कुछ इस तरह से होता है कि उसमें शक की कहीं कोई गुंजाइश नहीं होती। भारत की जी20 की अध्यक्षता ऐसा ही ऐतिहासिक पल लेकर आई है। भारत जी20 शिखर बैठक में संयुक्त वक्तव्य पर आम सहमति हासिल कर पाएगा या नहीं, इस सवाल को लेकर उदासी के सारे बादल तब अचानक छंट गए, जब बैठक समाप्त होने के काफी पहले ही सहमति का दस्तावेज सार्वजनिक कर दिया गया। भारत का औसत प्रदर्शन देखने के हम इस कदर आदी हो चुके हैं कि जब देश ने अपेक्षाओं की सारी हदें तोड़ते हुए अच्छा प्रदर्शन किया तो उस खबर को जज्ब करने में भी हमें थोड़ा वक्त लगा। यहां बात सिर्फ नई दिल्ली घोषणा पर बनी सहमति की नहीं, उस पूरे ऐटिट्यूड की है, जिससे जी20 की यह पूरी प्रक्रिया संचालित की गई। शिखर बैठक में भारत ने अपनी वैश्विक महत्वाकांक्षा और मेगा डिप्लोमेसी की क्षमता को फिर से साबित किया। जी20 की इस प्रक्रिया के दौरान समानांतर रूप से दो संवाद साथ-साथ चल रहे थे। एक तरफ देश के अंदर आम हिंदुस्तानी घरेलू और दूसरे देशों के बीच लगातार धुंधली पड़ती रेखा को देख रहा था और इस तरह देश के बाहरी प्रभाव को बेहतर ढंग से महसूस कर पा रहा था। दूसरा संवाद बाकी पूरी दुनिया से था, जो अतीत में अक्सर वैश्विक मंचों पर नेतृत्व करने की भारत की इच्छा और क्षमता पर सवाल उठाती रही थी। सच पूछिए तो पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के वैश्विक व्यवहार में महत्वाकांक्षा की नई भावना भर दी है। उनकी द्विपक्षीय कूटनीति तो जगजाहिर रही ही है,

जी20 ने उन्हें और भारत को सीधे एक बड़े और व्यापक मंच पर ला दिया। इसमें नई दिल्ली को बड़ी ताकतों के आपसी संघर्ष से उपजे मौजूदा अंतरराष्ट्रीय माहौल से भी मदद मिली। तेजी से उभरते वैश्विक शक्ति संतुलन के दबाव के कारण मौजूदा बहुपक्षीय संस्थानों की कमजोरियां पूरी तरह उजागर हो चुकी हैं। यूक्रेन युद्ध के चलते वैश्विक विकास का वह अजेंडा खतरे में पड़ गया, जिसके लिए महामारी के बाद के समय में दुनिया का एक बड़ा हिस्सा बेकरार था। ऐसे में चीन और पश्चिम की बढ़ती आक्रामकता न केवल पूरी दुनिया में निराशा फैला रही थी, बल्कि नेतृत्व का एक शून्य भी पैदा कर रही थी। भारत इस शून्य को भरने के लिए तेजी से आगे बढ़ा। अपने नेतृत्व का सिक्का जमाने के लिए उसने जी20 की अपनी अध्यक्षता का बेहतरीन इस्तेमाल किया। इस बात से खास मतलब नहीं था कि जी20 का मंच अतीत में खास प्रभावी नहीं रहा है। नई दिल्ली को अपनी भूमिका सही ढंग से निभानी थी और उसने निभाई। भू-राजनीतिक ध्रुवीकरण को अच्छी तरह समझते हुए उसने वैश्विक विकास का अजेंडा ग्लोबल साउथ के नजरिए से बनाया। वैश्विक राजनीति की संरचनात्मक वास्तविकताएं कोई भारत की बनाई हुई नहीं हैं, न ही भारत इकतरफा तौर पर उन्हें बदल सकता है। लेकिन उसे ग्लोबल गवर्नेंस का अपना अजेंडा सामने रखने का कोई रास्ता तलाशना था। और, यह काम उसने पूरे भरोसे के साथ किया; टकराव और विकास के अजेंडे के बीच की कड़ी पर फोकस बढ़ाते हुए, सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स हासिल करने में मिल रही नाकामियों को रेखांकित करते हुए, अपने डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को वैश्विक जनकल्याण के साधन के रूप में पेश करते हुए, मल्टीलैटरल डिवेलपमेंट बैंक में सुधार की प्रक्रिया को तेज करने पर जोर बढ़ाते हुए, कम और मध्य आय वाले देशों पर कर्ज के बोझ को रेखांकित करते हुए और ग्लोबल साउथ को अपनी ग्लोबल गवर्नेंस इनीशटिव्स के केंद्र में रखते हुए। अब जब अफ्रीकन यूनियन ने जी20 को जी21 में तब्दील कर दिया है, नई दिल्ली इस वैश्विक मंच को ज्यादा इन्क्लूसिव और ज्यादा प्रासंगिक बनाने की अपनी उपलब्धि पर गर्व भरी नजर डाल सकती है। सौ फीसदी सहमति के साथ नई दिल्ली घोषणा को अपनाया जाना तो बस सोने पे सुहागा का काम कर रहा है। इस बात को लेकर काफी सस्पेंस बना हुआ था कि यूक्रेन मसले पर बन चुकी खाई को भारत कैसे पाटेगा। लेकिन नई दिल्ली के अब तक के स्टैंड के अनुरूप ही जी20 घोषणा ने सभी देशों से अंतरराष्ट्रीय कानूनों और बहुपक्षीय व्यवस्थाओं के मुताबिक शांति तथा स्थिरता बनाए रखने और क्षेत्रीय अखंडता तथा संप्रभुता का सम्मान करने की अपील की। इसके साथ ही मतभेदों को पाटने की भारत की क्षमता वैश्विक स्तर पर पूर्ण रूप में प्रदर्शित हो गई। एक और चीज जो प्रदर्शित हुई वह थी ग्लोबल प्लैटफॉर्म्स को साझा चुनौतियों का हल देने लायक बनाने की नई दिल्ली की क्षमता। इस मामले में दो बातें खास तौर पर ध्यान देने लायक हैं। जीरो उत्सर्जन के टारगेट की दिशा में अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस लॉन्च किया जाना इंटरनैशनल सोलर अलायंस के गठन के बाद भारत का दूसरा इंस्टिट्यूशनल कमिटमेंट है। ग्लोबल इकॉनमिक ऑर्डर को ज्यादा इन्क्लूसिव बनाने की भावना के तहत भारत, अमेरिका, पश्चिम एशिया और यूरोपीय युनियन को जोड़ने वाले एक व्यापक रेल और शिपिंग कनेक्टिविटी नेटवर्क की घोषणा की गई। आज जब दुनिया की बड़ी शक्तियों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है, इस तरह की शिखर बैठक आयोजित करके और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के तरीके पर व्यापक सहमति कायम कर के भारत ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। लेकिन नतीजे चाहे जितने भी आकर्षक लगते हों, वास्तव में पिछले कुछ महीनों में चली जी20 की प्रक्रिया ही दरअसल वह चीज है जिसने वैश्विक मध्यस्थ के रूप में भारत की संभावनाओं को रेखांकित करने का काम किया है। भारत ने विश्व व्यवस्था में अपनी साख काफी बढ़ा ली है। ज्ञ20 और भारतीय विदेश नीति दोनों का दर्जा ऊंचा उठ चुका है। उन्हें अब पहले वाली नजर से शायद ही देखा जा सके।

डिसक्लेमर : ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

पूरी हो आवश्यक सुधारों की प्रतीक्षा

यह अच्छा है कि औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों को बदले जाने वाले प्रस्तावित तीन विधेयकों-भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रारूपों पर गृह मामलों की संसदीय समिति ने विचारझ्रविमर्श शुरू कर दिया है। वैसे तो इन विधेयकों पर पहले भी विचार हो चुका है, लेकिन यह भी आवश्यक था कि इन पर विभिन्न दलों के सांसद भी चिंतन-मनन करें ताकि आम सहमति कायम हो सके और वे आसानी से पारित होकर कानून बन सकें। आशा की जाती है कि संबंधित संसदीय समिति में शामिल सांसद दलगत हितों से ऊपर उठकर इन विधेयकों पर विचार करेंगे। यह अपेक्षा इसलिए, क्योंकि कुछ दल यह बेजा सवाल उठा चुके हैं कि इन विधेयकों का नाम हिंदी में क्यों है? इस प्रश्न का इसलिए कोई मूल्य-महत्व नहीं, क्योंकि इनका नाम भले ही हिंदी में हो, लेकिन उन्हें अंग्रेजी में ही तैयार किया गया है-ठीक वैसे ही जैसे अन्य विधेयक तैयार किए जाते हैं। 12 राशियों में से हर व्यक्ति की अलग राशि होती है, जिसकी मदद से व्यक्ति यह जान सकता है कि उसका आज का दिन कैसा होगा? ज्योतिष में ग्रहों की चाल से शुभ और अशुभ घड़ियां बनती हैं, जो हमारे जीवन को प्रभावित करती हैं। अगर आपकी राशि के बारे में आज का दिन अच्छा है, तो आप उसे सेलिब्रेट कर सकते हैं, वहीं अगर आज का दिन आपके लिए खराब है तो आप पंडित जी के दिए गए सुझावों को अपनाकर कुछ अच्छा कर सकते हैं। यह सही है कि अंग्रेजों के बनाए कानूनों में समय-समय पर संशोधन हुए, लेकिन वे अभी भी औपनिवेशिक छाप लिए हुए हैं। इन कानूनों का जोर दंड देने पर अधिक था और न्याय देने पर कम। ये कानून लैंगिक समानता के अनुरूप भी नहीं हैं। कई मामलों में यह देखने में आया है कि यदि कोई अपराध पुरुष करे तो वह दंड का भागीदार होता है, लेकिन वही अपराध महिला करे तो नहीं। प्रस्तावित आपराधिक कानूनों का एक उद्देश्य लोगों को समय पर न्याय उपलब्ध कराना भी है, लेकिन जब तक न्यायालयों की कार्यप्रणाली नहीं बदलती तब तक इस लक्ष्य को प्राप्त कर पाना कठिन है। निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय मुकदमों के बोझ से दबे हैं। उच्च न्यायालयों के साथ उच्चतम न्यायालय में भी बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट में ऐसे लंबित मामलों की संख्या 24 हजार से अधिक है, जो पांच वर्ष से लंबित हैं। दस वर्ष से लंबित मामलों की संख्या आठ हजार से अधिक है। 204 मामले ऐसे हैं, जो 20 वर्ष से लंबित हैं। इसका अर्थ है कि सुप्रीम कोर्ट भी समय पर न्याय नहीं दे पा रहा है। उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या 60 लाख से अधिक है और निचली अदालतों में लंबित मामले चार करोड़ के आंकड़े को पार कर गए हैं। निःसंदेह इसका एक कारण न्यायाधीशों की कमी है, लेकिन यदि तारीख पर तारीख का सिलसिला कायम रहता है और न्यायाधीशों की संख्या बढ़ भी जाती है तो भी बात बनने वाली नहीं। स्पष्ट है कि समय पर न्याय उपलब्ध कराने के लिए न्यायिक तंत्र में भी सुधार अनिवार्य हो चुके हैं। यह विचित्र है कि हर क्षेत्र में सुधार हो रहे हैं, लेकिन न्यायिक क्षेत्र में सुधारों पर केवल चर्चा करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है। अदालतों में लंबित करोड़ों मामले केवल लोगों को हताश-निराश ही नहीं करते, वे देश की प्रगति में बाधक भी बनते हैं, क्योंकि करोड़ों लोगों के संसाधन और समय अदालतों के चक्कर लगाने में जाया होता है। इसके अलावा समय पर न्याय न मिलने से विकास के कई काम अटके पड़े रहते हैं। साफ है कि सरकार को न्यायिक क्षेत्र में भी सुधार के लिए सक्रिय होना ही होगा। उसे ऐसी ही सक्रियता पुलिस एवं प्रशासनिक सुधारों के मामले में भी दिखानी होगी। पुलिस सुधारों पर सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशानिर्देश 2006 में दिए थे, उन पर सही तरह अमल अब तक नहीं हो पाया है। इसका कारण यह है कि कोई भी सरकार पुलिस सुधारों के लिए प्रतिबद्ध नहीं। प्रशासनिक सुधार भी अटके पड़े हैं। द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग 2005 में वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में बनाया गया था। पता नहीं उसकी रपट किस ठंडे बस्ते में है? अपेक्षित प्रशासनिक सुधार न होने के दुष्परिणाम केवल जनता को ही नहीं, बल्कि सरकारों को भी उठाने पड़ते हैं, लेकिन कोई नहीं जानता कि व्यापक प्रशासनिक सुधारों से क्यों बचा जा रहा है? यह प्रशासनिक सुधार न होने का ही परिणाम है कि प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार नियंत्रित होने का नाम नहीं ले रहा है। यदि कानून के शासन को जब-तब चुनौती दी जाती रहती है तो इसका एक बड़ा कारण न्यायिक तंत्र के साथ पुलिस एवं प्रशासनिक व्यवस्था में जरूरी सुधार न हो पाना है। यदि देश को अमृतकाल में तेजी से प्रगति करनी है और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है तो न्यायिक, पुलिस एवं प्रशासनिक क्षेत्र में आवश्यक सुधारों का इंतजार खत्म होना ही चाहिए। इन तीनों क्षेत्रों के कामकाज को न केवल पारदर्शी बनाया जाना चाहिए, बल्कि उनकी जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। सूचना अधिकार ने एक सीमा तक यह काम किया है, लेकिन लोकपाल और लोकायुक्त व्यवस्था के निर्माण से देश की जनता को कोई विशेष लाभ नहीं मिला। सुधारों की चिंता सरकार के साथ संसद भी करे। नई शिक्षा नीति पर अमल के बावजूद अभी शिक्षा क्षेत्र में भी बहुत कुछ सुधार होने शेष हैं। कोचिंग उद्योग का व्यापक रूप शिक्षा क्षेत्र में हो रहे सुधारों को आईना दिखाने का ही काम कर रहा है। कायदे से अब तक पाठ्यक्रम में समयानुकूल परिवर्तन हो जाने चाहिए थे, लेकिन कहना कठिन है कि यह काम कब तक पूरा होगा? आज जब समान नागरिक संहिता और एक देश-एक चुनाव की चर्चा हो रही है।

Social Media Corner

सच के हक में...

मध्य प्रदेश की बीना रिफाइनरी में आज जिस आधुनिक पेट्रो-केमिकल कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास हुआ है, वो इस पूरे क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाई पर ले जाने वाला है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

रांची के कांके क्षेत्र में अपराधियों द्वारा एक जमीन कारोबारी को गोली मारने की सूचना मिली है। झारखंड में लगातार जनता को निशाना बनाया जा रहा है, लोगों की सरेआम हत्याएं हो रही हैं लेकिन राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन अपराधियों पर नकेल कसने में पूरी तरह विफल रहा है। डीजीपी और गृह सचिव से लेकर एसएसपी तक बैठक कर जमीन कारोबार में लगातार हो रही हत्या पर अंकुश लगाने की हवा हवाई घोषणा कर अपनी पीठ खुद थपथपा रहे हैं, दूसरी तरफ अपराधकर्मी हैं जो नित नये हत्या की घटना को अंजाम देकर पुलिस को अपनी ताकत का एहसास करा रहे हैं। लगता है कमजोर, भ्रष्ट और अयोग्य मुख्यमंत्री होने की वजह से अपराधियों का 'हिम्मत' सातवें आसमान पर है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

ड्रग्स की राजधानी बनने से कैसे बचे दिल्ली

दिल्ली में तेजी से फैलता नशे का कारोबार चिंता का विषय बन गया है। राजधानी में विभिन्न किस्म के मादक पदार्थों की तस्करी अब प्रत्येक गली-मोहल्लों में होने लगी है। एनसीआर क्षेत्र में भी नशे का कारोबार इस कदर फैल चुका है, जिसे रोकने में पुलिस-प्रशासन के हाथ-पांव फूल रहे हैं। बीते शनिवार को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने तस्करों से करीब 90 किलो अफीम पकड़ी, जो दूसरे प्रदेशों से लाई गई थी। दिल्ली में मादक पदार्थों की सप्लाई सबसे ज्यादा कहां-कहां होती है और उसके शौकीन कौन-कौन हैं? दरअसल ये एक ऐसा सवाल है जिसका उत्तर अगर सच्चाई से पुलिस-प्रशासन सार्वजनिक कर दे तो भूचाल आ जाएगा। हम सोच भी नहीं सकते कि इस जंजाल में कौन-कौन और कैसे-कैसे व्यक्ति शामिल हैं। हालांकि, इतना तो सभी जानते हैं कि किस्म-किस्म के महंगे मादक पदार्थों का सेवन कोई आम इंसान तो करेगा नहीं। इसके लिए मोटी रकम चुकानी पड़ती है इसलिए कोकीन, अफीम जैसे उच्च कोटि के नशीले पदार्थ के खरीदार भी बड़े लोग ही होते हैं। देखिए, दिल्ली एक ऐसी जगह है, जहां सरकार से लेकर ब्यूरोक्रेट लॉबी, बड़े उद्योगपति व विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रमुख नेताओं का जमावड़ा रहता है। इनके रहन-सहन, जीने के तौर-तरीके से सभी वाकिफ ही हैं। फिलहाल, इस सामाजिक बुराई की आंच इन लोगों तक नहीं पहुंचती। दिल्ली को ड्रग्स के जंजाल से कैसे निकाला जाए? इसकी चिंता शायद किसी को है नहीं। निकालना कोई इसलिए भी नहीं चाहता, क्योंकि ड्रग्स के काले धंधे में एक ऐसा वर्ग शामिल है जिसके के लिए ये कारोबार मुनाफे का बड़ा जरिया बना हुआ है। उन्हीं को देखकर आज के नासमझ युवा मादक पदार्थ का सेवन करने लगे हैं, वो इसे स्टेटस सिंबल समझने लगे हैं। इसकी गिरफ्त में बहुत कम या ज्यादा समूचे देश का युवा फंसा है। इसकी पहुंच स्कूल-कॉलेजों में हो गई है। अभी कुछ माह पहले ही दिल्ली के एक नामी स्कूल में छात्र के पास से कोकीन बरामद हुई थी। छात्र बड़े ओहदेदार का पुत्र था। अंदाजा लगा सकते हैं कि ऐसी चीजें उनके घर में खुलेआम आती-जाती होंगी, तभी उसे देखकर बच्चा प्रभावित हुआ। मामले को स्कूल प्रशासन ने दबा दिया, ताकि पहचान उजागर न हो। मादक पदार्थ कारोबार में शामिल बड़े लोगों की पहचान कभी सार्वजनिक नहीं की जाती। ये दोहरा मापदंड क्यों अपनाया जाता है, इसके पीछे की वजह को भी सभी जानते हैं। राजधानी में ड्रग्स कई रास्तों से होकर पहुंच रही है क्योंकि सीमाएं विभिन्न राज्यों से जुड़ती हैं। ड्रग्स डीलर्स विभिन्न प्रदेशों से चरस, गांजा कोकीन, अफीम दिल्ली तक पहुंचाते हैं। उसके बाद दिल्ली में अपने हिसाब से आगे सप्लाई करते हैं। नॉर्थ ईस्ट के तस्कर दिल्ली में मादक पदार्थ कोरियर के जरिए भिजवाते हैं। नारकोटिक्स विभाग की मानें तो राजधानी में बीते 3 साल में ड्रग्स के डाटा चौंकाने वाले रहे। साल 2020 में 886 किलोग्राम गांजा, 28 किलोग्राम हेरोइन, 14 किलोग्राम कोकेन जबकि 16 किलो अफीम बरामद हुई थी। जबकि, इस साल ये डाटा सिर्फ 4 महीने में उससे कई गुना ज्यादा हुआ। अभी तक 4396 किलो अफीम बरामद हो चुकी है। बीते पांच-छह साल से ड्रग्स का धंधा धड़ल्ले से शाम के वक्त पॉश इलाकों में चलता है। दिल्ली में सफेदपोश या बड़े लोगों के घरों में पार्टी-फंक्शन हो और उसमें ड्रग्स का वितरण ना किया जाए, ऐसा हो नहीं सकता। राजधानी दिल्ली और उससे सटे इलाकों में ड्रग्स का कारोबार आग की तरह फैल रहा है। दिल्ली में शनिवार को 40 करोड़ की अफीम पकड़ी गई, जिसकी सप्लाई लुटियन जोन सहित दूसरे पॉश इलाकों में होनी थी। स्पेशल सेल के पास पूरी जानकारी है कि अफीम की सप्लाई कहां-कहां और किन-किन लोगों में होनी थी।

सुर्खियों की राजनीति

जब चुनाव करीब हों, तब अखबारों की सुर्खियां अनायास ध्यान खींचने लगती हैं और अध्ययन-मनन का विषय बन जाती हैं। आधुनिक दुनिया में जब प्रचार-प्रसार का महत्व बढ़ता ही चला जा रहा है, तब स्वाभाविक ही राजनीति भी ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार केंद्रित होती जा रही है। राजनीति शास्त्र में भी यह माना जाने लगा है कि एक लोकप्रिय राजनीतिज्ञ वही है, जो किसी न किसी कारण से हमेशा चर्चा में रहता है। जो राजनेता चर्चा में नहीं रहते हैं, उनको लोग भी भुला देते हैं और उन्हें चुनाव जीतने में भी परेशानी आती है। आज की आपाधापी में सामान्य खबरों के लिए जगह सिमटती जा रही है। बड़ी खबरों में भी जो बहुत बड़ी खबरें हैं, वही सुर्खियों में आ पाती हैं। किसी भी देश या समाज में सत्ता का जो समीकरण होता है, वही शायद सुर्खियां तय करता है। बड़ी से बड़ी खबर को हाशिये पर किया जा सकता है, अगर उससे भी बड़ी खबर पैदा कर दी जाए। अक्सर यह देखा गया है कि विपक्ष भले ही अपनी पसंद का मजबूत मुद्दा चुन ले, पर अगर सत्तापक्ष सशक्त हो, तो वह उस विषय में भी नैरेटिव या कहानी को अपनी ओर मोड़ने में कामयाब हो सकता है। सुर्खियों की राजनीति की अनेक मिसालें हैं, जिनकी चर्चा एक परिपक्व लोकतंत्र में जरूर होनी चाहिए। इससे देश को और बेहतर समझने में मदद मिलती है। साथ ही, सही फैसला करना आसान हो जाता है। अब इसमें कोई दोराय नहीं है कि जब चुनाव सामने हैं, तब करीब 28 दलों ने मिलकर एक मजबूत विपक्ष खड़ा कर लिया है, जिसका नाम ह्यइंडियाह्न रखा गया है और जिसकी खूब चर्चा है। शुरू में ऐसा लगा कि इंडिया नाम से बना गठबंधन परिचय के मामले में बाजी मार ले जाएगा, लेकिन सत्ता पक्ष ने भारत शब्द की पक्षधरता का बिगुल बजाकर मुकाबले को तगड़ा बना दिया। कहानी इंडिया बनाम भारत बन गई। इसमें कोई शक नहीं कि भारत शब्द का समाज और भावार्थ व्यापक है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

गूगल ने फिर किया गया सैंकड़ों कर्मचारियों को बाहर

- अल्फाबेट ने जनवरी में लगभग 12,000 नौकरियों में कटौती की थी

मुंबई ।

गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने एक बार फिर छंटनी की है। कंपनी ने इस बार अपनी ग्लोबल रिक्रूटमेंट टीम से सैंकड़ों कर्मचारियों को बाहर कर दिया है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कर्मचारियों की छंटनी करने वाली अल्फाबेट पहली कंपनी बन गई है। साल 2023 की शुरुआत में टेक कंपनियों ने छंटनी शुरू की थी और कर्मचारियों को निकालने का दौर अभी बीता नहीं है। अल्फाबेट के साथ ही मेटा और अमेजन सहित कई दिग्गज टेक कंपनियां पहले भी बहुत से कर्मचारियों को नौकरी से निकाल चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्फाबेट ने सैकड़ों पदों को समाप्त करने का फैसला लिया है। यह व्यापक पैमाने पर छंटनी का हिस्सा नहीं है। महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए टीम की संख्या को बरकरार रखा जाएगा. अल्फाबेट ने जनवरी में भर्ती और इंजीनियरिंग टीमों में लगभग 12,000 नौकरियों में कटौती की थी। कर्मचारियों की ये छंटनी दुनिया भर में की गई थी, जो कुल वर्कफोर्स का लगभग 6 फीसदी है। अमेजन की ओर से 18,000 नौकरियों में कटौती का एलान किया गया था। माइक्रोसॉफ्ट ने भी 10,000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

अमेरिका सहित दुनियाभर में कंपनियां कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रही हैं। दिग्गज कंपनियों के साथ-साथ स्टार्टअप्स ने भी कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में ग्रे और क्रिसमस नौकरी में कटौती अगस्त में जुलाई से तीन गुना से अधिक और एक साल पहले की अवधि की तुलना में लगभग चार गुना बढ़ गई है। एक सर्वे में इकनोमिस्ट ने अनुमान लगाया था कि अमेरिका में बेरोजगारी लाभ के लिए नए दावों में 9 सितंबर को समाप्त सप्ताह में लगभग 8 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच दुनिया भर की टेक कंपनियां अपने ऑपरेशन को रेशनालाइज बनाने, कॉस्ट कटिंग करने और एफिशिएंसी लाने के लिए नौकरियों में कटौती कर रही हैं। यही वजह है कि गूगल के अलावा अमेजन, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कई टेक कंपनियों ने बड़ी संख्या में कर्मचारियों को बाहर का रास्ता इस साल दिखाया है।

बाजार में 3,000 करोड़ रुपए के चार आईपीओ दस्तक देंगे

आईपीओ से कंपनियां 4,673 करोड़ रुपए जुटाएंगी

नई दिल्ली।

इस हफ्ते चार आईपीओ बाजार में आने वाले हैं, जिनसे कंपनियां 4,673 करोड़ रुपए जुटाएंगी। अगले हफ्ते भी करीब 3,000 करोड़ रुपए के चार आईपीओ बाजार में दस्तक देंगे। आरआर केबल, सैमी होटल्स, जैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज और यात्रा ऑनलाइन का निर्गम इस हफ्ते बाजार में आने के लिए तैयार है। इसी तरह सिग्नेचर ग्लोबल, अपडेटर सर्विसेज, साई स्किल्स (कलामंदिर) और वैभव ज्वैलर्स के निर्गम अगले हफ्ते आएंगे। बाजार में आईपीओ की सरगर्मी बढ़ने के कई कारण हैं। बाजार में उछाल, आईपीओ की मांग बढ़ने और तिमाही नतीजों में खुलासे के लिए खास नियम से कंपनियां आईपीओ लाने में तेजी दिखा रही हैं।

निफ्टी आज 20,084 पर पहुंच गया, जो आंकड़ा उसने पहले कभी नहीं छुआ था। सेंसेक्स भी लगातार 9वें कारोबारी सत्र में बढ़त पर बंद हुआ। दोनों सूचकांक पिछले 9 सत्र में करीब 4 फीसदी चढ़ चुके हैं। विशेषज्ञों ने कहा है कि शेयर बाजार में मजबूती से कंपनियों को निर्गम लाने का हौसला मिल गया है। आईपीओ बाजार में हालिया तेजी के तकनीकी कारण भी हैं। जो कंपनियां इस महीने अपना आईपीओ लाने से चूक जाएंगी, उन्हें अप्रैल-जून तिमाही का वित्तीय ब्योरा भी अपने आईपीओ मसौदे (डीआरएचपी) में शामिल करना होगा। नियामकीय दिशानिर्देश के मुताबिक अगर आईपीओ दस्तावेज में वित्तीय आंकड़े दो तिमाही से ज्यादा पुराने हैं तो कंपनियों को निर्गम लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बैंकरों का कहना है कि ऑडिट किए गए तिमाही आंकड़ों को अपडेट करने में कम से कम चार हफ्ते का वक्त लग सकता है जिससे कंपनियों के सामने बाजार में उतारचढ़ाव का जोखिम आ सकता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर

- ब्रेंट क्रूड ऑयल 92.25 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों की ओर से गुरुवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। एक साल से भी अधिक समय से पेट्रोल और डीजल के दाम समान बने हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत में उतार चढ़ाव का सिलसिला जारी है। डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल के दाम में 0.43 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है और यह 88.90 डॉलर पर है। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत में 0.40 फीसदी की बढ़त दर्ज की जा रही है और यह 92.25 डॉलर प्रति बैरल पर है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

चंडीगढ़ में 96.20 रुपए और डीजल 84.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। भोपाल में पेट्रोल 108.65 रुपए और डीजल 93.90 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है। अजमेर में पेट्रोल 108.07 रुपए, डीजल 93.35 रुपए लीटर बिक रहा है।

चालू सत्र में 50 फीसदी बढ़ सकती है कच्चे जूट की खरीद

मुंबई ।

पिछले साल अच्छी फसल होने से भारतीय जूट निगम (जेसीआई) को चालू जूट वर्ष (2023-24) में बीते साल की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक कच्चे रेशे (फाइबर) की खरीद होने की उम्मीद है। जेसीआई को सरकार द्वारा किसानों से कच्चे जूट की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद के लिए आदेश दिया गया है। इस साल औसत एमएसपी मूल्य 5,050 रुपए प्रति क्विंटल है। जेसीआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि चालू जूट फसल वर्ष 2023-24 में (जुलाई-जून) कच्चे जूट की खरीद बहुत अधिक है। सितंबर के मध्य तक, हम पहले ही 2.30 लाख क्विंटल जूट खरीद चुके हैं। हमें उम्मीद है कि यह अभियान पूरे साल चलेगा और कुल खरीद पिछले वर्ष की तुलना में 50 प्रतिशत या 6-7 लाख क्विंटल से अधिक की होगी। पिछले वित्त वर्ष के जूट मौसम में जेसीआई ने

रिकॉर्ड 4.34 लाख क्विंटल जूट की खरीद की थी। उन्होंने कहा कि जूट की बंपर फसल हुई है और उत्पादन 91 लाख गांठ होने की उम्मीद है। किसानों की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार ने बांग्लादेश से आने वाले जूट और बोरी पर डंपिंग रोधी शुल्क लगा दी है।

अर्टिगा कार ने दर्ज की रिकॉर्डतोड़ सेल

-7 सीटर कारों की अच्छी डिमांड

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी अर्टिगा और एक्सएल6 सेल करती है। ये दोनों ही कारें इंडिया में खूब पसंद की जाती है। खासतौर पर अर्टिगा को ग्राहकों का खूब प्यार कई सालों से मिल रहा है। इसके अलावा किआ केरेन्स ने भी कुछ वक्त पहले इस सेगमेंट में एंट्री की है और अर्टिगा को कड़ी टक्कर दे रही है। यहां हम आपको अगस्त में सेल हुई 7 सीटर्स के बारे में जानकारी दे रहे हैं कि कौन सी कार सेल्स चार्ट में किस नंबर पर रही। अगस्त में सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर मारुति सुजुकी अर्टिगा रही। इस एमपीवी की 12 से ज्यादा यूनिट्स पिछले महीने सेल हुई। इस 7 सीटर को टक्कर मिली महिंद्रा की स्कॉर्पियो से। स्कॉर्पियो की 9,898 यूनिट्स पिछले महीने बिकी। यानी दोनों कारों के बीच में सेल अंतर लगभग ढाई हजार यूनिट्स का था। इससे आप अर्टिगा की लोकप्रियता का अंदाजा लगा सकते हैं। इस

लिस्ट में सबसे नीचे रही हुंडई अल्कजार जिसकी सिर्फ 1,493 यूनिट्स सेल हुई। टॉप 10 कारों में मारुति की 2, महिंद्रा की 3, टोयोटा की 2, एक कार रेनो की और एक हुंडई की रही।

आने वाले समय में कुछ नई सीटर्स मॉडल्स एक एंट्री इस सेगमेंट में होने वाली है जिससे कॉम्पटिशन तेज होने की उम्मीद है। बता दें कि इंडिया में 7 सीटर कारों की अच्छी डिमांड है। इस सेगमेंट के लिए यहां के मार्केट में काफी बड़ा कस्टमर बेस मौजूद है। हालांकि, बीते कुछ समय में इस 7 सीटर्स की डिमांड में काफी बढ़ोतरी हुई है। यही कारण है कि कई नई कंपनियां भी इस सेगमेंट में अपने मॉडल्स ला रही हैं।

इस साल टेस्ला भारत से 1.9 अरब डॉलर के ऑटो पार्ट खरीदेगी

मुंबई । एलन मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी टेस्ला अब भारत से आटोपार्ट्स खरीदने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता टेस्ला की इस साल करीब 1.9 अरब डॉलर मूल्य के आटोपार्ट्स के खरीद की योजना है। ये जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दी है। ये पहली बार नहीं है जब टेस्ला भारत से आटोपार्ट्स खरीदने की तैयारी कर रही है। इससे पहले पिछले साल एक अरब डॉलर के आटोपार्ट्स टेस्ला ने भारत से खरीदे थे। इस बार ये आंकड़ा लगभग दोगुणा हो सकता है। गोयल ने यहां वाहन कलपुर्जे विनिर्माताओं के संगठन (एक्मा) के वार्षिक सम्मेलन में कहा कि टेस्ला की तरह अन्य इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों की तरफ से भी मांग बढ़ने वाली है जिससे इस क्षेत्र की वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा।

त्योहारों से पूर्व नेपाल भारत से 20,000 मीट्रिक टन चीनी आयात करेगा

काठमांडू । नेपाल सरकार ने घरेलू मांग पूरा करने विजयादशमी और दीपावली सहित आगामी त्योहारों से पहले भारत से 20,000 मीट्रिक टन (एमटी) चीनी आयात करने की योजना बनाई है। उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय से स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए 60,000 मीट्रिक टन चीनी आयात करने के लिए सीमा शुल्क छूट देने का आग्रह किया था, लेकिन वित्त मंत्रालय ने फिलहाल केवल 20,000 मीट्रिक टन चीनी आयात करने की अनुमति ही दी है। वित्त मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक मंत्रालय ने सीमा शुल्क पर 50 प्रतिशत की छूट दी है, यानी यह पहले लगाए गए 30 प्रतिशत सीमा शुल्क से 15 प्रतिशत कम। उन्होंने कहा कि दो कंपनियां साल्ट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (एसटीसी) और फूड मैनेजमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी दोनों आगामी त्योहारी सीजन के लिए 10-10 हजार मीट्रिक टन चीनी का आयात करेंगी। हालांकि, एसटीसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि सरकार से 50,000 मीट्रिक टन चीनी आयात करने की अनुमति मांगी गई है। नेपाल की चीनी की घरेलू मांग 3,00,000 मीट्रिक टन है और उसे मुख्य रूप से भारत से भारी मात्रा में चीनी आयात करने की आवश्यकता है। नेपाल में 12 चीनी कारखाने हैं जो करीब 1,00,000 मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन करते हैं।

इलेक्ट्रिक वर्जन ईसी3 इलेक्ट्रिक की बाजार में लांचिंग

-अब तक की सबसे फीचर लोडेड कार होगी

नई दिल्ली । फ्रेंच कार निर्माता सिट्रोएन अपनी सी3 कॉम्पैक्ट एसयूवी के साथ इलेक्ट्रिक वर्जन ईसी3 इलेक्ट्रिक की भी बिक्री कर रही है। सी5 एयरक्रॉस भी कंपनी के डोमेस्टिक पोर्टफोलियो में मौजूद है। अब सी 3 एयरक्रॉस भी इस पोर्टफलियो में जुड़ने जा रही है और कंपनी की अब तक की सबसे फीचर लोडेड कार होगी। सी3 एयरक्रॉस के लिए बुकिंग इसी महीने शुरू होने वाली है। वहीं इसका ऑफिशियल लॉन्च अक्टूबर की शुरुआत में होने की उम्मीद है। सी 3 एयरक्रॉस को कंपनी के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में सी3 कॉमेपैक्ट हैचबैक से ऊपर प्लेस किया जाएगा। हालांकि, दोनों कारों के बीच में कई कॉमन फीचर्स मौजूद होंगे लेकिन ओवरऑल यह सी3 हैचबैक की तुलना में ज्यादा प्रीमियम कार होगी। यह एक मिड साइज एसयूवी होगी जो सीएमपी आर्किटेक्चर पर आधारित होगी। इसे कंपनी लोकल लेवल पर डिवेलप कर रही है। कार में 90 पर्सेंट लोकल कंटेट का इस्तेमाल किया गया है। इसे तमिलनाडु के पीएसए प्लांट में मैन्युफैक्चर किया जा रहा है। इस कार की कीमत के बारे में ऑफिशियल जानकारी अभी सामने नहीं आई है लेकिन माना जा रहा है कि कंपनी तगड़े कॉम्पटिशन को देखते हुए इसकी अग्रेसिव प्राइसिंग करेगी जिससे ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित किया जा सके। इस कार को कंपनी सीटिंग के आधार पर 2 लेआउट्स में मार्केट में लॉन्च करेगी। यह कार 5 सीटर और 7 सीटर दो लेआउट्स के विकल्प के साथ आने वाली है। 7 सीटर मॉडल में थर्ड रो को अपनी सुविधानुसार अडजस्ट किया जा सकता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 52 , निफ्टी 33 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भी बढ़त पर बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार रिकार्ड तेजी पर बंद हुआ था। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकतों के साथ ही घरेलू बाजार में भी लिवाली (खरीददारी) जारी रहने से आया है। तेल एवं गैस तथा जिंस शेयरों में खरीदारी से भी अंतिम घंटे में लिवाली से बाजार को बल मिला है। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में एक फीसदी की बढ़त आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 52.01 अंक करीब 0.08 फीसदी ऊपर आकर 67,519.00 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 67,771.05 के शीर्ष स्तर पर पहुंच गया था। इसके बाद ये 67,336.46 तक फिसल गया। वहीं, दूसरी ओर निफ्टी में भी 33.10 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी की बढ़त आई। निफ्टी दिन के अंत में 20,103 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 20,167.65 तक ऊपर जाने के बाद 20,043.45 तक गिरा।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 16 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एमएंडएम, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, नेस्ले इंडिया और पावर ग्रिड सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में शामिल रहे। एमएंडएम के शेयरों को सबसे अधिक 2.56 फीसदी तक लाभ हुआ।

वहीं, दूसरी तरफ ओर 14 शेयर नुकसान के साथ ही गिरे हैं। एशियन पेंट्स, आईटीसी, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व और भारती एयरटेल सेंसेक्स के सबसे

अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। एशियन पेंट्स के शेयर करीब 1.04 फीसदी तक गिरे।

दूसरी ओर अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग ऊपर आया जबकि यूरोपीय बाजारों की बात करें तो शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। वहीं अमेरिकी बाजार में बुधवार को मिला-जुला रुख रहा। गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 1,631.63 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इससे पहले आज सुबह बाजार नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर खुले हैं। सेंसेक्स 2227.30 अंक की बढ़त के साथ 67,694.29 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 73.25 अंक की बढ़त के साथ 20,143.25 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। बाजार की तेजी में मेटल स्टॉक्स सबसे आगे चल रहे हैं, जिसमें टाटा स्टील का शेयर 2 फीसदी की तेजी के साथ टॉप गेनर बना। जबकि एफएमसीजी सेक्टर में बिकवाली है। प्री-ओपनिंग में शेयर बाजार में मजबूती देखने को मिली

सरकार ने गिफ्ट सिटी में निवेश ट्रस्ट, ईटीएफ को पूंजी लाभ कर से छूट दी

नई दिल्ली । केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (कोष प्रबंधन) विनियमन, 2022 के तहत शुरू निवेश ट्रस्ट की किसी भी यूनिट और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की यूनिट को पूंजीगत लाभ कर से छूट देने को लेकर अधिसूचना जारी की है। अंतरराष्ट्रीय वित्त सेवा केंद्र के रूप में स्थापित गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-(गिफ्ट) सिटी को वित्तीय क्षेत्र के लिये एक कर-तटस्थ क्षेत्र के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। नांगिया एंडरसन एलएलपी के साझेदार (वित्तीय सेवाएं) सुनील गिडवानी ने कहा कि मौजूदा कानून के तहत विभिन्न प्रतिभूतियों पर पूंजीगत लाभ कर से छूट प्रदान की गई है। गिफ्ट सिटी में शेयर बाजारों में कारोबार या गिफ्ट सिटी में स्थापित इकाइयों द्वारा जारी प्रतिभूति पर कर छूट दी गई है। नई कोष व्यवस्था के तहत कोष को निवेश ट्रस्ट के रूप में स्थापित करने का प्रावधान है। इसीलिए, कानून में पूंजीगत लाभ से छूट के उद्देश्य से ऐसे ट्रस्टों द्वारा जारी यूनिट को शामिल करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा क इसी प्रकार गिफ्ट सिटी में स्थित एक्सचेंज पर सूचीबद्ध और कारोबार करने वाले ईटीएफ अब पूंजीगत लाभ कर छूट के लिये पात्र होंगे। इन बदलावों से आईएफएससी में फंड और शेयर बाजार कारोबार के लिए उपलब्ध प्रोत्साहनों का दायरा और बढ़ जाएगा।

मंत्रिमंडल ने सुवेन फार्मा में 9,589 करोड़ के एफडीआई को मंजूरी दी

- कंपनी एफडीआई का इस्तेमाल क्षमता विस्तार पर करेगी

नई दिल्ली ।

सरकार ने साइप्रस की बेरहायन्दा लिमिटेड के सुवेन फार्मास्युटिकल्स में 9,589 करोड़ रुपए तक के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को मंजूरी दे दी। कंपनी इस राशि का इस्तेमाल क्षमता विस्तार पर करेगी, जिससे रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) की बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह मंजूरी अनिवार्य खुली पेशकश के माध्यम से मौजूदा प्रवर्तक शेयरधारकों और सार्वजनिक शेयरधारकों से शेयरों के हस्तांतरण के माध्यम से बेरहायन्दा लि. द्वारा सुवेन फार्मास्युटिकल्स के 76.1 प्रतिशत शेयर के अधिग्रहण के लिए है। प्रस्ताव का आकलन बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग और अन्य संबंधित एजेंसिया कर चुकी हैं। बयान के अनुसार, सुवेन में कुल विदेशी निवेश 90.1 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है। बेरहायन्दा लिमिटेड में संपूर्ण निवेश एडवेंट फंड्स के पास है, जो विभिन्न लिमिटेड पार्टनर्स (एलपी) से निवेश एकत्र करता है। एडवेंट फंड्स का प्रबंधन अमेरिका में निगमित इकाई एडवेंट इंटरनेशनल कॉरपोरेशन द्वारा किया जाता है।

1984 में स्थापित एडवेंट इंटरनेशनल कॉरपोरेशन ने 42 देशों में लगभग 75 अरब डॉलर का निवेश किया है। एडवेंट इंडिया ने 2007 में भारत में निवेश शुरू किया और यह अब तक स्वास्थ्य सेवा, वित्तीय सेवाओं, औद्योगिक विनिर्माण, उपभोक्ता वस्तुओं और आईटी सेवा क्षेत्रों की 20 भारतीय कंपनियों में लगभग 34,000 करोड़ रुपए का निवेश कर चुकी है।

प्रस्ताव में कहा गया है कि संबंधित विभागों, आरबीआई और सेबी की तरफ से प्रस्ताव की जांच के बाद मंजूरी दी गई है। यह इस संबंध में लागू सभी नियमों के पूरा होने पर निर्भर है।

हरित हाइड्रोजन के विपणन के लिए अडाणी समूह ने कोवा से किया समझौता

नई दिल्ली । हरित हाइड्रोजन की बिक्री के लिए अडाणी समूह ने जापान, ताइवान और हवाई के बाजारों में जापान के कोवा समूह के साथ संयुक्त उद्यम की घोषणा की। संयुक्त उद्यम में अडाणी और कोवा की 50-50 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। उद्योगपति गौतम अडाणी नीत समूह भारत में एकीकृत हरित हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के लिए अगले 10 वर्षों में 50 अरब डॉलर तक का निवेश करेगा। इसमें शुरुआती चरण में 10 लाख टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन शामिल है जिसे बाद में बढ़ाकर 30 लाख टन किया जाएगा।समूह की ओर से जारी एक बयान के अनुसार अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, अडाणी ग्लोबल पीटीई लिमिटेड (सिंगापुर) ने हरित अमोनिया, हरित हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव की बिक्री तथा विपणन के लिए कोवा होल्डिंग्स एशिया पीटीई लिमिटेड (सिंगापुर) के साथ संयुक्त उद्यम (जेवी) की घोषणा की है। इसमें दोनों की 50-50 प्रतिशत साझेदारी होगी। संयुक्त उद्यम जापान, ताइवान और हवाई में उत्पादों के विपणन पर ध्यान केंद्रित करेगा।

हरियाणा में जमीन खरीदने नया पोर्टल पेश

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सरकारी परियोजनाओं के लिए भूस्वामियों की सहमति से जमीन खरीदने नया ई-भूमि पोर्टल पेश किया। खट्टर ने कहा कि सरकार का लक्ष्य जमीन खरीद की प्रक्रिया को भूस्वामियों की मर्जी से पारदर्शी तरीके से पूरा करना है। उन्होंने कहा कि किसानों के अलावा एग्रीगेटर भी अपनी जमीन की पेशकश इस पोर्टल पर कर सकेंगे। एग्रीगेटर को आयकरदाता होने के साथ उसके पास परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि नए पोर्टल पर की गई जमीन की पेशकश छह महीने तक मान्य होगी। पूरी प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने और समन्वय करने के लिए प्रत्येक विभाग और जिला स्तर पर नोडल अधिकारियों को चिह्नित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी परियोजनाओं के लिए जमीन खरीद की पूरी प्रक्रिया को तीन महीने से लेकर छह महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).

कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम - अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम - कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना.

डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

केंद्र को कर्नाटक ने साफ कहा, कावेरी से तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ना संभव नहीं

बेंगलुरु । कर्नाटक ने केन्द्र सरकार से साफ कह दिया है कि कावेरी का पानी तमिलनाडू के लिए छोड़ना मु?श्किल है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने गुरुवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को पत्र लिखकर कहा कि य?दि पानी छोड़ा जाता है तो ऐसा करने पर उनके राज्य के किसानों, आम लोगों और पशुओं को संकट का सामना करना पड़ेगा। सिद्दारमैया ने रेखांकित किया कि किसानों, पशुओं और पीने के लिए कावेरी जल पर निर्भर लोगों को संकट में धकेल कर कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के आदेश को लागू करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि समिति के निर्णय के अनुसार केआरएस और काबिनी बांधों से बिलिगुंडलू के माध्यम से 15 दिन के लिए 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ना संभव नहीं है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री शेखावत से राज्य की जनता और पशुधन के हितों की रक्षा का भी अनुरोध करते हुए कहा, कर्नाटक ने समिति के पहले के आदेश का पालन किया था और वर्तमान में अधिकांश तालुक मानसून की विफलता के कारण सूखे का सामना कर रहे हैं। सिद्धारमैया ने कहा कि जून से मध्य सितंबर तक तमिलनाडु ने 100 टीएमसी पानी का उपयोग किया था। सूखे की अवधि में उपयोग 1987-88, 2002-03, 2012-13, 2016-17 और 2017-18 से अधिक है। हालांकि पानी का स्तर कर्नाटक के बांध सबसे निचले स्तर पर हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की भविष्यवाणी के मुताबिक, 12 से 24 सितंबर के बीच बारिश की कोई संभावना नहीं है। सिद्धारमैया ने कहा कि तमिलनाडु के मेट्टूर बांध में 12 सितंबर को जल भंडारण स्तर 24.233 टीएमसी था। अगर छोड़े गए पानी को ध्यान में रखा जाए, तो तमिलनाडु की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध है। खड़ी फसलों के लिए 70 टीएमसी पानी, पीने के पानी के लिए 33 टीएमसी पानी और उद्योगों के लिए 3 टीएमसी पानी की आवश्यकता होती है।

इंडिया गठबंधन की बैठक में जाने से ईडी ने रोका : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने दावा किया है कि उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूछताछ के लिए उसी दिन को चुना, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह विपक्षी गठबंधन इंडिया की समन्वय समिति की पहली बैठक में शामिल न हो पाएं। लगभग 10 घंटे तक चली मैराथन पूछताछ के बाद रात 9 बजे से थोड़ा पहले ईडी कार्यालय से बाहर निकलने के बाद तृणमूल सांसद ने कहा, इंडिया के घटक दलों के सदस्यों ने मुझे ईडी के समन को नजरअंदाज करने और समन्वय समिति की बैठक में भाग लेने की सलाह दी थी। लेकिन मैंने ईडी कार्यालय आने का फैसला किया। मैंने इंडिया के सदस्यों से बैठक को स्थगित न करने का भी अनुरोध किया और बुधवार सुबह 11.32 बजे ईडी कार्यालय पहुंचा। उन्होंने दावा किया कि इंडिया की बैठक के दिन ईडी द्वारा उन्हें तलब किया जाना विपक्षी गठबंधन में तृणमूल के महत्व को दर्शाता है। बनर्जी ने कम सजा दर को आधार बनाते हुए ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी केंद्रीय एजेंसियों की विश ?वसनीयता पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा ?कि इतनी कम सजा दर से पता चलता है कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की गई अधिकांश जांच मात्र राजनीति से प्रेरित हैं। बनर्जी ने कहा ?कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि ईडी और सीबीआई पिक एंड चूज़ के आधार पर मामलों को आगे बढ़ा रहे हैं। हमें भाजपा शासित राज्यों में ऐसी कोई कार्रवाई नहीं दिख रही है। साथ ही, केंद्रीय एजेंसियों द्वारा सताए जा रहे विपक्षी दलों के किसी भी नेता को भाजपा में शामिल होते ही क्लीन चिट मिल जाती है। उन्होंने पूछताछ का ब्योरा देने से हालांकि इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि ऐसा लगता है कि उनसे जो सवाल पूछे गए, वे कुछ पूर्वकल्पित धारणाओं से भरे हुए थे।

वंदे भारत के बाद सस्ते किराये वाली ट्रेन वंदे साधारण होगी शुरू

नई दिल्ली । भारत की सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस के बाद अब वंदे साधारण ट्रेन शुरु होगी। वंदे भारत में दी गई सुविधाओं की वजह से लोगों का ट्रेन में सफर करना काफी आसान हो गया है। लेकिन, अधिक किराए के कारण अब भी एक बड़ा वर्ग इस ट्रेन के सफर नहीं कर पा रहा है। इसी को देखते हुए केंद्र सरकार ने बजट के अनुकूल 'वंदे साधारण' ट्रेन लाने का फैसला किया है। इन ट्रेनों का लक्ष्य बजट के प्रति जागरूक यात्रियों को किफायती यात्रा प्रदान करना है। हालांकि नाम की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। वंदे साधारण को ऐसे रूट पर चलाने की तैयारी है, जिन रूटों पर प्रवासी मजदूरों की आवाजाही अधिक है और ट्रेनों में भारी भीड़ रहती है। इसके लिए रेलवे ने सर्वे भी कराया है। इस ट्रेन की सुविधाओं के बारे में बात करें तो इस ट्रेन के बनाने की प्रक्रिया इंटेग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई में शुरू हो चुकी है। इसे अगले कुछ महीने में तैयार कर लिया जाएगा। इसमें सभी सेंकेंड क्लास के डिब्बे होंगे। इसलिए इसका किराया भी कम रहने का कयास लगाया जा रहा है। इन ट्रेनों में कुल 24 एलएचबी कोच होंगे और दो इंजन लगाए जाएंगे। कोच में बायो वैक्यूम शौचालय, यात्री सूचना प्रणाली और चार्जिंग पॉइंट जैसी सुविधाओं से डिजाइन किए जाएंगे। साथ ही सुरक्षा के लिए इसमें सीसीटीवी कैमरा तथा ऑटोमैटिक डोर सिस्टम भी होगा। इन ट्रेनों की सबसे बड़ी खासियत रहेगी कि इन की स्पीड मेल और एक्सप्रेस से ज्यादा होगी और स्टॉपेज भी कम होंगे। वंदे भारत की तरह ही इसमें ऑटोमेटिक दरवाजे दिए जाएंगे, जो ट्रेनों के चलने से पहले बंद हो जाएंगे। इन ट्रेनों को खास रूप से गरीब तबके के लोगों को देखकर बनाया गया है। जिसके चलते ये ट्रेन किराए के लिहाज से काफी सस्ती रहेगी। हालांकि अभी कोई इसकी ऑफिशियल जानकारी नहीं है।

बिहार में डेंगू के डंक से डरी नीतिश सरकार, एक मरीज की हुई मौत

पटना । बिहार में डेंगू अब डराने लगा है। प्रदेश में मरीजों की संख्या 1300 को पार कर चुकी है। वहीं डेंगू से बिहार में एक मरीज की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू से राज्य में पहली मौत की पुष्टि की है। साथ ही विभाग इससे निपटने की हर मुकम्मल तैयारी में जुटा है। राज्य में 200 और लोगों के डेंगू संक्रमित होने के साथ एक दिन में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए। प्रदेश में अब तक कुल पॉजिटिव केस 1332 हो गए हैं। उधर डेंगू के बढ़ते मामलों को देखकर राज्य सरकार ने उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। जिसमें अधिकारियों को सतर्क रहने और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हरसंभव प्रयास का निर्देश दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, डेंगू से भागलपुर के रहने वाले एक शख्स की मौत हुई। जहां राज्य में डेंगू के दूसरे सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। डेंगू मरीजों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) और एम्स-पटना ने जांच बढ़ा दिया है। इसके संक्रमण का पता लगाने के लिए डेंगू के लिए सीरोलॉजी टेस्ट शुरू कर दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को रिपोर्ट किए गए 200 मामलों में से सबसे अधिक 67 केस पटना से थे। इसके बाद भागलपुर में 28, औरंगाबाद में 12, सारण में 9 और गया में 8 केस मिले हैं। इस साल अब तक कुल 1332 डेंगू के मामले सामने आए हैं। इसमें से 1057 मामले अकेले सितंबर में दर्ज किए गए हैं। डेंगू के मामलों की संख्या को देखकर पटना में अस्पताल खास अलर्ट पर हैं। राज्य के अलग-अलग सरकारी अस्पतालों में कुल 242 लोगों का इलाज चल रहा। जिसमें से सबसे अधिक 127 मरीज जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भागलपुर में हैं। इसके बाद पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) में 35 मरीज भर्ती हैं। दरभंगा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (डीएमसीएच) में 21 और श्री कृष्णा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, मुजफ्फरपुर में 18 मरीज इलाजरत हैं।

कंपकंपाते हाथों से पिता ने शहीद बेटे को किया सैल्यूट, कंधा देने उमड़े लोग

श्रीनगर । आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए जम्मू कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हिमायूं भट्ट को आंसुओं और सिसकियों के बीच उनके पिता और रिटायर्ड आईजी, गुलाम हसन भट ने अंतिम सलामी दी। बुजुर्ग भट ने कंपकपाते हाथों और नम आंखों से अपने डीएसपी बेटे को सैल्यूट किया और लड़खड़ाते कदमों से उनके जनाजे को कंधा दिया। बता दें कि जम्मू कश्मीर में अनंतनाग जिले के कोकेरनाग के ऊंचाई वाले क्षेत्र में यह मुठभेड़ हुई थी। हिमायूं के पिता गुलाम हसन भट ने 2018 तक जम्मू-कश्मीर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के रूप में भी काम किया है। उनका पूरा परिवार श्रीनगर एयर पोर्ट के पास हुमहामा इलाके की वीआईपी कॉलोनी में रहता है। शहीद डीएसपी भट अपने पीछे पत्नी और 28 दिन के नवजात शिशु को छोड़ गए हैं। पिछले साल ही उनकी शादी हुई थी।

जी20 की सफलता का श्रेय मुझे नहीं देश की 140 करोड़ जनता को जाता : पीएम मोदी

भोपाल (एजेंसी)। जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के बीना में सार्वजनिक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जी20 की सफलता का श्रेय 140 करोड़ भारतवासियों को दिया। पीएम मोदी ने कहा कि जो आपकी भावना है, वे आज पूरे देश की भावना है। इस जी 20 की सफलता का श्रेय मोदी को नहीं बल्कि आप सभी को जाता है। उन्होंने कहा कि ये आप सबका सामर्थ्य है, ये 140 करोड़ भारतवासियों की सफलता है। ये भारत की सामूहिक शक्ति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भारत ने गुलामी की मानसिकता को पीछे छोड़कर स्वतंत्र होने के स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ना शुरू किया है। कोई भी देश, जब ऐसा ठान लेता है, तब उसका कायाकल्प होना शुरू हो जाता है। इसकी एक तस्वीर अभी आपने जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी देखी है।

दरअसल, प्रधानमंत्री गुरुवार को मध्य प्रदेश में थे, जहां उन्होंने बीना रिफाइनरी में पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स और राज्य भर में दस नई औद्योगिक परियोजनाओं सहित 50,700 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार की प्रथामिकता बताकर विपक्ष पर भी जोरदार निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि बीना में बनने वाला ये आधुनिक पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स इस पूरे क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, मैं आपको इसकी गारंटी देता हूं। इससे यहां नए नए उद्योग लगाने वाले हैं, उन्होंने कहा कि यहां के किसानों और छोटे उद्यमियों को मदद मिलेगी ही, सबसे बड़ी बात है कि मेरे नौजवानों को रोजगार के भी हजारों मौके मिलने वाले हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के इस अमृतकाल में हर देशवासी ने अपने भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प की सिद्धि के लिए ये जरुरी है कि भारत आत्मनिर्भर हो, हमें विदेशों से कम से कम चीजें मांगनी पड़ें। विपक्ष पर निशाना साधकर पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के बाद जिन्होंने लंबे समय तक प्रदेश में राज किया उन्होंने भ्रष्टाचार और अपराध के सिवाय राज्य को कुछ भी नहीं दिया। वहां जमाना था कि यहां अपराधियों का ही बोलबाला था, कानून-व्यवस्था पर लोगों को भरोसा ही नहीं था। लेकिन जब आपने हमें और हमारे साथियों को सेवा का मौका दिया तब हमने पूरी ईमानदारी से मध्य प्रदेश का भाग्य बदलने का भरसक प्रयास किया है। हमने मध्य प्रदेश को भय से मुक्ति दिलाई, यहां कानून-व्यवस्था स्थापित की।

पाकिस्तान पर दबाव डाले बिना कुछ नहीं होगा : जनरल वीके सिंह

इंदौर । केंद्रीय मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वी. के. सिंह ने कहा कि जब तक हम पाकिस्तान को अलग-थलग नहीं करेंगे तब तक कुछ बदलने वाला नहीं है। यदि पाकिस्तान पर दवाब डालना है तो उसको अलग-थलग करना होगा। अनंतनाग मुठभेड़ पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि हमें पाकिस्तान पर दबाव बनाना होगा, ताकि आतंकवादी गतिविधियां रोकी जा सकें। गौरतलब है कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में कमांडर उजैर खान समेत लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो आतंकवादी फंसे हैं। बुधवार को शुरू हुई कोकेरनाग मुठभेड़ में कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोनक और जम्मू-कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हुमायूं भट शहीद हो गए थे। पुलिस ने कहा कि कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोनक और डीएसपी हुमायूं भट की अटूट वीरता को सच्ची श्रद्धांजलि, जिन्होंने इस चल रहे ऑपरेशन के दौरान सामने से नेतृत्व करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि हमारी सेनाएं उजैर खान समेत लश्कर-ए-तैयबा के 2 आतंकवादियों को घेरने में दृढ़ संकल्प के साथ जुटी हुई हैं।

दोषी पाए गए जनप्रतिनिधियों के आजीवन चुनाव लड़ने पर लगे रोक

-एमिकस क्यूरी ने अपनी रिपोर्ट में की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सांसदों-विधायकों के खिलाफ आपराधिक केस से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा एमिकस क्यूरी बनाए गए वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को सिर्फ छह साल नहीं बल्कि आजीवन चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित करने की सफारिश की हैं। शीर्ष अदालत द्वारा एमिकस क्यूरी नियुक्ति के बाद से यह उनकी 19वीं रिपोर्ट है। मुख्य न्यायाधीश सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष पेश होने वाली अपनी रिपोर्ट में हंसारिया ने कहा, सांसद और विधायक आमजन की संप्रभु इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं और एक बार नैतिक अधमता से जुड़ा अपराध करते हुए पाए जाने पर, उन्हें उस पद को संभालने से स्थायी रूप से अयोग्य ठहराया जाना चाहिए।

हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में सिविल सेवकों से संबंधित नियमों की ओर इशारा किया है, जो अनैतिक कार्यों से जुड़े किसी भी अपराध के लिए दोषी ठहराए गए कर्मचारियों को बर्खास्त करने का प्रावधान करते हैं और केंद्रीय सतर्कता आयोग और मानवाधिकार आयोग जैसे वैधानिक निकायों से संबंधित कानून का भी जिक्र किया है, जो इसतरह के अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए किसी भी व्यक्ति को शीर्ष पदों पर नियुक्ति के लिए स्पष्ट रूप से अयोग्य घोषित करते हैं।

हंसारिया की रिपोर्ट में तर्क दिया गया है, अगर वैधानिक पद पर किसी भी दोषी अधिकारी या प्राधिकारी की नियुक्ति नहीं हो सकती है, तब तो यह स्पष्ट रूप से मनमाना है कि इसतरह का दोषी व्यक्ति सजा की एक निश्चित अवधि की समाप्ति के बाद फिर से देश या राज्यों के सर्वोच्च विधायी निकाय संसद या विधानसभा/विधानपरिषद में आकर बैठ सकता है। कानून निर्माताओं को इसतरह के कानून के तहत पद संभालने वाले व्यक्तियों की तुलना में ज्यादा पवित्र और अनुल्लंघनीय होना चाहिए।

बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय द्वारा 2016 में दायर याचिका से संबंधित मामले में सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील हंसारिया को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया था। उपाध्याय ने अपनी याचिका में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी थी, जो एक दोषी सांसद या विधायक को सिर्फ छह साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराती है।

केजरीवाल की पंजाब यात्रा पर कांग्रेस और आप नेताओं की नजर

-गठबंधन को लेकर हो सकती हैं बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पंजाब के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। केजरीवाल की यात्रा को लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नई नीति बनाने की पंजाब सरकार की योजना पर उद्योगपतियों से फीडबैक लेने के लिए केजरीवाल गुरुवार और शुक्रवार को जालंधर, लुधियाना और मोहाली में रहने वाले हैं।

बताया जा रहा हैं कि केजरीवाल अमृतसर और जालंधर में उद्योगपतियों और उद्यमियों के साथ टाउनहॉल बैठकें करने वाले हैं। शुक्रवार को वह लुधियाना और मोहाली में उद्योगपतियों से मुलाकात करने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक वह इन चार प्रमुख शहरों में उद्योगपतियों के मुद्दों और समस्याओं को सुनने वाले हैं। उनके साथ मुख्यमंत्री भगवंत मान भी रहने वाले हैं। उद्योगपतियों द्वारा उठाए गए मुद्दों को आप सरकार की औद्योगिक नीति में संबोधित किया जाएगा। उनकी इस यात्रा को राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आप और कांग्रेस के लिए केजरीवाल की यात्रा राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। दोनों दल राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी ब्लॉक इंडिया के मंच पर एक साथ आए हैं। हालांकि, राज्य में गठबंधन के खिलाफ हैं। जबकि पूर्व पीपीसीसी प्रमुख नवजोत सिद्धू और लुधियाना के सांसद रवनीत बिट्टू को छोड़कर पंजाब कांग्रेस के अधिकांश नेताओं ने पंजाब में गठबंधन के खिलाफ रुख अपनाया है, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रिकॉर्ड पर कहा है कि पंजाब आप अकेले चुनाव लड़ने में सक्षम है, और यह जीतना जानता है। इन घटनाक्रमों की पृष्ठभूमि में, पंजाब में अपने तीन दिवसीय प्रवास के दौरान मान और अन्य नेताओं के साथ केजरीवाल की बैठकें पंजाब में इन पार्टियों के बीच गठबंधन के भविष्य पर असर डाल सकती हैं।

बागमती नदी में 33 बच्चों से भरी नाव पलटी, 13 अभी भी लापता

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर में बड़ा नाव हादसा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार यहां गायघाट के बेनीबाद ओपी क्षेत्र के मधुपट्टी घाट पर बागमती नदी में नाव पलटने के दौरान 16 बच्चे लापता हो गए हैं, जिनकी तलाश जारी है। बचाव दल ने 20 बच्चों को नदी से बाहर निकाल ?लिया है। बताया जा रहा है कि नाव में 33 बच्चे सवार थे। मुजफ्फरपुर के बेनीबाद ओपी इलाके के भटगामा गांव के मधुरपट्टी घाट पर गुरुवार को बड़ा नाव हादसा हुआ है। इस हादसे में 30 से अधिक लोगों के डूबने की खबर है, जिसमें दर्जन भर लोगों को बचाया गया है। फिलहाल मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे के बाद बाहर निकाले गए बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गयी है, आनन-फानन में मौके पर पहुंचे राहत बचाव कार्य शुरू किया गया है।

बच्चों का स्कूल नदी के उस पार है। बच्चे रोज की तरह नाव से स्कूल जा रहे थे। तभी नदी का बहाव तेज होने के चलते नाव पलट गई। गायघाट और बेनीबाद पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा है। बताया जा रहा है कि जिस जगह ये हादसा हुआ है वहां के लोग कई सालों से पुल की मांग कर रहे हैं। शॉर्टकट के चक्कर में लोग नाव का इस्तेमाल करते हैं। बच्चे भी शॉर्टकट के चक्कर में ही नाव से ही स्कूल आना-जाना करते हैं।

उधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एसकेएमसीएच में नवनिर्मित पीकू वार्ड का उद्घाटन करने के लिए मुजफ्फरपुर पहुंचने वाले हैं। ऐसे में उनके दौरे के बीच मुजफ्फरपुर में बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल सीएम नीतीश कुमार मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच में बन रहे होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र पहुंचने वाले थे जहां वो कैंसर हॉस्पिटल के लैब, और ओटी का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान बिहार के उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव भी मौजूद रहेंगे।

ज्ञानवापी सर्वेक्षण के दौरान खोजी गई महत्वपूर्ण वस्तुओं को जिला मजिस्ट्रेट को सौंपा

-जब जरुरत हो अदालत को उपलब्ध कराए

लखनऊ (एजेंसी)। वाराणसी अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी मस्जिद के चल रहे सर्वेक्षण के दौरान खोजी गई हिंदू धर्म से संबंधित सभी ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण वस्तुओं को जिला मजिस्ट्रेट को सौंपने का आदेश दिया। जिला अदालत ने जिला मजिस्ट्रेट या उनके द्वारा नामित व्यक्ति को इन वस्तुओं की सुरक्षा करने और आवश्यकता पड़ने पर अदालत को उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। प्रश्नगत स्थल से जो भी वस्तुएँ एवं सामग्रियाँ प्राप्त हों, जो मामले के तथ्यों से संबंधित हों या हिंदू धर्म और पूजा पद्धति से संबंधित हों या ऐतिहासिक या पुरातात्विक दृष्टिकोण से मामले से संबंधित हों, उन्हें सौंप दिया जाए।

पीठ ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट या उनके द्वारा नियुक्त अधिकारी जो उन चीजों को सुरक्षित रखेगा और जब भी अदालत उन्हें मांगेगी, उन्हें अदालत में पेश करेगी। यह आदेश इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उस याचिका पर सुनवाई से पहले आया है, जो वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद के परिसर में स्थित एक मंदिर को पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से एक मुकदमे की वैधता पर सवाल उठाती है। इसके अतिरिक्त, अदालत वाराणसी अदालत के 2021 के निर्देश को चुनौती देने वाली एक अन्य याचिका पर भी सुनवाई करेगी, जिसमें एक वकील के नेतृत्व वाले आयोग द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया गया था।

अगले महीने शुरू होगी दलाई लामा की सिकिम्म यात्रा

धर्मशाला । तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की भारत-चीन सीमा पर पहाड़ों में बसे पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम की पांच दिवसीय यात्रा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के निमंत्रण पर अगले महीने शुरू होगी है। यह दलाई लामा की 10 से 14 अक्टूबर तक सिक्किम की सातवीं यात्रा होगी। यह तिब्बती आध्यात्मिक नेता और सिक्किम के लोगों के बीच संबंध को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आध्यात्मिक यात्रा होगी। पहली यात्रा 1956 में भारत में भगवान बुद्ध की 2500वीं जयंती में भाग लेने के लिए जाते समय हुई थी। उस समय तिब्बत के रास्ते में भारी बर्फबारी के कारण वे लगभग एक महीने तक सिक्किम में रुके थे। उनकी आधिकारिक पोस्ट के अनुसार, उन्होंने अपनी आखिरी यात्रा दिसंबर 2010 में की थी, तब उन्होंने 17वीं शताब्दी के ताशीडिंग मठ में दो दिवसीय आध्यात्मिक विश्राम किया था, जो सिक्किम के सबसे पवित्र और पवित्रतम बौद्ध मठों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि गुरु पद्मसंभव ने आठवीं शताब्दी ईस्वी में तिब्बत की अपनी यात्रा के दौरान भूटान और सिक्किम दोनों का दौरा किया था। सिक्किम के मुख्यमंत्री तमांग ने इस यात्रा पर प्रसन्नता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दलाई लामा 10 को सिक्किम पहुंचकर 14 अक्टूबर को वापस लौट जाएंगे। जब से हमने 2019 में सरकार बनाई है, हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि परमपावन को सिक्किम आने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए निमंत्रण दिया जाए। आख़िरकार, इस वर्ष हमारा प्रयास सफल होता दिख रहा है।

पूर्व सेना प्रमुख मनोज नरवणे ने चीन को दिखाया असली मैप, एक्स पर किया शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज नरवणे ने चीन का असली मैप साझा किया है। उन्होंने एक्स पर चीन का एक नक्शा शेयर करते हुए कटाक्ष किया है कि आखिरकार किसी को चीन का नक्शा मिल गया जैसा कि वह वास्तव में है। इस बहुरंगी मानचित्र में चीन ने तिब्बत समेत कई क्षेत्रों को अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों के रूप में सीमांकित कर अलग करके दिखाया है। उन्होंने लिखा कि यह चीन का असली मैप है। चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के लिए कुख्यात है। मीडिया में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक नक्शे में ताइवान, हांगकांग, तिब्बत, यूनान जैसे अन्य चीन की सीमा से लगे हुए देशों को चीन के कब्जे के तौर पर दिखाया गया है। पूर्व सेना प्रमुख ने ऐसे समय पर यह नक्शा शेयर किया है, जब चीन के नए नक्शे को लेकर देश में बवाल मचा हुआ है। बता दें कि चीन ने 28 अगस्त को देश का नया मैप जारी किया और उसमें ताइवान, अक्साइ चिन और भारत के अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताया। भारत ने इसका कड़ा विरोध किया है।

इस बीच देखा जाए तो नक्शे में हांगकांग, तिब्बत, दक्षिण मंगोलिया और यूनान, पूर्वी तुर्कमेनिस्तान और मनचुरिया देशों को चीन के कब्जे वाले देशों के तौर पर दिखाया गया है। वहीं, ताइवान को रिपब्लिक ऑफ चाइना ताइवान के तौर पर पेश किया गया। चीन हमेशा से इन सभी देशों पर अपना दावा करता रहा है। वहीं, भारत के अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों और अक्साई चिन पर भी उसने दावा पेश किया है। मैप में चीन ने नाइन-डैश लाइन पर अपना दावा पेश कर दक्षिण चीन सागर के एक बड़े हिस्से पर दावा किया है। हालांकि, इन हिस्सों पर वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया और ब्रुनेई अपना-अपना दावा करते रहते हैं।

इस बीच, कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों का कहना है कि चीन ने लद्दाख में हमारी जमीन हथियाई है और केंद्र सरकार कुछ नहीं कर रही। उधर, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के नया नक्शा जारी करने के बाद कहा था कि सिर्फ बेतुके दावे करने से दूसरे लोगों के क्षेत्र आपके नहीं हो जाते। उन्होंने कहा था कि नक्शा जारी करना उन क्षेत्रों पर दावा करने की चीन की 'पुरानी आदत' है जो उसके नहीं हैं। उन्होंने बीजिंग के 'बेतुके दावों' को खारिज कर दिया और कहा, 'मानचित्र जारी करने का कोई मतलब नहीं है।

कनाडाई पीएम ट्रूडो की हालात खराब, ताजा सर्वे में पिछड़ते दिख रहे, मंहगाई से जनता परेशान

आटोवा । कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस विचार को खारिज कर दिया कि वह खराब वोटिंग प्रतिशत के कारण पद छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास अभी भी करने के लिए बहुत काम है, लेकिन जीवनयापन की लागत के बारे में जनता की शिकायत को स्वीकार किया। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि नौ साल तक सत्ता में रहने के बाद, वामपंथी झुकाव वाले उदारवादी आधिकारिक विपक्षी परंपरावादियों से बुरी तरह पिछड़ रहे और अगर अब चुनाव हुए तब वे सत्ता गंवा सकते हैं। हालाँकि ट्रूडो का केंद्र के छोटे वामपंथी न्यू डेमोक्रेट्स के साथ एक समझौता है, जो उन्हें अक्टूबर 2025 तक शासन करने की अनुमति देगा, यह समझौता गैर-बाध्यकारी है और इससे पहले ही टूट सकता है। जब ट्रूडो से पूछा गया कि क्या उन्होंने पद छोड़ने पर विचार किया है, तब उन्होंने कहा, कि हम अगले चुनाव से दो साल दूर हैं। मैं अपना काम करना जारी रख रहा हूं। बहुत सारे महत्वपूर्ण काम करने हैं... जब उस काम की बात आती है तब मैं उत्साही और अथक रहता हूँ। हालांकि बढ़ती महंगाई की वजह लोगों में उनके खिलाफ पनप रहे गुस्से को उन्होंने जरूर स्वीकार किया। कंजर्वेटिवों ने ट्रूडो पर लापरवाह सरकारी खर्च के माध्यम से मुद्रास्फीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने शिकायत की कि आवास लगातार अप्रभावी होता जा रहा है। उदारवादी विधायकों ने कहा कि गुमनाम रूप से शिकायत की है कि ट्रूडो की टीम के पास कंजर्वेटिव हमलों का खंडन करने की कोई योजना नहीं है जो जीवनयापन की उच्च लागत पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार ने चंद्रयान का उड़ाया मजाक, बताई बौद्धिक क्षमता की कमी

कीव । जी20 सम्मेलन की सफलता से यूक्रेन बौखला गया है। यही वजह है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार मायखाइलो पोडोल्याक ने भारत के लोगों को कम अक्ल बता दिया है। उन्होंने भारत ही नहीं चीन के लोगों को भी कमजोर बौद्धिक क्षमता वाला बताया है। चंद्रयान का मजाक उड़ाते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग जो कदम उठाते हैं उसके बारे में नहीं जानते की परिणाम क्या होने वाला है। सलाहकार के अनुसार चीन और भारत के लोगों की बौद्धिक क्षमता कम है। पोडोल्याक ने कहा, भारत और चीन के साथ समस्या यह है कि ये लोग जो करते हैं उसके परिणाम पर विचार नहीं करते। इन देशों के पास बहुत ही कमजौर बौद्धिक क्षमता है। उन्होंने कहा, हां यह सही है कि वे लोग विज्ञान में निवेश करते हैं। भारत ने लूनर रोवर लॉन्च किया जो कि चांद की सतह पर है लेकिन इससे यह नहीं पता लगता कि उनमें आधुनिक दुनिया को समझने की क्षमता है। इस प्र?तिक्रिया के बाद पोडोल्याक का एक पूराना वीडियो में भी वह चंद्रयान-3 मिशन की बात कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि चंद्रयान मिशन की सफलता का मतलब यह नहीं कि भारत के लोग बहुत समझदार हैं। बता दें कि इसी साल अप्रैल में यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने देवी काली की एक ऐसी तस्वीर पोस्ट की थी जिसपर विवाद हो गया था। यहां गौरतलब है ?कि भारत ने रूस और यूक्रेन के युद्ध पर तटस्थ रुख अपनाया है और इसी से यूक्रेन को दिक्कत है। वह चाहता है कि भारत खुलकर रूस का विरोध करे और तेल का आयात भी रोक दे। इसी को लेकर यूक्रेनी लोग वहां रहने वाले भारतीयों को भी परेशान करते हैं।

पुतिन ने किम के निमंत्रण को स्वीकार किया, चिंता में अमेरिका

सोल । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन के देश की यात्रा के निमंत्रण को स्वीकार किया है। वोस्तोचन अंतरिक्ष बंदरगाह पर उनके शिखर सम्मेलन के बाद किम ने उन्हें उत्तर कोरिया आने का निमंत्रण दिया। प्योंगयांग की मीडिया ने इसकी जानकारी दी। लोकल मीडिया ने कहा कि किम ने शिखर वार्ता के बाद पुतिन के साथ आधिकारिक रात्रिभोज में ये निमंत्रण दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अप्रैल 2019 में व्लादिवोस्तोक की यात्रा के बाद पुतिन के साथ किम की यह पहली मुलाकात थी। रिसेप्शन के अंत में, किम जोंग-उन ने पुतिन को अपनी सुविधा के अनुसार उत्तर कोरिया का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया। पुतिन ने निमंत्रण को स्वीकार कर रूस-उत्तर कोरिया मित्रता के इतिहास और परंपरा को आगे बढ़ाने की अपनी इच्छा की पुष्टि की। शिखर सम्मेलन तब हुआ जब प्योंगयांग हाल ही में दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के बीच बढ़ते सुरक्षा सहयोग के बीच मास्को के साथ सैन्य संबंधों को मजबूत करने और अपने हथियारों के विकास को दोगुना करने की कोशिश कर रहा है। बैठक के दौरान किम ने कहा कि रूस की उनकी यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को उच्च स्तर तक बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। मीडिया ने किम के हवाले से कहा, उत्तर कोरिया-रूस संबंधों को अत्यधिक महत्व देना और हमेशा गहरी दोस्ती की परंपरा को विकसित करना उत्तर कोरिया सरकार का हमेशा से रुख रहा है। दोनों पक्षों ने साम्राज्यवादियों की सैन्य धमकी और उकसावे को विफल करने के लिए साझा मोर्चे पर सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, रात्रिभोज के स्वागत के दौरान पुतिन ने कहा कि द्विपक्षीय संबंध हमेशा की तरह मित्रवत और अच्छे पड़ोसी संबंधों पर केंद्रित हैं।

व्हाइट हाउस का बयान, जो बाइडेन ने कुछ भी गलत नहीं किया

वॉशिंगटन । जो बाइडेन पर महा अभियोग को लेकर व्हाइट हाउस ने बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि जो बाइडेन ने कुछ भी गलत नहीं किया है। बता दें कि रिपब्लिकन सांसदों द्वारा राष्ट्रपति जो बाइडन के खिलाफ महाभियोग जांच शुरू करने के बाद व्हाइट हाउस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रेस सचिव ने आरोपों का खंडन कर उनका बचाव किया है। 80 वर्षीय बाइडन से बुधवार को पत्रकारों ने इन आरोपों पर सवाल किया, लेकिन उन्होंने इस पर अपनी चुप्पी साधे रखी। हालांकि उनके प्रवक्ता ने कहा कि यह राजनीतिक दुश्मनों द्वारा रची गई साजिश है। बाइडन के प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने पत्रकारों से कहा, कि उन्होंने पूरा साल राष्ट्रपति की जांच में बिताया है, और उनके पास कोई सबूत नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि राष्ट्रपति ने कुछ भी गलत नहीं किया है। जीन-पियरे ने कहा कि रिपब्लिकन के पास महाभियोग जांच को मंजूरी देने के लिए सदन में वोट के लिए भी पर्याप्त समर्थन नहीं था। यहां तक कि हाउस रिपब्लिकन ने भी कहा है कि पर्याप्त सबूत मौजूद नहीं है। यह एक राजनीतिक स्टंट है। जीन-पियरे के मुताबिक अब तक कोई विश्वसनीय सबूत सामने नहीं आया है कि राष्ट्रपति बाइडन किसी भी अवैध काम में शामिल हुए हो। गौरतलब है कि अमेरिका में प्रतिनिधि सभा के स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने कहा था कि वह सदन की एक समिति को राष्ट्रपति जो बाइडन के परिवार के व्यापारिक सौदों को लेकर उनके खिलाफ महाभियोग जांच शुरू करने का निर्देश दे रहे हैं। हालांकि बाइडन पर महाभियोग जांच शुरू करने के लिए सदन में एक तिहाई बहुत की जरूरत है, जो कि कम है। यह मामला राष्ट्रपति के बेटे हंटर बाइडन के कारोबारी सौदों से संबंधित है।

दस वर्षीय बेटी की लाश को लंदन में छोड़ मां-बाप भागे पाकिस्तान, किया गिरफ्तार

लंदन । ब्रिटेन में अपनी दस वर्षीय बेटी की लाश को छोड़कर मां-बाप पाकिस्तान भाग गए। इसके बाद पुलिस ने लड़की के परिवार के तीन सदस्यों को हत्या के संदेह में पाकिस्तान से गिरफ्तार किया। इसे बाद उन्हें ब्रिटेन ले जाया गया, जहां पहुंचने पर उन्हें पुलिस हिरासत में ले लिया गया। मिली जानकारी के अनुसा सारा शरीफ 10 अगस्त को लंदन के दक्षिणी बाहरी इलाके वोकिंग में अपने घर पर मृत पाई गई थी और उनके शरीर पर चोट के काफी सारे निशान थे। ब्रिटेन की पुलिस ने सारा के पिता उरफान शरीफ, उसकी पत्नी बेनाश बतूल और उसके भाई फैजल मलिक की पहचान उन लोगों के रूप में की जिनसे वे जांच के लिए पूछताछ करना चाहते थे। पुलिस को लड़की का शव मिलने से एक दिन पहले तीनों पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद चले गए थे। दंपति मध्य पाकिस्तान में छिप गए थे जबकि पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी थी। बाद में उन्हें पाकिस्तान में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और संघीय जांच एजेंसी को सौंप दिया। एजेंसी उन्हें पूर्वी पंजाब प्रांत के सियालकोट से ब्रिटेन ले गई। पुलिस ने कहा कि 41 और 28 साल के दो पुरुषों और 29 वर्षीय महिला को विमान से उतरने के बाद हत्या के संदेह में गिरफ्तार किया गया। वे फिलहाल हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ की जाएगी। पुलिस ने कहा, 'यह बेहद तेजी से आगे बढ़ने वाली, चुनौतीपूर्ण और जटिल जांच रही है और हम सारा की मौत की गहन जांच करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। ब्रिटेन की पुलिस ने पहले एक बयान में कहा था कि लड़की के शव परीक्षण से मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन पता चला है कि उसे 'कई गंभीर चोटें आई थीं और प्रतीत होता था उसे लंबे समय से प्रताड़ित किया जा रहा था।

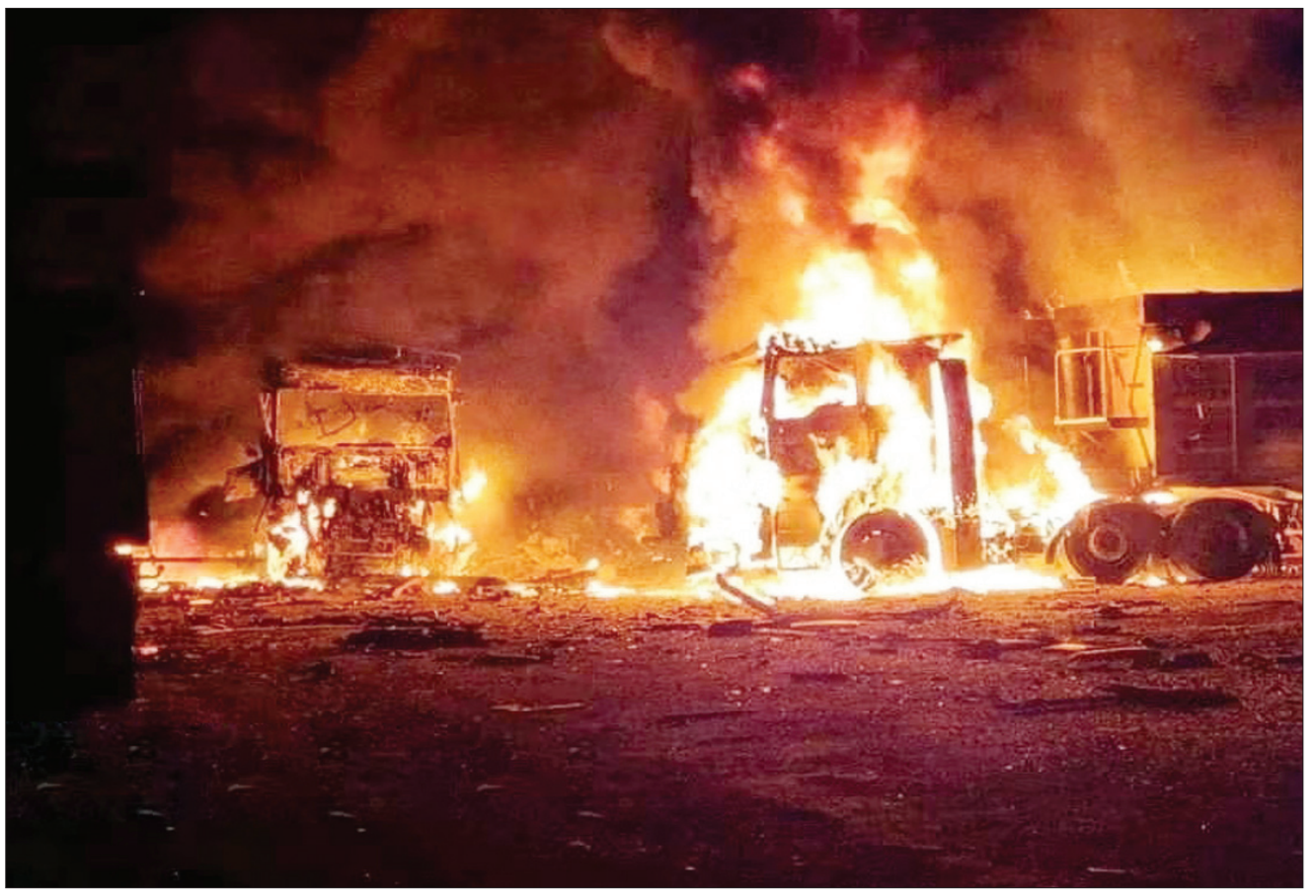

यूक्रेन में रुसी मिसाइल दागे जाने के बाद कई वाहनों में आग लग गयी।

खालिस्तान समर्थक पन्नू ने कहा, पीएम ट्रूडो हमारे साथ, 29 अक्टूबर को होगा जनमत संग्रह

ओटावा। अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने कोलंबिया के सरे शहर में तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह के मतदान के लिए एक नई तारीख की घोषणा की है। जनमत संग्रह 29 अक्टूबर को होगा। यह घटनाक्रम कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिवरे द्वारा खालिस्तान समर्थक गतिविधियों पर अपनाए गए रुख के कुछ दिनों बाद आया है। एसएफजे के कानूनी वकील गुरपतवंत पन्नून ने कहा कि जी20 के दौरान पीएम ट्रूडो ने खालिस्तान के लिए शांतिपूर्वक वकालत करने के कनाडाई सिखों के अधिकार का बचाव किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के इतर 10 सितंबर को पीएम ट्रूडो के साथ अपनी अलग बैठक के दौरान नई दिल्ली को कनाडा में चरमपंथी तत्वों की भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में मजबूत चिंताओं से अवगत कराया था। हालाँकि, दिल्ली में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, ट्रूडो ने कहा, प्रवासी कनाडाई हमारे देश का एक बड़ा हिस्सा हैं, और उन्हें उन कई देशों के हस्तक्षेप के बिना खुद को अभिव्यक्त करने और अपनी पसंद बनाने में सक्षम होना चाहिए जिनके बारे में हम जानते हैं कि वे इसमें शामिल हैं। इस बीच, पोइलिवरे ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मैं एकजुट भारत में विश्वास करता हूं जैसे मैं एकजुट कनाडा में विश्वास करता हूं। लेकिन मेरा मानना है कि लोगों को असहमत होने की भी आजादी है। पोइलिवरे ने कहा कि आप कोई भी राय व्यक्त कर सकते हैं, यहां तक कि वे राय भी जिनसे मैं सहमत नहीं हूं, और उन राय को शांतिपूर्ण ढंग से व्यक्त किया जाना चाहिए, लेकिन उन्हें स्वतंत्र रूप से व्यक्त किया जा सकता है।

डूबने की कगार पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस, ईंधन नहीं होने से कई उड़ानें रद्द, स्टाफ को भी नहीं दे पा रहे सैलरी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की आर्थिक हालत इतनी खराब हो चुकी है कि उसकी सबसे बड़ी एयरलाइंस पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) डूबने वाली है। हालत ये है कि एयरलाइंस की विमान उड़ान भर रही है, उनमें ईंधन भरवाने के लिए भी पाकिस्तान की सरकार के पास पैसे नहीं हैं। डॉन की रिपोर्ट है कि अगले कुछ महीनों में पीआईए के मुख्य कार्यों और गैर-प्रमुख संपत्तियों को बिक्री के लिए रखे जाने की उम्मीद है। पिछले हफ्ते ही पाकिस्तान के उड्डयन मंत्रालय ने कड़ी चेतावनी जारी की थी और संघीय सरकार से कहा था कि एयरलाइन गंभीर नकदी प्रवाह संकट से जूझ रही है। मंत्रालय ने कहा, इससे लेनदारों, विमान पट्टेदारों, ईंधन आपूर्तिकर्ताओं, बीमाकर्ताओं, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाईअड्डा ऑपरेटरों और यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) पर बकाया हो गया है।

मंत्रालय ने कहा कि इसके कारण, पाकिस्तान के राष्ट्रीय ध्वज वाहक को अब अपने 13 पट्टे वाले विमानों में से पांच को खड़ा करने के लिए मजबूर होना पड़ा है, और कहा कि चार और विमानों को भी इसी तरह का सामना करना पड़ेगा। डॉन के अनुसार, विमानन मंत्रालय ने यह भी बताया कि बोइंग और एयरबस सितंबर के मध्य तक स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति बंद करने की कगार पर थे। बढ़ती चिंताओं

के बीच, मंत्रालय ने 23 बिलियन पाकिस्तानी रुपये (लगभग 77.3 मिलियन अमरीकी डालर) के तत्काल 'नकद इंजेक्शन' का अनुरोध किया है। इसने घरेलू एजेंसियों के लिए शुल्क, कर और सेवा शुल्क को निलंबित करने के लिए भी कहा है।

पाकिस्तान में नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) की 35 उड़ानों का निरीक्षण नहीं किया है, जिससे अगले साल की उड़ानों के लिए आवश्यक प्रमाणपत्र जारी करना खतरे में पड़ सकता है। पाकिस्तान विमानन प्राधिकरण ने अन्य मुद्दों के अलावा विमानों की तकनीकी समस्याओं और चालक दल के प्रशिक्षण के बारे में टिप्पणियां की हैं। दैनिक समाचार के अनुसार, एयरलाइन को दिसंबर 2023 तक सीएए द्वारा निरीक्षण पूरा करने के लिए कहा गया था। ग्राउंडेड विमानों के साथ-साथ विदेश और पाकिस्तान नौसेना द्वारा उड़ाए गए विमान भी निरीक्षण सूची में शामिल हैं। अगले वर्ष के एयर ऑपरेटर प्रमाणपत्र की अंतिम तिथि 31 जनवरी, 2024 है। सीएए के उड़ान मानकों के निदेशक द्वारा संचालन विशिष्टताओं के शीर्षक के तहत विमानों की एक सूची जारी की गई है। सूची में एयरलाइन के 12 बोइंग 777, 17 एयरबस ए320 और छह एटीआर विमानों का विवरण शामिल है। सीएए ने बार-बार राष्ट्रीय ध्वज वाहक से इन विमानों का निरीक्षण पूरा करने के लिए कहा है। पीआईए के कुल 15 विमान ग्राउंडेड हैं, दो विदेश में हैं जबकि दो का इस्तेमाल देश की दूसरी संस्था कर रही है। संघीय सरकार ने कर्ज में डूबी पीआईए को विदेशी पूंजी के साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत चलाने और राष्ट्रीय वाहक के पुनर्गठन की एक बड़ी योजना तैयार की है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) को 15 विमानों को खड़ा करने का खतरा है क्योंकि उसने अभी तक 20 अरब रुपये तक का बकाया नहीं चुकाया है। सूत्रों के मुताबिक, इसके अलावा, अगर विमानों को खड़ा किया गया तो 30 से अधिक उड़ानें निलंबित होने की संभावना है। ईंधन, संघीय उत्पाद शुल्क (एफईडी) और पट्टे के भुगतान से संबंधित बकाए के समय पर भुगतान में देरी के कारण 15 विमानों को खड़ा किया जा सकता है।

पाकिस्तान में राष्ट्रपति अल्वी ने तय कर दिए आम चुनाव की तारीख

-चुनाव आयोग ने कहा ये हमारा काम

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा को पत्र लिखा और एकतरफा रूप से आम चुनाव की तारीख 6 नवंबर प्रस्तावित की। अल्वी ने कहा कि उन्होंने 9 अगस्त को प्रधानमंत्री की सलाह पर नेशनल असेंबली को भंग किया था। इसके बाद उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 48(5) का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को विधानसभा के लिए आम चुनाव कराने के लिए विघटन की तारीख से 90 दिनों के भीतर एक तारीख नियुक्त करने का अधिकार और आदेश दिया गया है। पत्र में कहा गया इसलिए, अनुच्छेद 48(5) के संदर्भ में नेशनल असेंबली के लिए आम चुनाव नेशनल असेंबली के विघटन की तारीख के 89वें दिन यानी 6 नवंबर 2023 तक होना चाहिए।

हालाँकि, सीईसी ने कहा है कि आम चुनाव की तारीख तय करना उसके अधिकार क्षेत्र में आता है। आदर्श रूप से चुनाव 9 अगस्त के 90 दिनों के भीतर होने चाहिए। हालांकि, 2023 की जनगणना को मंजूरी देने के निवर्तमान शहबाज शरीफ सरकार के फैसले ने मामले को जटिल बनाया है। इस निर्णय के बाद ईसीपी ने परिसीमन कार्यक्रम की घोषणा की, जिसने इस साल चुनावों की संभावना को प्रभावी ढंग से खारिज कर दिया। ईसीपी ने कहा है कि नए 2023 डिजिटल जनगणना परिणामों की अधिसूचना के बाद चुनावों को संवैधानिक रूप से अनिवार्य कटऑफ तिथि से आगे बढ़ाया जाएगा। ईसीपी अपना निर्णय चुनाव अधिनियम की धारा 17(2) पर आधारित करता है, जिसमें कहा गया है। प्रत्येक जनगणना आधिकारिक तौर पर प्रकाशित होने के बाद आयोग निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करेगा।

चीन ने अफगानिस्तान में राजदूत नियुक्त करके तालिबान को दी मंजूरी

-दोस्ती बढ़ाकर भारत और यूएस को रोकने में राजनीतिक रूप से हुआ कामयाब

बीजिंग (एजेंसी)। चीन दुनिया का पहला देश है जिसने अफगानिस्तान में अपना राजदूत नियुक्त कर दिया है। इस तरह से चीन ने तालिबान की सरकार को मंजूरी दी है और उससे कूटनीतिक रिश्ते कायम कर लिए हैं। बुधवार को चीनी राजदूत झाओ शिंग ने तालिबान के पीएम से मुलाकात की और उन्हें अपनी नियुक्ति के बारे में जानकारी दी। गौरतलब है ?कि अब तक किसी भी अन्य देश ने तालिबान से कूटनीतिक रिश्ते नहीं रखे हैं और सरकार को मान्यता भी नहीं दी है। ऐसे में चीन का यह कदम अंतरराष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से अहम है। तालिबान सरकार के उप-प्रवक्ता बिलाल करीमी ने कहा कि इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान के पीएम मोहम्मद हसन अखुंद ने चीनी राजदूत झाओ शिंग की नियुक्ति को स्वीकार किया है। तालिबान सरकार ने भी माना कि 2021 अगस्त में उसके अफगानिस्तान की सत्ता में काबिज होने के बाद किसी भी देश की ओर से राजदूत की यह पहली नियुक्ति है। इससे पहले भी चीन ने अपने पुराने राजदूत को वापस नहीं बुलाया था।

बता दें कि 2019 में वांग यु अफगानिस्तान में चीन के राजदूत बने थे और पिछले महीने कार्यकाल समाप्त होने तक वहां बने हुए थे। सवाल यह है कि जिस तालिबान को दुनिया अछूत मानती है, उसे चीन इतना भाव क्यों दे रहा है। एक भारतीय शोधकर्ता अन्वेषा घोष के मुताबिक चीन के तालिबान से रिश्ते रखने में कई हित सधते हैं। पहला यह कि उसके यहां उइगुर मुस्लिमों का एक संगठन ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट सक्रिय रहा है। यह चरमपंथी संगठन है, जिसके तालिबान से रिश्ते हैं। ऐसे में चीन नहीं चाहता कि वह आतंकवाद को पनपने दे। इसकी पहली कोशिश तालिबान से दोस्ती के तौर पर ही वह करना चाहता है ताकि अफगान धरती पर अपने खिलाफ किसी भी गतिविधि पर रोक लगा सके। चीन को लगता है कि उइगुर बहुल शिनजियांग में स्थिरता के लिए यह जरूरी है कि सीमा से लगते अफगानिस्तान से दोस्ती बनी रहे। इसके अलावा चीन का एक हित वैश्विक राजनीति में अपना कद बढ़ाना भी है।

भारत में ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का प्रमुख निकाला पाकिस्तान का वर्दीवाला

-एंटी-नारकोटिक्स विंग के प्रमुख कर रहा था संचालित

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान की एंटी-नारकोटिक्स फोर्स (एएनएफ) ने भारत में ड्रग्स तस्करी करने वाले एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ कर दिया। इसके साथ ही वर्दी में एक अंडरवर्ल्ड डॉन का भी पता चला है। ड्रग-तस्करी नेटवर्क को कोई और नहीं बल्कि लाहौर पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स विंग के प्रमुख मजहर इकबाल द्वारा संचालित हो रहा था। अधिकारियों ने बताया कि इकबाल के नेतृत्व वाला नेटवर्क ड्रोन का इस्तेमाल करके भारत में ड्रग्स, विशेष रूप से हेरोइन की तस्करी करता था।

पूर्व पुलिस उपाधीक्षक इकबाल, लाहौर पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स इन्वेस्टिगेशन यूनिट का नेतृत्व कर रहे थे, जब एएनएफ ने ड्रग-तस्करी रैकेट का खुलासा किया। 1994 के बाद से, इकबाल को अवैध गतिविधियों में शामिल होने के कारण छह बार सेवा से बर्खास्त कर 45 बार निलंबित किया गया था। उसके खिलाफ ज्यादातर मामले मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े हैं। आश्चर्य की बात है कि इतने संदिग्ध ट्रैक रिकॉर्ड के बावजूद इकबाल को लाहौर पुलिस के मादक द्रव्य विरोधी विभाग का प्रमुख पद दिया गया था। पाकिस्तान के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इकबाल ने इन अवैध गतिविधियों के जरिए काफी संपत्ति अर्जित की है। नेटवर्क के भंडाफोड़ की घोषणा पिछले हफ्ते पाकिस्तानी रेंजर्स ने की थी। रेंजर्स ने कथित तौर पर मादक पदार्थों, हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी की कोशिश करने के आरोप में पाकिस्तानी क्षेत्र के अंदर छह भारतीयों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। गिरफ्तार तस्करों में से चार गुरमीत सिंह, शिंदर सिंह, जुगिंदर सिंह और विशाल जग्गा पंजाब के फिरोजपुर के रहने वाले हैं, जबकि रतन पाल सिंह और गर्वेंदर सिंह क्रमशः जालंधर और लुधियाना से हैं।

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार भारतीयों से पूछताछ के बाद इकबाल के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। हालांकि, अधिकारी इकबाल को गिरफ्तार नहीं कर पाए क्योंकि उसने गिरफ्तारी से पहले ही जमानत ले ली थी। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि इकबाल और उसके नेटवर्क ने ड्रोन का उपयोग करके पाकिस्तानी शहर कसूर से भारत तक नशीली दवाओं के ट्रांसपोर्टेशन की सुविधा प्रदान की। जांच से पता चला है कि मजहर इकबाल ड्रोन के माध्यम से 30 किलोग्राम से अधिक हेरोइन भारत पहुंचाने में शामिल था और उस अपने काम के लिए दुबई में पेमेंट मिलता था। इकबाल ने कथित तौर पर अरबों रुपये की संपत्ति अर्जित की है। उनके पास शानदार कारों का एक बेड़ा भी है और वह लाहौर के पॉश डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी में चार कनाल के घर में रहते हैं।

जब तक प्रतिबंध हटाए नहीं जाते, परमाणु समझौता नहीं होगा लागू

-ईरान परमाणु प्रमुख मोहम्मद एस्लामी ने आईएईए के सहयोग विस्तार पर की चर्चा

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के परमाणु प्रमुख ने साफ कर दिया है कि जब तक उनके देश पर से प्रतिबंध नहीं हटाए जाते हैं, परमाणु समझौता लागू नहीं करेंगे। मोहम्मद एस्लामी ने कहा है कि अगर अन्य पक्ष समझौते के तहत अपने दायित्वों का सम्मान नहीं करते हैं तो उनका देश 2015 के परमाणु समझौते को पूरी तरह से लागू नहीं करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन (एईओआई) के अध्यक्ष मोहम्मद एस्लामी ने ईरान की राजधानी तेहरान में एक कैबिनेट बैठक के मौके पर देश की परमाणु गतिविधियों और आईएईए के साथ सहयोग पर विस्तार से बात करते हुए यह टिप्पणी की। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने कहा कि फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी का ई3 समूह ईरान से परमाणु समझौते को पूरी तरह से लागू करने की उम्मीद नहीं कर सकता है, जिसे औपचारिक रूप से संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के रूप में जाना जाता है, क्योंकि उनमें से कोई भी समझौते के तहत अपने दायित्वों को पूरा नहीं कर रहा है। ईरान के परमाणु उपायों को अमेरिकी प्रतिबंधों का मुकाबला करने के लिए 2020 में ईरानी संसद द्वारा पारित कानून के आधार पर लागू किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि जब तक प्रतिबंध पूरी तरह से नहीं हटाए जाएंगे, तब तक देश इसे जारी रखेगा। संसद के कानून ने सरकार को आईएईए द्वारा ईरान की परमाणु सुविधाओं के निरीक्षण को प्रतिबंधित करने और जेसीपीओए के तहत निर्धारित सीमा से परे देश के परमाणु कार्यक्रम के विकास में तेजी लाने का आदेश दिया। सुरक्षा उपायों के समझौते के ढांचे के भीतर आईएईए के साथ एईओआई के सहयोग के संबंध में, एस्लामी ने कहा कि ईरान ने बातचीत के दौरान एजेंसी को आवश्यक स्पष्टीकरण प्रदान किया है और कई दस्तावेज जमा किए हैं, इससे दोनों पक्षों के बीच लंबित मामलों और मतभेदों के मुद्दों को चार से दो तक कम करने पर जोर दिया गया है।

तेल के बाद अब सऊदी अरब रेगिस्तान में कीमती धातुओं की कर रहा खोज

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब में भले ही तेल का भंडार मौजूद है, लेकिन क्राउन प्रिंस अब रेगिस्तान में कीमती धातुओं की खोज में जुटे हुए हैं। बता दें कि सऊदी 80 साल पहले कुछ नहीं था। लेकिन तेल ने उसे आज दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बना दिया है। सऊदी में ज्यादातर पैसा तेल का है। लेकिन अब राजशाही अपनी तेल केंद्रित अर्थव्यवस्था को बदलना चाहती है। इसके लिए सऊदी के रेगिस्तानों में धन के एक नए स्रोत को खोजा जा रहा है। सऊदी क्राउन प्रिंस टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए अरबों डॉलर खर्च कर रहे हैं। इसके साथ ही वह रेगिस्तान में अरबों डॉलर के धातुओं को खोजने में लगे हैं। इस प्लान के जरिए सऊदी को एक धातु केंद्र बनाने की योजना है। यह वैश्विक उद्योग में बड़ी क्रांति होगी। अंतर्राष्ट्रीय खनन कंपनियां इस खोज में लगी हैं। अगर सऊदी का यह सपना आंशिक रूप से भी सफल हुआ तो इसका प्रभाव पूरी दुनिया में होगा। धातु खनन के साथ ही सऊदी अमेरिका, चीन और विकासशील देशों के और भी करीब पहुंच जाएगा।

ब्रिटिश खनन फर्म मोक्सिको रिसोर्सेज पीएलसी रियाद से 200 किमी दूर पश्चिम खनैगुइयाह में जस्ता और तांबे की खुली खदान को स्थापित करने में मदद कर रहा है। कंपनी में काम करने वाले स्विगर्स ने कहा कि मैंने पूरे अफ्रीका में खनन किया है और भूविज्ञान जानता हूं। यहां खनन करना अच्छा है। रिग से हम 200 मीटर की गहराई में पृथ्वी के नमूने लेते हैं। यह साइट उन्हीं की ओर इशारा करती है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो 2025 तक खनैगुइयाह साइट से पहले चरण में हर साल 1 लाख टन जस्ता और दस हजार टन तांबा सहित धातुओं का उत्पादन होगा। वैश्विक मानकों के हिसाब से यह बेहद कम है। चिली में इतनी धातु 18 घंटों में ही निकल जाती है।

स्थानीय तौर पर खदानों को खोजने के साथ-साथ सऊदी धातुओं की रिफाइनरी लगाने के प्लान पर विचार कर रहा है, जो ज्यादा आसान है। इससे लक्ष्य है कि धातुओं को कहीं और से खरीदा जाए और उसे सऊदी के अंदर रिफाइन करके बेचा जाए। सऊदी ने जुलाई में इंटरनेशनल माइनिंग के क्षेत्र में पहली बार भाग लिया। इसने ब्राजील में 3.4 अरब डॉलर का एक निवेश किया।

विश्व कप से पहले चार फिट तेज गेंदबाज होना अच्छा है : भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे

कोलंबो : भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने गुरुवार को कहा कि जसप्रीत बुमराह की वापसी से उनकी तेज गेंदबाजी इकाई मजबूत हुई है और अगले महीने विश्व कप से पहले पूरी तरह से फिट चार तेज गेंदबाज होना टीम के लिए शानदार है। बुमराह ने हाल के आयरलैंड दौरे पर लंबे समय बाद चोट के बाद वापसी की और फिर मौजूदा एशिया कप के दौरान भी अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। म्हाम्ब्रे ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले भारत के अंतिम 'सुपर फोर' मैच से पहले कहा, 'हम एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) से ही बुमराह की प्रगति देख रहे हैं और हम उसकी रिपोर्ट से खुश हैं।' उन्होंने कहा, 'अब हमारे पास चार बेहतरीन गेंदबाज हैं और ऐसे विकल्प होना हमेशा ही अच्छा होता है। ऐसी समस्या होना अच्छा है।' भारत का पहली पसंद का तेज गेंदबाजी आक्रमण बुमराह, मोहम्मद सिराज और हार्दिक पंड्या का है जिससे टीम प्रबंधन को मोहम्मद शमी को बेंच पर बिठाने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'शमी जैसे गेंदबाज को बाहर रखना इतना आसान नहीं है। उसे जितना अनुभव है और उसने देश के लिए जो प्रदर्शन किये हैं, वे शानदार हैं। इस तरह की बातचीत (खिलाड़ी को बाहर रखना) करना कभी भी आसान नहीं होता।' उन्होंने कहा कि यह मुश्किल होता है लेकिन संबंधित खिलाड़ी को स्पष्ट रूप से टीम के फैसले के बारे में बता दिया जाता है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा, 'लेकिन हम खिलाड़ी को इसके बारे में बताने में काफी स्पष्ट रहते हैं। हम जो फैसले लेते हैं, खिलाड़ी इसके बारे में जानते हैं। वे जानते हैं कि यह टीम के फायदे के लिए ही है।'

एशियाई खेलों के लिए 17 सदस्यीय भारतीय फुटबॉल टीम घोषित, छेत्री होंगे कप्तान

नई दिल्ली।

चीन के हैंगजाउ में 19 सितंबर से शुरु वाले एशियाई खेलों के लिए 17 सदस्यीय भारतीय फुटबॉल टीम घोषित कर दी गयी है। इस टीम की कप्तानी स्टार फुटबॉलर सुनील छेत्री करेंगे। इस टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गय है। शुरुआत में छेत्री सहित कुछ प्रमुख खिलाड़ियों का एशियाई खेलों में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा था क्योंकि इनकी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीमें इन्हें रिलीज नहीं करना चाहती थीं पर बाद में वे इन्हें रिलीज करने को तैयार हो गयीं। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि इस साल फुटबॉल का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। इंडियन फुटबॉल लीग के साथ ही एशियाई खेल भी होने हैं। इसके अलावा भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत सी चीजें हो रही है। इसके बाद मडेर्का कप, विश्व कप क्वालीफायर और एफसी एशियाई कप भी खेला जाएगा। अध्यक्ष ने आईएसएल लीग से रिलीज किए गए खिलाड़ियों के क्लबों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

इस टीम से उन्हें अच्छे प्रदर्शन क उम्मीद है। टीम के कप्तान छेत्री ने पिछले कुछ समय में भारतीय टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वह भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 142 मैचों में कुल 92 गोल किये और और वह विश्व में सबसे अधिक गोल दागने वाले चौथे खिलाड़ी बन गये हैं।

एशियाई गेम्स के लिए भारतीय फुटबॉल टीम

सुनील छेत्री (कप्तान) ,गुरमीत सिंह, धीरज सिंह मोइरांगथेम, रोहित दानू, गुरकीरत सिंह, अनिकेत जाधव, सुमित राठी, नरेंद्र गहलोत, अमरजीत सिंह कियाम, सैमुअल जेम्स, राहुल के पी, अब्दुल रबीह अंजुकंदन, आयुष देव छेत्री, ब्राइस मिरांडा, अजफर नूरानी, रहीम अली, विंसी बरेटो

एशिया कप के सुपर फोर में

भारत और बांग्लादेश के बीच मुकाबला आज

कोलंबो ।

भारतीय टीम शुक्रवार को यहां एशिया कप के 'सुपर फोर के अपने अंतिम मुकाबले में बांग्लादेश से खेलेगी। भारतीय टीम पहले ही फाइनल में पहुंच गयी है। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में उन खिलाड़ियों को अवसर देना रहेगा जो आगामी विश्वकप के लिए संभावित खिलाड़ियों में हैं और उन्हें अभी तक अवसर नहीं मिला है। इसके अलावा लगातार खेल रहे खिलाड़ियों को भी कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया जा सकता है।

विशेष रुप से गेंदबाजों को आराम देने पर विचार होगा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने एशिया कप में अभी तक केवल 12 ओवर ही गेंदबाजी की है जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ पांच और श्रीलंका के खिलाफ सात ओवर शामिल है। अब ये देखना होगा कि वह एक और मुकाबले में गेंदबाजी करना चाहते हैं या फिर सीधे फाइनल में उतरेंगे। वहीं युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इस टूर्नामेंट में 19.2 ओवर और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने 18 ओवर फेंके हैं। यहां की उमस के कारण गेंदबाजों की काफी परेशानी है, इसलिए टीम प्रबंधन इनमें से एक को आराम दे सकता है। ऐसे में इस मैच में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को उतारा जा सकता है। इससे पांच अक्टूबर से शुरु हो रहे विश्व कप से पहले उन्हें भी गेंदबाजी का अवसर मिल जाएगा। वैसे भी शमी को बुमराह, सिराज और पांड्या के 'बैक-अप तेज गेंदबाज के तौर पर शामिल किया जा रहा है। वहीं स्पिनर अक्षर पटेल को इस मैच में अपनी लय हासिल करनी होगी। उन्हें विश्वकप में रविंद्र जडेजा के कवर के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा पर वह पिछले कुछ समय से विकेट नहीं ले पा रहे हैं जिससे प्रबंधन की परेशानी बढ़ गयी है। यहां तक कि वह विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश भी नहीं लगा पा रहे। अक्षर ने इस साल सात एकदिवसीय मैचों में छह के इकोनोमी रेट से केवल तीन विकेट ही लिए हैं। इस प्रकार उन्हें अपने खेल को बेहतर करना होगा। बल्लेबाज केएल राहुल के फिट होने से टीम प्रबंधन को राहत मिली है। राहुल ने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी कर अपने लय में होने के संकेत भी दिये हैं। श्रीलंका के खिलाफ मैच के बाद राहुल ने टीम प्रबंधन से अपनी भूमिका को लेकर बात की। इससे साफ है कि वह मुख्य विकेटकीपर के साथ ही मध्यक्रम के बल्लेबाज होंगे। इसलिए यह माना जा सकता है कि राहुल बांग्लादेश के खिलाफ भी बल्लेबाजी करेंगे हालांकि बल्लेबाज श्रेयस अय्यर का खेलना संदिग्ध है क्योंकि उनकी पीठ में जगड़न है। इसी कारण वह पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ 'सुपर फोर मैच में नहीं खेल पाए थे। इस मैच में बल्लेबाज ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव में से किसी एक को अवसर मिल सकता है। ईशान ने अभी तक एकदिवसीय में अच्छी बल्लेबाजी की है पर सूर्यकुमार इस प्रारूप में अपने को साबित नहीं कर पाये है। इसे बाद भी उन्हें एकदिवीय विश्वकप के लिए शामिल किया गया है।

ऐसे में प्रबंधन उन्हें खेलने का एक अवसर जरुर देना चाहेगा। दूसरी ओर बांग्लादेश की बात करें तो उन्हें इस मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम के बिना ही उतरना होगा। मुश्फिकुर बच्चे के जन्म के कारण स्वदेश लौट गये हैं। ऐसे में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी बल्लेबाज लिटन दास को मिल सकती है। टीम की कप्तानी शाकिब अल हसन करेंगे। बांग्लादेश पहले ही फाइनल की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसके लिए ये मैच विश्वकप से पहले लय हासिल करने का एक अवसर भर है। ऐसे में सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर फार्म हासिल करना चाहेंगे। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं।

अफगानिस्तान ने एकदिवसीय विश्वकप के लिए घोषित की टीम, नवीन-उल-हक की वापसी

गुलबदीन नायब हुए बाहर

काबुल।

अफगानिस्तान ने पांच अक्टूबर से होने वाले एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। हशमतुल्लाह शाहिदी को इस टीम का कप्तान बनाय गया है जबकि तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक की टीम में वापसी हुई है। वहीं अनुभवी ऑलराउंडर गुलबदीन नायब को इस टीम में जगह नहीं मिली है। दो साल के बाद वापसी कर रहे नवीन ने अफगानिस्तान की ओर से 7 एकदिवसीय मैचों में 25.42 के औसत से 14 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर गुलबदीन को पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के अलावा एशिया कप में भी अच्छे प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह नहीं मिली है जबकि चोटिल होने के कारण एशिया कप से बाहर रहने वाले अजमतुल्लाह उमरजई को भी टीम में शामिल किया गया है। विश्वकप के लिए टीम में चार ऐसे खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है जो एशिया कप में शामिल थे। गुलबदीन के अलावा करीम जनत, शराफुद्दीन अशरफ और सुलेमान सफी को भी टीम में जगह नहीं मिली है। बाकि वही खिलाड़ी हैं जो एशिया कप में खेल रहे थे। टीम के स्पिन विभाग में राशिद खान, मोहम्मद नबी और युवा खिलाड़ी मुजीब उर रहमान और नूर अहमद शामिली हैं। नवीन की टीम में वापसी के अलावा फजलहक फारूकी, अब्दुल रहमान और उमरजई के आने से टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी।

अफगानिस्तान टीम इस प्रकार है-

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, इकराम अलीखिल, अजमतुल्ला उमरजई, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी , अब्दुल रहमान, नवीन-उल-हक।

काउंटी चैम्पियनशिप : उनादकट की शानदार गेंदबाजी से ससेक्स जीती

लंदन ।

भारतीय गेंदबाज जयदेव उनादकट ने इंग्लैंड में खेली जा रही काउंटी चैम्पयनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है। जयदेव ने भारत के ही चेतेश्वर पुजारा की कप्तानी वाली ससेक्स क्लब की ओर से कुल नौ विकेट लेकर अपनी टीम की लैस्टरशायर के खिलाफ 15 रनों से जीत में अहम भूमिका निभाई। काऊंटी चैम्पियनशिप डिविजन 2 के इस मैच में लैस्टरशायर को दूसरी पारी में जीत के लिए 500 रन से ज्यादा का लक्ष्य का मिला। उनादकट ने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर लैस्टरशायर की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस मैच में ससेक्स ने पहले खेलते हुए टॉम हेन्स के 39, कप्तान पुजारा के 26, जेम्स कोल्स के 44 और फिन हडसन-अप्रेंटिस के 65 रनों की सहायता से 262 रन बनाए। इसके जवाब में लैस्टरशायर की टीम ऋषि पटेल के 48 रनों के बाद भी 108 रन ही बना पायी। उनादकट ने पहली पारी में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं दूसरी पारी खेलने उतरी ससेक्स ने टॉम क्लार्क के 69, जेम्स कोल्स के 63 रनों की बदौलत 344 रन बनाए थे। इस तरह लैस्टरशायर को जीत के लिए 498 रनों का लक्ष्य मिला। लैस्टरशायर की ओर से कोलिन एक्करमैन ने 136, उमर एमीन ने 94, बेन कोक्स ने 58 और टॉम स्क्रिवेन ने 108 78 रन बनाकर पूरा प्रयास किया पर उनादकट ने अंत में बाजी मार ली।

अनुबंध राशि से ही करोड़ों कमाते हैं भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली ।

भारत में क्रिकेटरों को सबसे अधिक पैसा मिलना है। यहां तक कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटरों से भी भारतीय क्रिकेटर कमाई में आगे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) विश्व क्रिकेट में सबसे धनी बोर्ड है और ऐसे में भारतीय क्रिकेटरों का मिलने वाले सालाना अनुबंध की राशि भी सबसे अधिक होती है। अनुबंध के तहत ग्रेड होते हैं और उसी के अनुसार खिलाड़ियों को पैसा मिलता है। सालाना वेतन भी अनुबंध के ग्रेड पर ही निर्भर है हालांकि, मैच फीस हर खिलाड़ी को एक ही बराबर मिलती है। हर ग्रेड में शामिल होने के लिए प्रदर्शन मायने रखता है। अभी भारतीय टीम के पास 4 ग्रेड हैं- ए प्लस , ए, बी और सी। ए प्लस ग्रेड अभी चार खिलाड़ियों कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान विराट कोहली और तेज गेंदबाज जमप्रीत बुमराह और ऑल राउंडर रविंद्र जडेजा को मिला हुआ है। इसमें सबसे अधिक 7 करोड़ की राशि मिलती है। वहीं ए ग्रेड में पांच करोड़ राशि मिलती है। ये ग्रेड हार्दिक पांड्या, आर अश्विन, मोहम्मद शमी, ऋषभ पंत और अक्षर पटेल को मिला है जबकि बी ग्रेड में तीन करोड़ रुपये मिलते हैं। इसमें 6 खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा, के एल राहुल, श्रेयस अय्यर, मोहम्मद सिराज, सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल शामिल हैं। वहीं सी ग्रेड में एक करोड़ रुपये मिलते हैं। इसमें शामिल खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैं- उमेश यादव, शिखर धवन, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन, दीपक हुड्डा, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह और के एस भरत।

इन सभी खिलाड़ियों को एक साल के लिए रखा जाता है। 23 सितंबर को इन खिलाड़ियों का 1 साल का अनुबंध समाप्त होगा।इन सभी खिलाड़ियों को हर मैच खेलने के लिए अलग से फीस दी जाती है. टेस्ट, वनडे और टी-20 के लिए अलग-अलग फीस दी जाती है। खिलाड़ी किसी भी ग्रेड में हो उसे प्रति मैच राशि एक जैसे ही मिलती है। हर टेस्ट मैच के लिए 15 लाख, वनडे के लिए 6 लाख और टी-20 मैच के लिए 3 लाख रुपये की फीस इन खिलाड़ियों को दी जाती है। वहीं एशिया कप की बात करें तो टीम के खिलाड़ियों की एशिया कप से कमाई इस बात पर निर्भर करेगी कि टीम कुल कितने मैच खेलती है और उन मैचों को कौन-कौन खिलाड़ी खेलता है. अगर कोई खिलाड़ी किसी मैच में नहीं है तो उसे उस मैच की फीस नहीं मिलेगी।

वेल्लालागे है श्रीलंकाई क्रिकेट का भविष्य: मलिंगा

कोलंबो । श्रीलंका के दिग्गज तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने युवा स्पिनर दुनिथ वेल्लालागे की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे टीम का भविष्य बताया है। मलिंगा के अनुसार इस क्रिकेटर से टीम को काफी उम्मीदें हैं। मलिंगा ने दुनिथ वेल्लालागे के एशिया कप में शानदार प्रदर्शन को लेकर कहा कि अगले एक दशक में वह श्रीलंकाई टीम का सबसे सफल गेंदबाज होगा। उन्होंने कहा कि दुनिथ अच्छी बल्लेबाज भी करने के कारण एक बेहतरीन ऑलराउंडर की जिम्मेदारी निभा सकता है। इस युवा क्रिकेटर ने अबतक केवल 13 एकदिवसीय मैचों में ही 13.58 की औसत से सबसे अधिक 17 विकेट लिए हैं। बाएं क्रिकेटर अगले महीने भारत में शुरू होने वाले आईसीसी एकदिवसीय पुरुष क्रिकेट विश्व कप में भी अहम भूमिका निभा सकता है। वेल्लालागे ने एशिया कप सुपर-4 चरण के एक मुकाबले में शुभमन गिल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों को आउट कर सबको हैरान कर दिया था। उनके इस प्रदर्शन की कई क्रिकेटरों ने प्रशंसा की है। इस खिलाड़ी ने भारत के खिलाफ न केवल पांच विके लिए बल्कि नाबाद 42 रन बनाकर दिखाय कि वह निचले क्रम पर बल्लेबाजी भी संभाल सकते हैं।

स्टोक्स ने एकदिवसीय में पूरे किये अपने 3,000 रन

लंदन । इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में शानदार शतक के साथ ही अपने 3,000 रन भी पूरे कर लिए। इस मैच में स्टोक्स ने केवल 124 गेंदों में 15 चौकों और नौ छक्कों की मदद से 182 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 146 से अधिक रहा। इसके साथ ही स्टोक्स ने जेसन रॉय के अब तक के सबसे अधिक 180 रनों रिकार्ड को भी पीछे छोड़ दिया। अब 108 एकदिवसीय में उनके 159 रन हो गये है। ये रन उन्होंने 40.50 की औसत और 96.36 की स्ट्राइक रेट से बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने 93 पारियों में चार शतक और 22 अर्धशतक भी लगाये हैं। इस मैच में स्टोक्स ने डेविड मलान 96 रन के साथ तीसरे विकेट के लिए 199 रन की साझेदारी की और कप्तान जोस बटलर 38 रन के साथ चौथे विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी की। जिसने इंग्लैंड की टीम 48.1 ओवर में 368 रन बनाने में सफल रही। वहीं दूसरी ओर ट्रेंट बाउल्ट ने 5/51 और बेन लिस्टर 3/69 न्यूजीलैंड की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। इसके बाद जीत के लिए 339 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम 39 ओवरों में ही 187 रनों पर आउट हो गयी।

संक्षिप्त समाचार

33 साल के हुए सूयकुमार

मुम्बई । टी20 किकेट में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव आज गुरुवार को 33 साल के हो गये। इस अवसर पर उन्हें साथी खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने बधाई दी है। सूर्यकुमार ने 31 साल की उम्र में मार्च 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। वह अपने असाधारण और साहसी 360-डिग्री शॉट्स के कारण दुनिया भर में लोकप्रिय हो गये हैं। यहां तक कि उनकी तुलना दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज स्टार खिलाड़ी ए बी डिवीलीयर्स से भी हुई है। उन्होंने अब तक 53 मैचों और 50 पारियों में 46.02 की औसत और 172.70 की स्ट्राइक रेट से 1,841 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने टी20 करियर में तीन शतक और 15 अर्द्धशतक लगाये हैं। उनका उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 117 रन है। सूर्यकुमार ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के छह मैचों में 59.75 की औसत से 239 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 190 का है। उन्होंने अब तक तीन अर्धशतक भी लगाये हैं। सूर्या के लिए साल 2022 काफी अच्छा रहा तब उन्होंने टी20आई में शीर्ष पर रहते हुए 31 मैचों में 46.56 की औसत और 187 से अधिक के स्ट्राइक रेट से दो शतक और नौ अर्द्धशतक के साथ ही 1,164 रन बनाए। इन प्रदर्शनों ने उन्हें 2022 में आईसीसी टी20आई प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड भी मिला। सूर्यकुमार का टी20आई स्ट्राइक रेट टी20आई इतिहास में करियर का उच्चतम स्ट्राइक रेट है।

भारत से मिली शर्मनाक हार को लेकर टीम पर भड़के अकमल

कराची । पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने एशिया कप के सुपर 4 मुकाबले में भारत के हाथों मिली करारी हार को लेकर टीम की कड़ी आलोचना की है। पाक को इस मैच में 228 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में भारत ने 2 विकेट पर 356 रन का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में पाक बल्लेबाज इस स्कोर के करीब भी नहीं पहुंच पाए। इस मैच में पाक बल्लेबाज भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव का मुकाबला नहीं कर पाये। अकमल ने कहा कि पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने आक्रामक रुख न अपनाते हुए रक्षात्मक रुख अपनाया। उन्होंने कहा, यदि आप विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन चाहते हैं और आप एशिया कप फाइनल में खेलना चाहते तो आपके पास अच्छा रवैया होता। अभी तो ये हालत है कि नीदरलैंड से भी हमें जीत के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। इस मामले में प्रबंधन का रवैया भी लापरवाही भरा रहा है। टीम को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करनी थी पर उसने ऐसा नहीं किया। हमारे बल्लेबाज भी मैदान पर टिकने को तैयार नजर नहीं आये। जिस तरह से शादाब, इफ्तिखार और सलमान आउट हुए। आपको उन्हें पूरे ओवर खेलने और स्कोर को कम से कम 260-280 तक ले जाने के लिए कहना चाहिए था। वे जानते हैं कि पीसीबी उनसे कठिन सवाल नहीं पूछेगा। इसलिए टीम के पास कोई नीति और रणनीति नजर नहीं आयी। अकमल ने कहा, ऐसा लगा हर कोई छुट्टी पर गया है। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि आपने एक शीर्ष टीम के खिलाफ स्कूली लड़कों जैसा प्रदर्शन किया है।

अय्यर का बांग्लादेश के खिलाफ खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर शुक्रवार को बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप के सुपर-4 मुकाबले में शायद ही खेलें। इस कारण श्रेयस के कमर की जकड़न बढ़ना बताया गया है। अय्यर की कमर की चोट गंभीर नहीं है लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ शुक्रवार को सुपर-4 चरण के मैच में उनका खेलना संदिग्ध है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में भी उनके खेलने पर संशय छा गया है क्योंकि इसके लिए इसी सप्ताह टीम की घोषणा होनी है। चोट और सर्जरी के कारण लंबे समय बाद टीम से बाहर रहे। श्रेयस ने वापसी पर पाकिस्तान और नेपाल के खिलाफ लीग मैच खेले थे पर कमर की जकड़न बढ़ने के कारण वह पाकिस्तान के खिलाफ सुपर फोर मैच से बाहर थे। प्राप्त जानाकरी के अनुसान श्रेयस की कमर में जकड़न है जिससे फील्डिंग के दौरान उन्हें परेशानी होगी हालांकि उनकी चोट गंभीर नहीं बतायी जा रही। विश्व कप के लिए भारत की संभावित टीम में भी श्रेयस शामिल है पर अब तक वह पूरी तरह से फिट नहीं हो पाये हैं जिससे टीम प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अगर वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नहीं खेलते हैं तो विश्व कप से पहले उन्हें केवल 2 अभ्यास मैच ही खेलने को मिलेंगे।

प्रभास की कन्नप्पा में नुपुर सेनन होंगी लीड हिरोइन

प्रभास के फैंस के लिए हाल ही में एक अच्छी खबर सामने आई है। साउथ फिल्म मेकर विष्णु मांचू ने रविवार को एक्टर से जुड़ी बड़ी अनाउंसमेंट की है। उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि प्रभास उनकी फिल्म कन्नप्पा का हिस्सा होंगे। विष्णु मांचू की इस अनाउंसमेंट के बाद से ही कहा जा रहा है कि प्रभास इस फिल्म में भगवान शिव का किरदार निभाएंगे। हालांकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से प्रभास के किरदार को लेकर कोई अपडेट नहीं दिया गया है। दरअसल साउथ ट्रेड एक्सपर्ट रमेश बाला ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने लिखा- सोर्सेस के मुताबिक सुपरस्टार प्रभास कन्नप्पा- द ट्रू एपिक इंडियन टेल का हिस्सा रहेंगे। यह फिल्ममेकर विष्णु मांचू का ड्रीम प्रोजेक्ट है। दोनों का यह कोलेबोरेशन काफी इंटरेस्टिंग होने वाला है। रमेश के इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए विष्णु ने लिखा- 'हर हर महादेव।' फिल्ममेकर के इस कमेंट के बाद से ही फैंस कयास लगा है कि प्रभास इस फिल्म में भगवान शिव का किरदार निभाएंगे।

लीड रोल में होंगी कृति की बहन नुपुर सेनन

इस फिल्म का डायरेक्शन डायरेक्टर मुकेश सिंह करेंगे। फिल्म में प्रभास के अलावा कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन भी लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए एक्ट्रेस अपना एक्टिंग डेब्यू करेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कन्नप्पा की शूटिंग न्यूजीलैंड में होगी, वहां पर फिल्म के लिए खास सेट तैयार किया जरा है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। बीते दिनों मेकर्स ने फिल्म के लिए पूजा सेरेमनी रखी थी।

जाने-माने डायरेक्टर अनुराग कश्यप को आजकल बॉलीवुड से लेकर साउथ तक से बतौर ऐक्टर काफी ऑफर मिल रहे हैं। पिछले दिनों फिल्म हड्डी में बतौर विलेन नजर आए अनुराग ने हमसे खास बातचीत में बताया कि वह अब ऐक्टर के तौर पर ज्यादा नजर आएंगे या डायरेक्टर के तौर पर।

अगर मैं तमिलनाडु या केरल में पैदा हुआ होता, तो वहां मैंने सबकुछ फोड़ दिया होता

इस साल की शुरुआत में पठान ने अच्छा कलेक्शन किया था। उसके बाद बहुत सारी फिल्में नहीं चलीं। फिर पिछले महीने कमाई के सारे रेकॉर्ड टूट गए। इस बदलाव की क्या वजह मानते हैं आप?

इस बारे में तो ज्योतिषी भी नहीं बता सकते। ऐसा क्यों होता है, क्यों हो रहा है मालूम नहीं है, लेकिन जो हो रहा है अच्छा हो रहा है। काफी समय बाद सत्यप्रेम की कथा से छोटी शुरूआत हुई थी। उसके बाद बार्बी और ओपनहाइमर को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला, तब से यह सिलसिला चलता ही जा रहा है। इसलिए जो हो रहा है वह बहुत अच्छा है।

आप जाने-माने डायरेक्टर हैं, लेकिन आजकल एक्टिंग में भी दम दिखा रहे हैं?

यह सच है कि मुझे एक्टिंग के लिए बहुत रोल ऑफर हो रहे हैं, लेकिन मैं इसमें कोई दम नहीं दिखाना चाहता हूं। मैं बस एक्टिंग कर रहा हूं। हाल ही में जी 5 पर रिलीज हुई फिल्म हड्डी में मैंने विलन का रोल किया। कभी-कभी कुछ कारणों की वजह से आपको यह सब करना पड़ता है। जब करना पड़ता है, तो मैं अच्छे से काम करता हूं।

आने वाले दिनों में आपके अंदर का एक्टर जीतेगा या फिर डायरेक्टर?

डायरेक्टर ही जीतेगा। वैसे एक बार डेविड धवन जी ने मुझे बोला था कि तू एक्टिंग किया कर, इससे तू भी कमाता है और प्रड्यूसर भी। लेकिन जब तू फिल्म बनाता है, तो ना तू कमाता है ना एक्टर। वह बात आज तक मेरे दिल में लगी हुई है।

एक डायरेक्टर जब बतौर एक्टर ज्यादा फिल्में करने लगे, तो खुद में क्या बदलाव करने पड़ते हैं?

मैं एक्टर नहीं बनना चाहता हूं। दरअसल डायरेक्टर को एक्टर बनाया जाता है। एक्टर बनने के लिए पहले अपने अंदर का डायरेक्टर मारना पड़ता है। मेरे लिए उसको मारना बहुत मुश्किल है। एक्टिंग ना करने की मेरी मुख्य वजह भी यही है। मेरे पास बहुत सारी कहानियां हैं कहने को, मैं बहुत सारी फिल्में बनाना चाहता हूं।

आपको साउथ की फिल्मों से एक्टिंग के ऑफर मिल रहे हैं। आपको मानना पड़ेगा कि आपकी डिमांड है?

हां बतौर एक्टर मेरी तीन तमिल फिल्में रिलीज होनी हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं यही करना चाहता हूं, लेकिन कोई रोल मिलता है तो अच्छे से करता हूं। हालांकि मेरा दिल तभी मानता है, जब फिल्म बनाने को मिलती है।

आपको साउथ सिनेमा से डायरेक्शन का भी ऑफर मिला है?

डायरेक्शन के ऑफर तो मुझे सब जगह से मिलते हैं। लेकिन मुझे वहां की भाषा नहीं आती। मुझे तमिल, मलयालम, जर्मनी और फ्रांस सभी जगहों से डायरेक्शन के ऑफर आए हैं, लेकिन अभी तक हिम्मत नहीं हुई। हिम्मत इसलिए नहीं हुई है, क्योंकि मैं जानना चाहता हूं कि मेरे एक्टर्स क्या कर रहे हैं। मेरे लिए फिल्म में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मेरा एक्टर होता है। अगर मैं उसकी भाषा ही समझ नहीं पाऊंगा, तो ऐसी फिल्म मैं बना ही नहीं पाऊंगा। हाल ही में कुमार राजा ने मुझे मॉडर्न लव का एक एपिसोड डायरेक्ट करने का ऑफर किया था। लेकिन मुझे लगा कि मैं उसके साथ न्याय नहीं कर पाऊंगा। मैं सोचता हूं कि अगर मैं तमिलनाडु या केरल में पैदा हुआ होता, तो वहां मैंने सब कुछ फोड़ दिया होता। दरअसल, वहां इतने प्रतिबंध नहीं होते, जितने हिंदी को लेकर होते हैं। वहां जमीनी फिल्में बनाना आसान होता है।

पब्लिसिटी के मामले में पीछे है देओल परिवार?

इन दिनों देओल परिवार लगातार सुर्खियों में है। दिलचस्प बात यह है कि सकारात्मक खबरों की वजह से परिवार की चर्चा हो रही है। एक तरफ घर के बड़े बेटे सनी देओल अपनी फिल्म गदर 2 की सफलता की वजह से छाए हुए हैं। तो पिता धर्मेंद्र रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में अपने किरदार को लेकर। ईशा देओल को उनकी शॉर्ट फिल्म एक दुआ के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला है। इस बीच ईशा देओल ने यह दावा किया है कि देओल परिवार पब्लिसिटी के मामले में अच्छा नहीं है। ईशा देओल ने कहा, परिवार को जिस तरह का प्यार मिला है, अचानक हर कोई मुख्यधारा में आ गया है। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि आपको क्या लगता है कि देओल परिवार पब्लिसिटी में अच्छा नहीं है? इस पर वह सहमत होती नजर आईं और कहा कि उन्हें इसकी वजह तो नहीं पता है, लेकिन, उनका परिवार थोड़ा रिजर्व और प्राइवेट रहना पसंद करता है। ईशा ने कहा, हां! मुझे इसकी असली वजह तो नहीं पता, लेकिन हम में से ज्यादातर लोग इसी तरह के हैं। कुछ शर्मीले हैं। वहीं हमारा नेचर थोड़ा रिजर्व है, हम अपनी जिंदगी को प्राइवेट रखना पसंद करते हैं।

डॉन 3 में रोमा बनना चाहती हैं शोभिता

साउथ फिल्मों में कमाल के अभिनय से लोगों का दिल जीतने वाली शोभिता धूलिपाला अब धीरे-धीरे बॉलीवुड में भी अपनी पैर जमा रही हैं। अभिनेत्री का काम और नाम दोनों ही धीरे-धीरे लाइमलाइट में आ रहा है। जहां एक तरफ वह नागा चैतन्या के साथ कथित तौर पर डेटिंग की खबरों के लिए सुर्खियों में रहती हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके प्रोजेक्ट्स की चर्चा भी जोरों पर होती रहती है। मेड इन हेवन 2 में किए गए काम के लिए तारीफ लूटने के बाद शोभिता धूलिपाला का नाम डॉन 3 में रोमा के लिए सुर्खियों में है। कियारा आडवाणी के बाद खबरे थीं कि शोभिता धूलिपाला फिल्म में रोमा के किरदार में नजर आएंगी। हाल ही में एक इंटरव्यू में शोभिता ने इस बारे में बात की।

डॉन 3 में काम करना चाहती हैं शोभिता

जब से फरहान अख्तर ने घोषणा की है कि रणवीर सिंह डॉन 3 में मुख्य भूमिका निभाएंगे, तभी से फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के नाम को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म है। फैंस कयास लगा रहे हैं कि डॉन फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म में मुख्य अभिनेत्री की भूमिका कौन निभाएगा। कृति सेनन और कियारा आडवाणी जैसी अभिनेत्रियों के नामों रिपोर्ट्स आने के बाद शोभिता धुलिपाला का नाम भी खूब चर्चा में था। अब शोभिता धूलिपाला ने एक इंटरव्यू में डॉन 3 में काम करने की इच्छा व्यक्त की है।

डॉन 3 के लिए ऑडिशन देना पसंद करेंगी शोभिता

न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में शोभिता धूलिपाला ने डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ काम करने को लेकर अपना उत्साह व्यक्त किया। अभिनेत्री ने कहा कि वह डॉन 3 का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित होंगी। शोभिता ने कहा कि मेड इन हेवन 2 आने के बाद, ऐसे कई लोग थे जो कहते थे, तारा साहसी है और तारा की ऊर्जा रोमा की तरह है। यह तुलना अच्छी थी। मुझे डॉन फ्रेंचाइजी की फिल्में पसंद हैं। रोमा के रूप में प्रियंका ने शानदार काम किया था। बस यह संभावना कि लोगों ने सोचा कि मैं भी वह कर सकती हूं, यह काफी आश्चर्यजनक था। मुझे डॉन 3 के लिए ऑडिशन देना अच्छा लगेगा।

रणवीर सिंह बनेंगे डॉन

बता दें, पिछले दिनों फरहान अख्तर ने डॉन 3 का एलान किया था। इसके साथ ही उन्होंने यह भी खुलासा किया था कि इस बार शाहरुख खान नहीं, बल्कि रणवीर सिंह डॉन का किरदार निभाएंगे। बता दें, शाहरुख खान ने साल 2006 और 2011 में रिलीज हुई दो डॉन फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई थी।

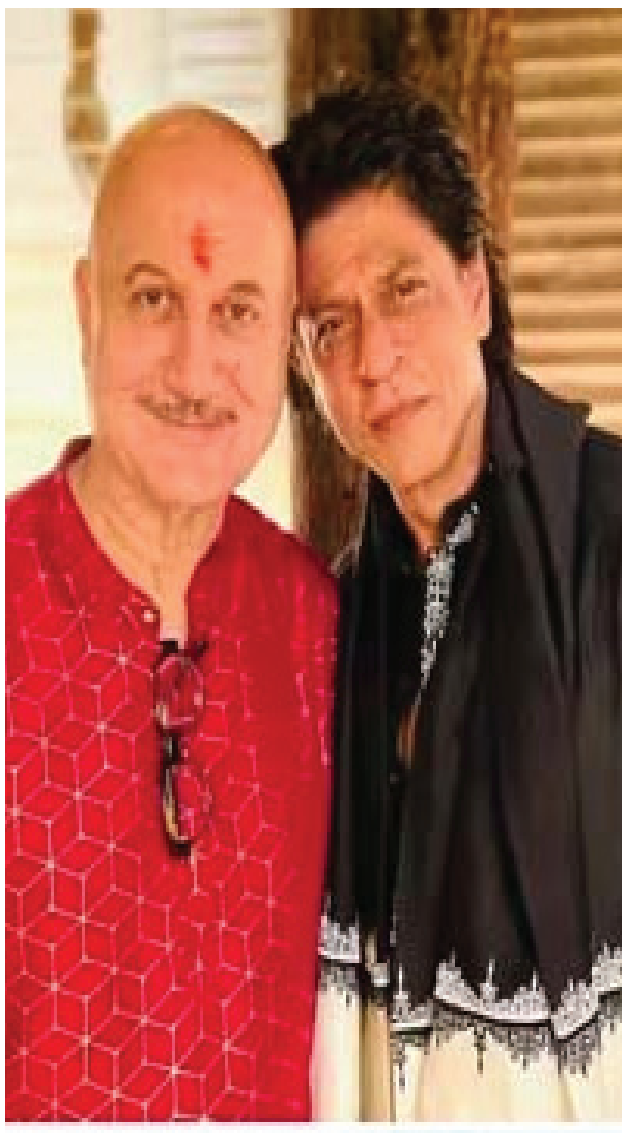

अनुपम ने जवान मूवी देखकर की शाहरुख की तारीफ

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने शाहरुख खान की हाल ही में रिलीज हुई जवान के लिए प्रशंसा की, जिसने दुनिया भर में बॉक्स-ऑफिस कलेक्शन में 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। अनुपम और शाहरुख ने 1995 में दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) में स्क्रीन साझा की थी। उन्होंने फिल्म में शाहरुख के पिता धर्मवीर मल्होत्रा की भूमिका निभाई थी।वरिष्ठ अभिनेता ने सोशल मीडिया पर डीडीएलजे अंदाज में शाहरुख की सराहना की। शाहरुख के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा कर अनुपम ने एक नोट लिखा, मेरे प्यारे शाहरुख! अभी-अभी अमृतसर में ऑडियंस के साथ आपकी फिल्म जवान देख कर निकला हूं। मजा आ गया। एक्शन, पिक्चर का स्केल, आपकी अदा और परफॉरमेंस बहुत ही उम्दा है। एक दो जगह तब मैंने सिटी भी मार दी। फिल्म में हर किसी का काम बहुत पसंद आया। बता दें कि ये लाइनें फिल्म डीडीएलजे का डायलॉग है, जिसमें अनुपम पिता के रूप में बेटे शाहरुख के लिए बोलते हैं। एटली द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर में शाहरुख दोहरी भूमिका में हैं, उनके साथ नयनतारा, विजय सेतुपति, प्रियामणि और सान्या मल्होत्रा हैं।

पुष्पा से पहले एक और दक्षिण भारतीय फिल्म सायरन करेगी धमाका

दक्षिण भारतीय फिल्में इन दिनों दर्शकों में सबसे ज्यादा माँग में हैं। हर नई फिल्म अपने कथानक के जरिये पूरे देश के दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। पोन्नियन सेलवन 1-2 के बाद इस फिल्म के नायक जयम रवि अपनी अगली फिल्म सायरन के जरिये बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने वाले हैं। हाल ही में जारी हुए इस फिल्म के प्रोमो ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया है। इसको देखकर ही समझा जा सकता है कि फिल्म एक जानदार थ्रिलर रहने वाली है। हालांकि ना तो टीजर कहा गया है और ना ही ट्रेलर। इसे प्रीफेस का नाम दिया गया है। यह फिल्म है सायरन है और इसका सायरन प्रीफेस को एक्टर जयम रवि के 43वें जन्मदिन के मौके पर रिलीज किया गया है। इस प्रीफेस को देखकर ही समझा जा सकता है कि यह एक थ्रिलर है और जयम रवि को इसमें अनदेखे अंदाज में देखा जा सकेगा।

जयम रवि की नई फिल्म है सायरन। सायरन के प्रीफेस में जयम रवि को जेल में और उसके बाहर देखा जा सकता है। फिल्म में उनके साथ कीर्ति सुरेश, अनुपरमा परमेश्वरन, योगी बाबू और समुत्रिकनी नजर आएंगे। सायरन को एंटनी भाग्यराज ने निर्देशित किया है और ये उनकी डेब्यू फिल्म है। बताया जा रहा है कि फिल्म में कीर्ति सुरेश पुलिस अफसर के किरदार में नजर आ सकती हैं, जबकि प्रीफेस देखकर समझा जा सकता है कि जयम रवि एक कैदी हैं।

अक्षय कुमार ने शाहरुख खान को दी बधाई

शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म जवान बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म ने महज चार दिनों में दुनियाभर में 500 करोड़ (ग्रॉस) रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म के लिए कई सेलिब्रिटीज किंग खान की तारीफ कर रहे हैं। अब इस लिस्ट में अक्षय कुमार का नाम भी शामिल हो गया है। इंडस्ट्री के खिलाड़ी ने फिल्म की सफलता पर अभिनेता को बधाई दी है। सोमवार को अक्षय कुमार ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शाहरुख खान को उनकी फिल्म जवान की भारी सफलता पर बधाई नोट लिखा। अभिनेता ने फिल्म के कलेक्शन का स्क्रीनशॉट साझा किया और लिखा, कितनी बड़ी सफलता है। मेरे जवान पठान शाहरुख खान को बधाई। हमारी फिल्में वापस आ गई हैं। शाहरुख खान ने भी अपने एक्स पर अक्षय कुमार का आभार व्यक्त किया और उन पर जमकर प्यार भी बरसाया। अभिनेता ने लिखा, आपने दुआ मांगी ना हम सब के लिए तो कैसे खाली जाएगी। शुभकामनाएं और स्वस्थ रहें खिलाड़ी! बहुत सारा प्यार। नेटिजन्स को भी दोनों के बीच का यह संवाद काफी पसंद आया है। लोग सोशल मीडिया पर दोनों ही अभिनेताओं की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक प्रशंसक ने टिप्पणी की, बहुत अच्छा लगा कि कैसे असली किंग और खिलाड़ी अपनी विचारशील भूमिकाओं और महत्वपूर्ण फिल्में बनाने के दृढ़ संकल्प से फिल्म इंडस्ट्री को बचा रहे हैं। एक नया युग हमारे सामने है और हम इसके लिए यहां हैं। एक अन्य ने लिखा, बॉलीवुड के किंग खान और खिलाड़ी। इसके अलावा बहुत से यूजर्स इन पोस्ट पर हार्ट इमोजी भी पोस्ट कर रहे हैं।